



# लिखु पिके गाउँपालिका गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

चौलाखर्क, सोलुखुम्बु  
कोशी प्रदेश, नेपाल

## पर्यटन विकास गुरुयोजना



अन्तिम प्रतिवेदन २०८१

# विषय सूची

|   |    |
|---|----|
| कार्यकारी सारांश.....   | १  |
| अध्याय - १: परिचय.....  | २  |
| १.१ पृष्ठभूमी.....  | २  |
| १.२ पर्यटन गुरुयोजनाको उद्देश्य.....                              | २  |
| १.३ पर्यटन गुरुयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल.....                      | ३  |
| १.४ अध्ययन विधि.....  | ४  |
| १.४.१ प्रकाशित सूचना तथा तथ्याङ्कको पुनरावलोकन एवम् संश्लेषण..... | ४  |
| १.४.२ पर्यटकीय क्षेत्रको स्थलगत अवलोकन.....                       | ४  |
| १.४.३ तथ्याङ्क विश्लेषण एवम् प्रतिवेदन तयारी.....                 | ५  |
| १.५ अध्ययनको क्षेत्र र सीमा.....                                  | ५  |
| अध्याय - २: नेपालमा पर्यटनको वर्तमान अवस्था.....                  | ७  |
| २.१ विश्वमा पर्यटनको इतिहास.....                                  | ७  |
| २.२ नेपालमा पर्यटनको इतिहास र वर्तमान अवस्था.....                 | ७  |
| २.३ नेपालमा पर्यटन गुरुयोजनाको रूपरेखा.....                       | १२ |
| २.३.१ पर्यटन नीति २०६५.....                                       | १२ |
| २.३.२ पर्यटन परिलक्ष्य २०२०.....                                  | १४ |
| २.३.३ राष्ट्रिय पर्यटन रणनीतिक योजना (२०१६-२०२५).....             | १५ |
| २.४ सम्बन्धित क्षेत्रीय तथा स्थानीय पर्यटन योजना.....             | १६ |
| २.५ पर्यटनको महत्त्व.....   | १६ |
| अध्याय - ३: लिखु पिके गाउँपालिकाका मुख्य पर्यटकीय सम्पदाहरू.....  | २० |
| ३.१ लिखु पिके गाउँपालिकाको संक्षिप्त चिनारी.....                  | २० |
| ३.१.१ भौगोलिक अवस्थिति.....                                       | २४ |
| ३.१.२ राजनैतिक तथा प्रशासनिक विवरण.....                           | २५ |
| ३.१.३ जनसाङ्ख्यिक विवरण.....                                      | २६ |
| ३.२ गाउँपालिकाको भू-उपयोग अवस्था.....                             | २८ |
| ३.३ मुख्य पर्यटकीय क्षेत्रहरू, वर्तमान अवस्था र सम्भावना.....     | २९ |
| ३.३.१ पर्यटकीय सम्पदाहरू.....                                     | ३० |
| ३.३.२ प्राकृतिक सम्पदाहरू.....                                    | ३६ |
| ३.३.३ सबल पक्षहरू.....  | ३७ |
| ३.३.४ कमजोर पक्षहरू.....  | ३८ |
| ३.३.५ अवसरहरू.....  | ४० |
| ३.३.६ चुनौतिहरू.....  | ४१ |

|  |    |
|--|----|
| ३.४ प्रमुख पर्यटकीय सम्भावनाका क्षेत्रहरू                              | ४२ |
| ३.४.१ ग्रामीण पर्यटन (घरवास पर्यटन)                                    | ४२ |
| ३.४.२ साहसिक पर्यटन (Adventure Tourism)                                | ४५ |
| ३.४.३ जल पर्यटन (Water Tourism)  | ४५ |
| ३.४.४ कृषि पर्यटन (Agro Tourism)                                       | ४५ |
| ३.४.५ शैक्षिक पर्यटन (अध्ययन अनुसन्धान पर्यटन)                         | ४६ |
| ३.४.६ पर्या-पर्यटन   | ४८ |
| ३.४.७ धार्मिक पर्यटन   | ४८ |
| ३.४.८ खेल पर्यटन   | ४९ |
| ३.४.९ मनोरञ्जन पार्क तथा वनभोज स्थलहरू                                 | ५० |
| ३.४.१० सांस्कृतिक पर्यटन   | ५१ |
| ३.४.११ दृश्यावलोकन केन्द्रहरू  | ५२ |
| ३.४.१२ पद यात्रा, हाइकिङ र साइक्लिङ                                    | ५३ |
| ३.५ भौतिक पूर्वाधारको वर्तमान अवस्था                                   | ५३ |
| ३.५.१ सडक  | ५३ |
| ३.५.२ बैङ्क तथा वित्तीय संस्था   | ५४ |
| ३.५.३ विद्युत  | ५४ |
| ३.५.४ पदमार्ग  | ५५ |
| ३.५.५ हवाई मार्ग   | ५५ |
| ३.५.६ संचार  | ५६ |
| ३.५.७ स्वच्छ खानेपानी र सरसफाई   | ५६ |
| ३.५.८ सुरक्षा र सावधानी  | ५६ |
| ३.५.९ पर्यटन सूचना   | ५७ |
| ३.५.१० हस्तकला चिनो पसल तथा बिक्री केन्द्र                             | ५७ |
| ३.५.११ संग्रहालय तथा साँस्कृतिक केन्द्र                                | ५७ |
| ३.५.१२ मानव संसाधन   | ५७ |
| ३.८ बसोबासको सुविधा  | ५७ |
| ३.९ पर्यटन प्रवर्द्धनको लागि हालसम्म भएका प्रयासहरू                    | ५८ |
| ३.९.१ पर्यटन प्रवर्द्धनका लागि हुने गरेका प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रमहरू | ५८ |
| ३.९.२ पर्यटन क्षेत्रमा काम गरेका संस्थाहरू                             | ५९ |
| अध्याय - ४: पर्यटन विकास योजना तथा कार्यक्रमहरू.....                   | ६० |
| ४.१ पर्यटन विकास गुरुयोजनाको लक्ष्य, उद्देश्य तथा रणनीति               | ६० |
| ४.२ मार्गदर्शक सिद्धान्तहरू  | ६१ |
| ४.३ योजनाका रणनीतिहरू  | ६३ |
| ४.४ अल्पकालीन, मध्यकालीन र दीर्घकालीन योजना तथा कार्यक्रमहरू           | ६४ |
| ४.४.१ अल्पकालीन योजना  | ६४ |

|                  |   |     |
|------------------|---|-----|
| ४.४.२            | मध्यकालीन योजना   | ६५  |
| ४.४.३            | दीर्घकालीन योजना  | ६५  |
| ४.५              | विषयगत कार्य योजनाहरू   | ६६  |
| ४.५.१            | पर्यटन विकास कार्ययोजना   | ६६  |
| ४.५.२            | मानव संसाधन क्षमता विकास कार्ययोजना                                       | ६७  |
| ४.५.३            | पर्यटन पूर्वाधार विकास कार्ययोजना   | ६७  |
| ४.५.४            | पर्यटन रोजगारी तथा सीप विकास कार्ययोजना                                   | ६७  |
| ४.५.५            | पर्यटन प्रवर्द्धन र बजारीकरण विकास कार्ययोजना                             | ६८  |
| ४.५.६            | पर्यटकीय तथा वातावरण सचेतना कार्यक्रम                                     | ६८  |
| ४.५.७            | नविन पर्यटन उत्पादन विकास तथा पर्यटकीय क्रियाकलाप विविधिकरण कार्ययोजना    | ६९  |
| ४.५.८            | जैविक विविधता तथा भू-परिदृश्य संरक्षण तथा व्यवस्थापन कार्ययोजना           | ६९  |
| ४.५.९            | संस्थागत विकास कार्ययोजना   | ७०  |
| ४.६              | पर्यटन विकास गुरुयोजनामा सिफारिस गरिएका कार्यक्रमहरू                      | ७०  |
| ४.६.१            | पर्यटन क्षेत्र विशेष कार्यक्रमहरू   | ७०  |
| ४.६.२            | मानव संसाधन क्षमता विकास कार्यक्रम  | ८७  |
| ४.६.३            | पर्यटन प्रवर्द्धन, बजारीकरण तथा अनुसन्धान विकास कार्ययोजना                | ८८  |
| ४.६.४            | पर्यटकीय तथा वातावरण सचेतना कार्ययोजना                                    | ९०  |
| ४.६.५            | नविन पर्यटकीय उत्पादन विकास तथा पर्यटकीय क्रियाकलाप विविधिकरण कार्य योजना | ९१  |
| ४.६.६            | जैविक विविधता तथा प्राकृतिक परिदृश्य संरक्षण तथा व्यवस्थापन कार्ययोजना    | ९२  |
| ४.६.७            | संस्थागत विकास कार्ययोजना   | ९३  |
| ४.६.८            | पर्यटन सुबिधा, पूर्वाधार तथा नया पर्यटकीय उत्पादन विकास कार्यक्रम         | ९३  |
| ४.७              | लिखु पिकेमा पर्यटन विकासमा प्राथमिकता दिनुपर्ने कार्यक्रमहरू              | ९५  |
| अध्याय - ५:      | पर्यटन व्यवस्थापन, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन .....               | ९७  |
| ५.१              | पर्यटन व्यवस्थापन योजना   | ९७  |
| ५.२              | योजना कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन संयन्त्र                         | ९९  |
| अध्याय - ६       | निष्कर्ष र सारांश .....   | १०२ |
| अनुसूचीहरू ..... |   | १०३ |
| अनुसूची - १      | माइन्सूटस्  | १०३ |
| अनुसूची - २      | पर्यटन गुरु योजना तयारीको लागि छलफलमा सहभागीहरू                           | १०८ |
| अनुसूची - ३      | पर्यटन गुरु योजनाको मस्यौदा प्रस्तुतीकरणका सहभागीहरू                      | १११ |
| अनुसूची - ४      | पर्यटन गुरु योजनाको मस्यौदा प्रस्तुतीकरणका सहभागीहरूको फोटोहरू            | ११२ |

## कार्यकारी सारांश

लिखु पिके गाउँपालिका कोशी प्रदेशअन्तर्गत सोलुखुम्बु जिल्लामा पर्ने एक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक र धार्मिक महत्त्व बोकेको गाउँपालिका हो। यस गाउँपालिका कोशी प्रदेश साथै नेपालको एक प्रमुख सम्भाव्य पर्यटकीय गन्तव्य स्थलमध्ये एक हो।

नेपालमा उच्च प्रविधिमा आधारित उद्योग तथा कलकारखानाबाट उत्पादित विश्वस्तरका सामग्री तथा उत्पादनहरूको बलमा विश्व पूँजी बजारमा व्यापक प्रतिस्पर्धा गरी राष्ट्रिय तथा ग्रामीण अर्थतन्त्र माथि उठाउने सम्भावना आगामी ५० औँ वर्षसम्म समेत झिनो र असम्भव प्राय देखिन्छ तर प्रकृतिप्रदत्त हाम्रा प्राकृतिक सम्पदाहरू र साँस्कृतिक धरोहरको उच्चतम सदुपयोग गरी एकातर्फ बृहत्तर रूपमा पर्यटनको विकास र अर्कोतर्फ प्राङ्गारिक र रैथाने उपजहरूको ब्राण्डिङ गरेर भने हामी संसारमा अन्य देशहरूलाई उछिन्न सक्ने सामर्थ्य राख्दछौँ। तसर्थ लिखु पिके गाउँपालिकाको यो पर्यटन गुरुयोजना यो क्षेत्रको उच्चतम पर्यटन विकास मार्फत राष्ट्रमै मौलिक पहिचान सहितको नमूना पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा विकास गर्नेतर्फ परिलक्षित छ।

यस गुरुयोजनाले गाउँपालिकामा रहेका समग्र पर्यटकीय क्षेत्रहरूको पहिचान र विकासमार्फत् पर्यटकीय क्रियाकलापहरूको खोजी र अभ्यास गरी व्यापक सङ्ख्यामा पर्यटकहरू भित्र्याउने उद्देश्यका साथ रणनीति, कार्यनीति र कार्यक्रमहरू तय गरेको छ। रणनीतिक योजनामा मूल रूपमा पर्यटक आकर्षण र पर्यटकहरूको बसाई लम्ब्याउने कार्यक्रमहरूको विकासमा मुखरित गर्ने प्रयास गरिएको छ। यी दुवै उद्देश्य हासिल गर्ने कार्यनीतिअन्तर्गत आवश्यक सम्पूर्ण पर्यटकीय पूर्वाधार जस्तै- सडक, यातायात, सञ्चार, सूचना केन्द्र, सुरक्षा, बैंक, स्वास्थ्य उपचार, बसोबासको बन्दोबस्त, परिकार, साँस्कृतिक कार्यक्रमहरू, पर्यटकीय गतिविधिहरू आदिको दिगो विकासलाई प्राथमिकता दिई पूर्ण रूपमा जनसहभागिता तथा सरोकारवालाहरूको प्रत्यक्ष संलग्नतालाई सुनिश्चित गर्ने उद्देश्यका साथ सम्पूर्ण सरोकारवालाको सहयोग र साथको अपेक्षा गरिएको छ।

गाउँपालिकामा अवस्थित विभिन्न ऐतिहासिक सम्पदाहरूले पनि यस क्षेत्रको विगतको सभ्यता र साँस्कृति उजागर गर्दछन् यसका साथै विश्वसम्पदा सूचीमा सुचिकृत नेपालको पहिचान सर्वोच्च शिखर सगरमाथा यसै जिल्लामा पर्ने हुँदा यस गाउँपालिकाको समेत विशेष ऐतिहासिक महत्त्व रहेको छ। यहाँ धार्मिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक र पर्यटकीय स्थलहरूमा गुम्बा र मन्दिरहरू लगायतका पर्यटकीय क्षेत्रहरू ६३ वटाभन्दा बढी रहेका छन् भने स्थानीय जातीहरूको परम्परागत कला र साँस्कृतिहरू रहेकाले यहाँ ग्रामीण पर्यटन, पर्यापर्यटन, साहित्यिक पर्यटन, ट्रेकिङ ट्रेल, भिलेज वाक, दृश्यावलोकन, मनोरम शान्त वातावरण आदिले पर्यटकहरूलाई आकर्षित गर्न सक्ने देखिन्छ। गाउँपालिकामा रहेका प्रत्येक मन्दिरको आ-आफ्नै अद्वितीय साँस्कृतिक परम्परा र आदिको समेत सम्भावना देखिन्छ।

## अध्याय - १: परिचय

### १.१ पृष्ठभूमि

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले नेपालको संविधानको अनुसूची ८ मा उल्लेख भएका स्थानीय तहको अधिकारको थप व्याख्या गरी स्थानीय सरकारलाई स्थानीयस्तरका समग्र विकासका योजनाहरू निर्माण, कार्यान्वयन तथा अनुगमन गर्ने अधिकार प्रदान गरेको छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४, परिच्छेद ३, दफा ११, उपदफा (२) ६ को ११, १२ ले पर्यटकीय स्थलहरूको विकास, विस्तार र प्रवर्द्धन, योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र सुपरिवेक्षण गर्ने अधिकार स्थानीय सरकारलाई दिएको छ । स्थानीय सरकारलाई स्थानीय परम्परागत, साँस्कृतिक र पुरातात्विक सम्पदाको संरक्षण गर्ने अधिकार पनि दफा (११), उपदफा (२) फ मा रहेको छ । यो साँस्कृतिक पर्यटनको दायराअन्तर्गत आउँछ जुन पर्यटन गुरु योजनाको एक प्रमुख घटक हो। राष्ट्रिय पर्यटन रणनीतिक योजना (२०१६-२०२५) ले सन् २०२५ सम्ममा २५ लाख २२ हजार पर्यटक भित्र्याउने लक्ष्य राखेको छ भने यस अवधिमा करिब नौ हजार रोजगारी सिर्जना गर्ने लक्ष्य राखिएको छ । यो ग्रामीण पर्यटन प्रवर्द्धनबाट मात्र सम्भव छ । स्थानीय तहमा पर्यटन प्रवर्द्धनका लागि ठोस दीर्घकालीन योजना तर्जुमा गरी तोकिएका लक्ष्यहरू पूरा गर्ने गरी कार्यान्वयन गर्नु नै प्रस्थान बिन्दु हो । यसबाहेक, ठोस योजनाबद्ध कागजातले लाइन एजेन्सीहरू, दाताहरू र निजी क्षेत्रहरूबाट लगानी आमन्त्रित गर्न मद्दत गर्दछ।

पर्यटन गुरुयोजनाले विभिन्न सरकारी निकायहरू, स्थानीय सरकारका एकाइहरू र निजी क्षेत्रसँग समन्वय गर्न र समस्याहरू पहिचान गर्न, रणनीतिक दिशा र क्षेत्रगत प्राथमिकताहरू विकास गर्न र कार्य योजना तर्जुमा गर्न मद्दत गर्दछ। पर्यटनलाई अहिले सामान्य रूपमा रोजगारीको प्रमुख स्रोतको रूपमा मात्र नभई अनुपम संस्कृतिको संरक्षण गर्न, अर्थतन्त्र र सामाजिक गतिशीलता, शहरी र ग्रामीण अर्थतन्त्रको विकासका लागि उत्प्रेरकको रूपमा पनि हेरिन्छ। पर्यटन गुरुयोजनाले पर्यटन विकासमा व्यापक सेवाहरू विकास गर्न र योजनाको दृष्टिकोणमा नवीनताको पनि विस्तृत चित्र प्रदान गर्दछ। हालका वर्षहरूमा प्रकृति पर्यटन र समुदायमा आधारित पर्यटनको विकासमा ध्यान केन्द्रित गरिएको छ जसमा पर्यटनले वातावरण संरक्षण, साँस्कृतिक पुनरुत्थान र सामाजिक विकासका लागि महत्त्वपूर्ण भूमिका खेल्छ।

### १.२ पर्यटन गुरुयोजनाको उद्देश्य

यो पर्यटन गुरुयोजनाको प्रमुख उद्देश्य लिखु पिके गाउँपालिकामा रहेका विभिन्न धार्मिक, साँस्कृतिक तथा प्राकृतिक पर्यटकीय सम्पदा र स्थानहरूको पहिचान, प्रवर्द्धन, विकास र प्रचारप्रसार गरी यहाँका बासिन्दाहरूको आय आर्जनमा टेवा पुऱ्याई उनीहरूको जीवनस्तरमा सुधार ल्याउनु नै हो । साथै पर्यटनको माध्यमद्वारा यहाँ रहेका विभिन्न स्थानीय कला, साँस्कृति, भाषा, रहनसहन, चाडबाड, परम्परा र जीवनशैलीको प्रवर्द्धन, विकास र प्रचारप्रसार गर्नु पनि अर्को उद्देश्य हो । कुनै पनि विकास निर्माणका कार्यहरू स्थानीय बासिन्दाहरूको सहभागिता र स्वामित्व बिना सम्भव हुँदैनन् । तसर्थ स्थानीय स्तरमा पर्यटनको विकास समेत स्थानीय

बासिन्दाहरूको सहभागिता बिना सम्भव हुँदैन । पर्यटनको विकास मार्फत स्थानीय बासिन्दा तथा गाउँपालिकाको समग्र विकास गर्ने हेतुले यो पर्यटन गुरुयोजना तयार गरी कार्यान्वयन गर्ने उद्देश्य लिइएको छ ।

अहिलेको विश्व परिवेशमा पर्यटन कुनै पनि देशको आर्थिक विकासको प्रमुख क्षेत्र बन्न सफल भएको छ । विज्ञान, पूँजी, सूचना, सञ्चार तथा सम्पर्कको विकाससँगै मानिसहरू विभिन्न कामको शिलशिलामा एक स्थानबाट अर्को स्थानमा जाने क्रमको विकास भएपश्चात् पछिल्लो समयमा पर्यटन व्यवसायले ठूलो फड्को मारिसकेको छ र विभिन्न देशले पर्यटनको विकासद्वारा देश विकासमै उल्लेख्य फड्को समेत मारिसकेका छन् । तसर्थ:

- पर्यटकीय स्थानहरूको पहिचान, प्रवर्द्धन, विकास र प्रचार प्रसारद्वारा आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकहरूलाई आकर्षित गरी स्थानीय बासिन्दाहरूको आय आर्जनमा टेवा पुऱ्याई उनीहरूको जीवनस्तरमा सुधार गर्नु नै पर्यटन विकासको प्रमुख उद्देश्य हो ।
- साथै पर्यटनको माध्यमद्वारा स्थानीय कला, संस्कृति, भाषा, रहनसहन, चाडबाड, परम्परा र जीवनशैलीको प्रवर्द्धन, विकास र प्रचार प्रसार गर्नुसमेत अर्को उद्देश्य रहेको छ ।

### १.३ पर्यटन गुरुयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल

कुनै पनि योजनाको कार्यान्वयन पछि उक्त योजनाले राखेका उद्देश्यहरूको प्राप्ति गर्नु नै अपेक्षित प्रतिफल हो । पर्यटन विकासलगायतका सबै योजनाहरूको उद्देश्यको केन्द्रमा स्थानीय बासिन्दाहरूको जीवनशैलीमा परिवर्तन ल्याउने र उनीहरूलाई गुणस्तरीय जीवन जिउन सक्षम तुल्याउने नै हुन्छ । यो पर्यटन विकास गुरुयोजनाको कार्यान्वयन पछि स्थानीय धार्मिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक र पर्यटकीय स्थलहरूको पहिचान, प्रवर्द्धन, विकास तथा प्रचार प्रसार भई आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकहरूको आगमनमा वृद्धि हुनेछ जसले स्थानीय बासिन्दाहरूको आय आर्जनमा टेवा पुऱ्याई उनीहरूको आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक लगायतका अवस्थामा सुधार तथा सकारात्मक परिवर्तन आउने र गाउँपालिकाको समग्र विकासमै टेवा पुऱ्ये अपेक्षा गरिएको छ । सामान्यतया यो गुरुयोजनाको निम्नलिखित अपेक्षित प्रतिफल हुनेछन् ।

- स्थानीय धार्मिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक र पर्यटकीय स्थलहरूको पहिचान, प्रवर्द्धन, विकास तथा प्रचार प्रसार हुनेछ ।
- आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकहरूको आगमनमा वृद्धि हुनेछ ।
- पर्यटकहरूको आगमनमा वृद्धि सँगसँगै पर्यटकीय पूर्वाधार, उद्योग, व्यापार व्यवसायमा वृद्धि हुनेछ ।
- स्थानीय बासिन्दाहरूको आय आर्जनमा टेवा पुगी उनीहरूको आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिकलगायतका अवस्थामा नै सुधार तथा सकारात्मक परिवर्तन आउनेछ ।
- स्थानीय बासिन्दाहरू विश्वस्तरीय ज्ञान, विज्ञान, साहित्य र जीवनशैलीबाट लाभान्वित भई विश्व नागरिक बन्न सक्नेछन् ।

- स्थानीय कला, संस्कृति, भाषा, रहनसहन, चाडबाड, परम्परा र जीवनशैलीको प्रवर्द्धन, विकास र प्रचार प्रसार हुनेछ ।
- पर्यटन विकासको माध्यमद्वारा गाउँपालिकाको समग्र विकासमा टेवा पुग्नेछ ।
- कला, संस्कृति, भाषा, रहनसहन, चाडबाड, परम्परा र जीवनशैलीको आदानप्रदान हुनेछ ।

## १.४ अध्ययन विधि

यस पर्यटन गुरुयोजना नेपालको पर्यटन नीतिलगायतका पर्यटनसँग सम्बन्धित राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय कानुनी मापदण्ड र उत्तम अभ्यासहरूमा व्यवस्था भएका प्रावधानहरूको अध्ययन र अनुशरण गरी तयार गरिएको हो जसअनुसार प्राथमिक तथा द्वितीय स्रोतबाट प्राप्त सूचना तथा तथ्याङ्कहरू अध्ययन तथा सङ्कलन, पर्यटकीय क्षेत्रको स्थलगत भ्रमण तथा अवलोकन, स्थानीय जनसमुदायहरू र गाउँपालिकाका पदाधिकारीहरूसँग समेत छलफल तथा अन्तरक्रिया गरिएको छ । स्थलगत भ्रमण तथा अवलोकनबाट पर्यटकीय सम्पदाहरूको जानकारी सङ्कलन गरियो भने सामाजिक तथा आर्थिक जानकारी राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ बाट साभार गरिएको छ ।

### १.४.१ प्रकाशित सूचना तथा तथ्याङ्कको पुनरावलोकन एवम् संश्लेषण

#### १.४.१.१ अध्ययन तथा सन्दर्भ सामग्रीहरूको पुनरावलोकन

पर्यटन गुरुयोजना तयार गर्न आवश्यक पर्ने द्वितीय तथ्याङ्क तथा सूचनाहरूको अध्ययन तथा विश्लेषण गरिएको छ । गाउँपालिकाको बस्तुगत विवरण, सामाजिक-आर्थिक जानकारीहरू संगलन सान्दर्भिक प्रकाशनहरू, राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को तथ्याङ्क आदिबाट समावेश गरिएको छ । सन्दर्भ सामग्रीको हकमा पर्यटन नीति २०६५, पर्यटन गुरुयोजना २०६५, पर्यटन परिलक्ष्य २०२० र राष्ट्रिय पर्यटन रणनीतिक योजना २०१६-२०२५ आदि प्रतिवेदनहरू सङ्कलन गरि अध्ययन तथा विश्लेषण गरिएको छ ।

#### १.४.१.२ भौगोलिक तथा राजनितिक नक्साहरूको अध्ययन

पर्यटकीय क्षेत्रको भौगोलिक तथा राजनितिक विभाजनको जानकारी र अवस्थितिका साथै अन्य धार्मिक तथा प्राकृतिक महत्त्वका स्थानहरूको जानकारी हासिल गर्नका लागि नापी विभागबाट प्राप्त गरिने टोपो नक्सा र गुगल नक्साबाट पनि उपलब्ध सन्दर्भ सामग्रीहरू अध्ययन गरी विवरणहरूको जानकारी लिइएको थियो ।

### १.४.२ पर्यटकीय क्षेत्रको स्थलगत अवलोकन

स्थलगत भ्रमण तथा अवलोकनबाट प्राप्त गर्नुपर्ने जानकारीहरू सङ्कलन गर्नका लागि पर्यटकीय गतिविधिसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण पक्षहरू समावेश गरी चेकलिष्ट निर्माण गरियो । सो चेकलिष्टमा पर्यटकीय क्षेत्रको भौगोलिक, भौतिक, धार्मिक तथा साँस्कृतिक, आर्थिक तथा जैविक वातावरणसँग सम्बन्धित विषय वस्तु समावेश गरियो । विशेषज्ञ टोलीले स्थलगत भ्रमण तथा अध्ययनका क्रममा गाउँपालिकाका प्रतिनिधि, संस्थाका प्रतिनिधिहरू, पर्यटन तथा होटल



व्यवसायीहरु, स्थानीय क्लबहरु, सामाजिक संस्थाहरु, नागरिक समाज र पार्टीका प्रतिनिधिहरुसँग भेटघाटका साथै निश्चित प्रश्नावलीमा आधारित भई समूहगत छलफल गरी तथ्याङ्क सङ्कलन गर्ने कार्य गरिएको थियो ।

प्रस्ताव क्षेत्रको स्थलगत भ्रमण तथा अध्ययनका क्रममा त्यहाँको पर्यटकीय महत्त्वका प्राकृतिक वातावरण, साँस्कृतिक तथा धार्मिक सम्पदा, ताल तलैया, सिमसार क्षेत्र, नदी नाला, जङ्गल, वन्यजन्तु आदिको टिपोट गरिएको थियो। पर्यटकीय क्षेत्रको भूगोलको अवस्था, जलाधार क्षेत्रलगायतका भौतिक वातावरणका बारेमा पनि जानकारी संकलन गर्ने कार्य गरिएको थियो ।

ग्रामीण लेखाजोखा विधिको प्रयोगमार्फत् विभिन्न जाती, धर्म, पेशा, वर्ग आदिको प्रतिनिधित्व हुने गरी समूहगत छलफलबाट सामाजिक, आर्थिक तथा साँस्कृतिक वातावरण सम्बन्धी जानकारी लिइएको थियो। ऐतिहासिक सम्पदा तथा साँस्कृतिक सम्पदाहरुहरुको अवलोकन भ्रमण र जानकार व्यक्तिहरुसँगको छलफलबाट समेत जानकारी सङ्कलन गर्ने कार्य गरिएको थियो। यसका अतिरिक्त विभिन्न समूह, समुदाय वा पेशागत समूह सङ्घ संस्था आदिसँगको छलफल तथा अन्तरक्रिया समेत आयोजना गरिएको थियो ।

### १.४.३ तथ्याङ्क विश्लेषण एवम् प्रतिवेदन तयारी

पर्यटकीय क्षेत्रहरुको विस्तृत अध्ययन तथा भ्रमणबाट प्राप्त भएका प्रथम तथा द्वितीय तथ्याङ्क तथा सूचनाहरुलाई विश्लेषण तथा संक्षिप्तिकरण गरी आवश्यकताअनुसार तालिका, नक्सा तथा चित्रहरुमा राखी गुरुयोजनाको उपयुक्त भागमा समावेश गरिएको छ। तसर्थ प्राप्त जानकारीहरुबाट (सन्दर्भ सामग्री, स्थलगत अध्ययन, पुनरावलोकन अध्ययन) गुरुयोजना प्रतिवेदन कार्यान्वयन गर्दा हालै भएका पर्यटकीय स्थलको थप प्रचार प्रसार र विकास हुने तथा सम्भावित पर्यटकीय स्थलको पहिचान भई स्थानीय तह तथा देशकै आर्थिक विकासमा टेवा पुग्ने देखिन्छ ।

### १.५ अध्ययनको क्षेत्र र सीमा

यो गुरुयोजना गाउँपालिकाको पर्यटन विकास गर्ने उद्देश्यले तयार पारिएको हुनाले यस दस्तावेजमा पालिका भित्रका विभिन्न पर्यटकीय स्थलहरुको मात्र छनौट र अध्ययन गरिएको छ भने पालिका भित्रका पर्यटकीय स्थलहरु तथा सम्भावित पर्यटकीय स्थलहरुको विकास गर्ने गुरुयोजना बाहेकका अन्य पक्षहरुलाई समावेश गरिएको छैन तसर्थ यसका निम्नलिखित सीमाहरु रहेका छन्-

- गुरुयोजना निर्माणको क्रममा प्राथमिक स्रोतबाट पूर्ण तथ्याङ्कहरुको सङ्कलन गर्न नसकिएको अवस्थामा द्वितीय स्रोतबाट प्राप्त तथ्याङ्कहरुको विश्लेषण गरिएको छ ।
- जिल्ला समन्वय समिति, गाउँपालिका, केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग २०११, २०२१ र अन्य प्रिन्ट मिडिया एवम् अनलाइन मिडियाका तथ्याङ्कहरुलाई द्वितीय स्रोतका तथ्याङ्कको रूपमा प्रयोग गरिएको छ ।

- स्थानीय साधन र स्रोतको अधिकतम उपयोग र परिचालनलाई विशेष प्राथमिकता दिई जनसहभागितामूलक योजना निर्माण प्रक्रिया र कार्यान्वयनलाई प्राथमिकता दिइएको छ।
- यस गुरुयोजनाको मुख्य क्षेत्र र सीमा भनेको स्थानीय समुदायलाई केन्द्रमा राखी उनीहरूको सहभागिता बिना यो गुरुयोजनाको कार्यान्वयन सम्भव हुँदैन भन्ने मान्यतालाई आत्मसाथ गरिएकाले उनीहरूको पूर्ण सहभागिताले मात्र यसले लिएको लक्ष्य, उद्देश्य र नतिजाहरू हासिल गर्न सकिन्छ भन्ने रहेको छ ।

## अध्याय - २: नेपालमा पर्यटनको वर्तमान अवस्था

### २.१ विश्वमा पर्यटनको इतिहास

पर्यटन क्षेत्रलाई विश्वमा नै सबैभन्दा तिव्र गतिमा विस्तार भएको क्षेत्र मध्ये एक मानिन्छ । प्राचीन कालमा मानिसहरूले आफ्नो आवश्यकता पूरा गर्ने, अध्ययन गर्ने, वरपरको कुराहरूको वस्तुस्थिति जात्रे बुझ्ने उत्सुकताबाट सुरु भएको भ्रमण कार्यले आज आएर अन्तरिक्ष पर्यटनको समेत रूप लिई सकेको छ । प्रविधिको क्षेत्रमा आएको चमत्कारिक विकाससँगै साँघुरिदै गएको वर्तमान विश्वमा पर्यटन विकासले ठूलो फड्को मारिसकेको छ ।

संयुक्त राष्ट्रसंघीय विश्व पर्यटन सङ्गठनको तथ्याङ्क अनुसार सन् २०२१ मा कुल पर्यटक आगमनमा सन् २०२० को तुलनामा ४ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ । यद्यपी, सन् २०२१ मा पनि अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकको आगमन अझै पनि महामारी पूर्वको वर्षभन्दा ७२ प्रतिशतले कम छ । सन् २०२१ मा पर्यटनको आर्थिक योगदान (पर्यटन प्रत्यक्ष कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा मापन गरिएको) १.९ ट्रिलियन अमेरिकी डलर अनुमान गरिएको छ, जुन सन् २०२० को आर्थिक योगदान १.६ ट्रिलियन अमेरिकी डलरभन्दा बढी हो, तर अझै पनि महामारी पूर्वको आर्थिक योगदान ३.५ ट्रिलियन अमेरिकी डलरभन्दा निकै कम छ ।

### २.२ नेपालमा पर्यटनको इतिहास र वर्तमान अवस्था

मौलिक संस्कृति, स्वच्छ वातावरण, मनमोहक पर्वतीय श्रृंखलाहरू, साहसिक र चुनौतीपूर्ण भौगोलिक अवस्थितिले गर्दा पर्यटनका लागि नेपाल विश्वमा नै अनुपम गन्तव्य स्थल मानिन्छ । दक्षिणमा समतल तराई मध्य भागमा महाभारत पर्वत श्रृंखला र उत्तरमा मनमोहक हिमाली चुचुराहरू सहितको भौगोलिक विविधताले भरिपूर्ण प्राकृतिक वातावरणले गर्दा नेपालको पर्यटन क्षेत्र मौलिक र साहसिक पर्यटनका लागि संसारभर परिचित छ ।

पर्यटकको नेपाल आगमनको इतिहास अझै अज्ञात छ तापनि सन् १८९९ मा बौद्ध धर्मका अनुयायी जापानी नागरिक इकाई कावागुचीले अन्नपूर्ण क्षेत्रको भ्रमण गरे पश्चात् यसको प्रारम्भ भएको मानिन्छ । त्यसैगरी प्राचिनकालमा चिनियाँ यात्रीहरू हुयनसान र भारत वर्षका सम्राट असोकको नेपाल भ्रमण पनि महत्त्वपूर्ण मानिन्छन् । नेपाल एकिकरणको समय पूर्व अर्थात् सन् १८१४ सम्म नेपाल विदेशीहरूको लागि लगभग बन्द जस्तै रह्यो । सन् १८१६ को सुगौली सन्धिपश्चात् विदेशीहरू खासगरी ब्रिटिसहरूको नेपाल भ्रमणको क्रम बढ्न थाल्यो भने सन् १८५० मा तत्कालीन श्री ३ जङ्गबहादुर राणाको बेलायत भ्रमण, १८९३ मा वीर शमसेरको भारत भ्रमण, १९०८ मा चन्द्र शमसेरको बेलायत भ्रमण तथा सन् १९११ मा बेलायतका राजा जर्ज पाँचौको नेपाल भ्रमण उच्चस्तरीय भ्रमणका महत्त्वपूर्ण थालनी हुन् ।

नेपालको आधुनिक पर्यटन इतिहासमा भने सन् १९५० मा नेपालका केही शहरहरू सडक सञ्जाल मार्फत् भारतीय सिमानासँग जोडिएपछि पहिलो पटक पर्यटकहरू नेपाल भित्रिएको अनुमान गर्न सकिन्छ । त्यस बेलादेखि अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकहरू नेपालको धनी संस्कृति, सुरम्य

हिमालयका परिदृश्यहरू अवलोकन र अन्वेषण गर्न निरन्तर आइरहेको देखिन्छ । विश्वको सर्वोच्च शिखर सगरमाथा आरोहण गर्न आएका जर्ज मालोरी र एन्ड्रयू स्यान्डी सन् १९२४ मा आरोहण प्रयासको क्रममा बेपत्ता भएको इतिहास भेटिन्छ । सन् १९५० मा फ्रान्सेली टोलीको नेतृत्व गर्दै मौरिस हर्जोगको सफल अन्नपूर्ण आरोहण तथा सन् १९५३ मा एडमण्ड हिलारी र तेन्जिङ्ग नोर्गे शेर्पाको सफल सगरमाथा आरोहण पश्चात् नेपाल विश्व पर्यटन बजारमा परिचित हुन गई नेपाल बारे चर्चा परिचर्चा बढ्न गयो । त्यसैगरी सन् १९५० को मध्यतिर सम्पन्न अङ्ग्रेजहरू तथा प्रायोजित विद्यार्थीहरूको समूह वैज्ञानिक अध्ययन तथा सर्वेक्षण गर्न बेलायतदेखि टर्की, इरान, अफगानस्तान, कश्मिर, मनाली, काठमाडौँ हुँदै भारतको गोवासम्मको यात्रा गरेको प्रमाण भेटिन्छ ।

सन् १९७० को दशक सम्म आइपुग्दा यहाँको अनुकूल जलवायु, मनोरम प्राकृतिक वातावरण र अनुपम संस्कृतिका कारणले गर्दा पश्चिमा जीवनशैली र युद्धदेखि बिरक्तिएका युवा जमातहरूको लागि नेपाल सुरक्षित पर्यटन गन्तव्य स्थलको रूपमा चर्चित हुन पुगेको थियो । तिनीहरू केवल सामान्य जीवनशैलीमा रमाउने प्रकृति प्रेमीहरू थिए जसलाई मानिसहरू हिप्पि (Hippies or Freak) का रूपमा चिन्थे । यसैक्रममा पश्चिमा पर्यटकहरू आकर्षित गर्न होटल, रिसोर्टहरू, आधुनिक सुविधा सहितका पश्चिमा रेष्टुरेन्टहरू खुल्न थालेको पाइन्छ । हाल नेपालमा उपलब्ध आधुनिक पर्यटक गतिविधिहरूमा मौलिक नेपाली कला संस्कृति, रीतिरिवाज, चालचलन, परम्परा र भेषभुषा, खानपान आदिको अवलोकन तथा ट्रेकिङ, च्यापिटङ, हिमाल आरोहण, वन्यजन्तु अवलोकन तथा शिकार (सफारी), बन्जी जम्पिङ (Bungy Jumping), प्याराग्लाइडिङ, पर्वतीय उडान (Mountain flight) लगायतका साहसिक खेलहरू पदार्छन् ।

नेपालको सन्दर्भमा विगतका विभिन्न आन्तरिक राजनैतिक र बाह्य उतारचढावहरू तथा मुख्य गरी सन् २०१५ को अप्रिल २५ मा गएको महाभूकम्पका कारणले सन् २०१५ र २०१६ मा अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटक आगमनको सङ्ख्यामा धेरै नै कमी आए तापनि सन् २०१७, २०१८ र २०१९ मा भने अघिल्लो वर्षहरूको तुलनामा उल्लेखनीय रूपमा वृद्धि हुँदै आएको देखिन्छ । अध्यागमन विभागको पछिल्लो तथ्याङ्क अनुसार सन् २०१९ मा कुल ११,९७,१९१ जना विदेशी पर्यटकहरू नेपाल भित्रिएका थिए। यो सङ्ख्या सन् २०१८ मा भित्रिएका कुल पर्यटक सङ्ख्या ११,७३,०७२ जनाको भन्दा २.०५ प्रतिशत बढी हो भने नेपालको इतिहासमा हाल सम्मकै सबैभन्दा उच्च सङ्ख्या हो। सन् २०२० र २०२१ मा कोभिड महामारीका कारण पर्यटकीय गतिविधि शुन्य जस्तै भयो। सन् २०२० मा जम्मा २,३०,०८५ जना र सन् २०२१ मा १,५०,९६२ जना पर्यटकहरू नेपाल भित्रिए जुन २०१९ को तुलनामा लगभग ९० प्रतिशतले कमी हो । हाल कोभिड जोखिम कम भएपश्चात सन् २०२२ मा पर्यटकको सङ्ख्या बढेर लगभग ६१४८६९ माथि पुगेको छ ।

तालिका नं. १: हवाईमार्ग र स्थलमार्गबाट आउने पर्यटकको सङ्ख्या

| सूचकहरू                   | २०१९             | २०२०            | २०२१          | २०२२          | २०२३           |
|---------------------------|------------------|-----------------|---------------|---------------|----------------|
| हवाई मार्गबाट आउने पर्यटक | ९,९५,८८४         | १,८३,१३०        | १,५०,६२५      | ५,९२,६३१      | ९१४२७०         |
| स्थल मार्गबाट आउने पर्यटक | २०१,३०७          | ४६,९५५          | ३३७           | २२,२३८        | १,००,६१२       |
| <b>जम्मा</b>              | <b>१,१९७,१९१</b> | <b>२,३०,०८५</b> | <b>१५०९६२</b> | <b>६१४८६९</b> | <b>१०१४८८२</b> |

Source: Tourism statistics 2022- NTB

सन् २०२० र २०२१ मा सबैभन्दा बढी पर्यटकहरू भारतीय रहेका छन् र कूल पर्यटक आगमनमध्ये आधाभन्दा बढी हिस्सा पाँच देशको मात्र रहेको छ।

तालिका नं. २: सङ्ख्याको आधारमा नेपाल भित्रिने पर्यटकहरूका पाँच प्रमुख देशहरू

| स्थान        | प्रमुख पाँच देशहरू |         |
|--------------|--------------------|---------|
|              | २०२०               | २०२१    |
| पहिलो स्थान  | भारत               | भारत    |
| दोस्रो स्थान | म्यानमार           | अमेरिका |
| तेस्रो स्थान | थाइल्याण्ड         | बेलायत  |
| चौथो स्थान   | चीन                | चीन     |
| पाँचौं स्थान | अमेरिका            | जर्मनी  |

अध्यागमन विभागको पछिल्लो तथ्याङ्क अनुसार कोभिडका कारण सन् २०२० र २०२१ मा पर्यटकको सङ्ख्या लगभग २०१९ को तुलनामा लगभग ९० प्रतिशतले घटेको छ तर सन् २०२२ मा भने पर्यटक आगमनको सङ्ख्या पुनः बढेको छ। कोभिड महामारीका कारण लगभग २ वर्ष सम्म पर्यटक व्यवसाय क्षेत्र सुनसान नै रह्यो। यही वर्ष मात्र यस क्षेत्रमा बिस्तारै सुधार हुँदै आएको छ र आज पनि पहिलेकै गति लिन केही समय लाग्ने देखिन्छ। सन् २०१८ मा विदेशी पर्यटक आगमनको सङ्ख्यामा अघिल्लो वर्षको तुलनामा २५ प्रतिशतले वृद्धि भएको थियो। सन् २०१९ मा यो सङ्ख्या २.०५ प्रतिशतले वृद्धि भएको थियो भने २०२० र २०२१ मा आउँदा अघिल्लो वर्षको तुलनामा क्रमश ८०.७ प्रतिशत र ३४.३ प्रतिशतले घटेको थियो। यसको मुख्य कारण कोभिड १९ को महामारी थियो। भारत र चीनको बढ्दो आर्थिक हैसियत र कूल पर्यटक आगमनमा यी दुई देशको अत्यन्तै ठुलो हिस्सा रहेबाट नेपालको भरपर्दो र दिगो पर्यटक उद्गमस्थल मध्ये भारत र चीन प्रमुख रहेको देखिन्छ। तसर्थ यी देशबाट बढीभन्दा बढी पर्यटक भित्र्याउनेतर्फ हाम्रो प्रयास उन्मुख हुनुपर्दछ। साथै आन्तरिक पर्यटकहरूलाई आकर्षित गर्न विशेष योजना ल्याउन सकिने देखिन्छ।

वर्तमान अवस्थामा पर्यटन नेपालको प्रमुख आर्थिक एवम् रोजगारीको क्षेत्र हो । देशमा विद्यमान र भविष्यमा विस्तार हुन सक्ने आर्थिक विकासका क्षेत्रलाई विचार गर्दा नेपालको सन्दर्भमा पर्यटन नै एक यस्तो क्षेत्र हो जसको माध्यमबाट देशले द्रुत, दिगो र भरपर्दो विकास गर्न सक्छ । निजी क्षेत्रहरूको स्वःस्फुर्त सहभागिता रहेको पर्यटन क्षेत्रले प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूपमा करिब १० लाख बराबरको रोजगारका अवसरहरू सिर्जना गरेको अनुमान छ । यसका अतिरिक्त हाल तिव्र गतिमा फस्टाउँदै गएको आन्तरिक पर्यटनको माध्यमबाट स्थानीयस्तरमा स्वरोजगारका अवसरहरू पनि क्रमिक रूपमा विकसित हुँदै गैरहेका छन् । समग्रमा भन्नुपर्दा पर्यटन व्यवसाय राष्ट्रको एउटा भरपर्दो आर्थिक विकासको मेरुदण्ड हो ।

तालिका नं. ३: पर्यटक आगमन तथा सरदर बसाई अवधि (सन् १९६४-२०२१)

| वर्ष | जम्मा सङ्ख्या | वृद्धि दर (%) | हवाईबाट आउने सङ्ख्या | प्रतिशत | स्थल मार्गबाट आउने सङ्ख्या | प्रतिशत | बसाईको औसत समय |
|------|---------------|---------------|----------------------|---------|----------------------------|---------|----------------|
| १९६४ | ९,५२६         | ३०.९          | ८,४३५                | ८८.५    | १,०९१                      | ११.५    | -              |
| १९६५ | ९,३८८         | -१.४          | ८,३०३                | ८८.४    | १,०८५                      | ११.६    | -              |
| १९६६ | १२,५६७        | ३३.९          | ११,२०६               | ८९.२    | १,३६१                      | १०.८    | -              |
| १९६७ | १८,०९३        | ४४            | १५,०६४               | ८३.३    | ३,०२९                      | १६.७    | -              |
| १९६८ | २४,२०९        | ३३.८          | १९,७१७               | ८१.४    | ४,४९२                      | १८.६    | -              |
| १९६९ | ३४,९०१        | ४४.२          | २८,१३०               | ८०.६    | ६,७७१                      | १९.४    | -              |
| १९७० | ४५,९७०        | ३१.७          | ३६,५०८               | ७९.४    | ९,४६२                      | २०.६    | -              |
| १९७१ | ४९,९१४        | ८.६           | ४०,३६९               | ८०.९    | ९,५४५                      | १९.१    | -              |
| १९७२ | ५२,९३०        | ६             | ४२,४८४               | ८०.३    | १०,४४६                     | १९.७    | -              |
| १९७३ | ६८,०४७        | २८.६          | ५५,७९१               | ८२      | १२,२५६                     | १८      | -              |
| १९७४ | ८९,८३८        | ३२            | ७४,१७०               | ८२.६    | १५,६६८                     | १७.४    | १३.२           |
| १९७५ | ९२,४४०        | २.९           | ७८,९९५               | ८५.५    | १३,४४५                     | १४.५    | १३.०५          |
| १९७६ | १,०५,१०८      | १३.७          | ९०,४९८               | ८६.१    | १४,६१०                     | १३.९    | १२.४१          |
| १९७७ | १,२९,३२९      | २३            | १,१०,१८०             | ८५.२    | १९,१४९                     | १४.८    | ११.६           |
| १९७८ | १,५६,१२३      | २०.७          | १,३०,०३४             | ८३.३    | २६,०८९                     | १६.७    | ११.८४          |
| १९७९ | १,६२,२७६      | ३.९           | १,३७,८६५             | ८५      | २४,४११                     | १५      | १२.०२          |
| १९८० | १,६२,८९७      | ०.४           | १,३९,३८७             | ८५.६    | २३,५१०                     | १४.४    | ११.१८          |
| १९८१ | १,६१,६६९      | ०.८           | १,४२०,८४             | ८७.९    | १९,५८५                     | १२.१    | १०.४९          |
| १९८२ | १,७५,४४८      | ८.५           | १,५३,५०९             | ८७.५    | २१,९३९                     | १२.५    | १३.३३          |
| १९८३ | १,७९,४०५      | २.३           | १,५२,४७०             | ८५      | २६,९३५                     | १५      | ११.५३          |
| १९८४ | १,७६,६३४      | १.५           | १,४९,९२०             | ८४.९    | २६,७१४                     | १५.१    | ११.५५          |
| १९८५ | १,८०,८८९      | २.५           | १,५१,८७०             | ८३.९    | २९,११९                     | १६.१    | ११.३           |
| १९८६ | २,२३,३३१      | २३.४          | १,८२,७४५             | ८१.८    | ४०,५८६                     | १८.२    | ११.१६          |
| १९८७ | २,४८,०८०      | ११.१          | २०५,६११              | ८२.९    | ४२,४६९                     | १७.१    | ११.९८          |

| वर्ष | जम्मा सङ्ख्या | वृद्धि दर (%) | हवाईबाट आउने सङ्ख्या | प्रतिशत | स्थल मार्गबाट आउने सङ्ख्या | प्रतिशत | बसाईको औसत समय |
|------|---------------|---------------|----------------------|---------|----------------------------|---------|----------------|
| १९८८ | २,६५,९४३      | ७.२           | २३४,९४५              | ८८.३    | ३०,९९८                     | ११.७    | १२             |
| १९८९ | २,३९,९४५      | ५३.७          | २०७,९०७              | ८६.६    | ३२,०३८                     | १३.४    | १२             |
| १९९० | २,५४,८८५      | ६.२           | २२६,४२१              | ८८.८    | २८,४६४                     | ११.२    | १२             |
| १९९१ | २,९२,९९५      | १५            | २६७,९३२              | ९१.४    | २५,०६३                     | ८.६     | ९.२५           |
| १९९२ | ३,३४,३५३      | १४.१          | ३००,४९६              | ८९.९    | ३३,८५७                     | १०.१    | १०.१४          |
| १९९३ | २,९३,५६७      | १२.२          | २५४,१४०              | ८६.६    | ३९,४२७                     | १३.४    | ११.९४          |
| १९९४ | ३,२६,५३१      | ११.२          | २८९,३८१              | ८६.६    | ३७,१५०                     | ११.४    | १०             |
| १९९५ | ३,६३,३९५      | ११.३          | ३२५,०३५              | ८९.४    | ३८,३६०                     | १०.६    | ११.२७          |
| १९९६ | ३,९३,६१३      | ८.३           | ३४३,२४६              | ८७.२    | ५०,३६७                     | १२.८    | १३.५           |
| १९९७ | ४,२१,८५७      | ७.२           | ३७१,१४५              | ८८      | ५०,७१२                     | १२      | १०.४९          |
| १९९८ | ४,६३,६८४      | ९.९           | ३९८,००८              | ८५.८    | ६५,६७६                     | १४.२    | १०.७६          |
| १९९९ | ४,९१,५०४      | ६             | ४२१,२४३              | ८५.७    | ७०,२६१                     | १४.३    | १२.२८          |
| २००० | ४,६३,६४६      | ५.७           | ३७६,९१४              | ८१.३    | ८६,७३२                     | १८.७    | ११.८८          |
| २००१ | ३६१,२३७       | २२.१          | २९९,५१४              | ८२.९    | ६१,७२३                     | १७.१    | ११.९३          |
| २००२ | २७५,४६८       | -२३.७         | २१८,६६०              | ७९.४    | ५६,८०८                     | २०.६    | ७.९२           |
| २००३ | ३३८,१३२       | -२२.७         | २७५,४३८              | ८१.५    | ६२,६९४                     | १८.५    | ९.६            |
| २००४ | ३८५,२९७       | १३.९          | २९७,३३५              | ७७.२    | ८७,९६२                     | २२.८    | १३.५१          |
| २००५ | ३७५,३९८       | -२.६          | २७७,३४६              | ७३.९    | ९८,०५२                     | २६.१    | ९.०९           |
| २००६ | ३८३,९२६       | २.३           | २८३,८१९              | ७३.९    | १००,१०७                    | २६.१    | १०.२           |
| २००७ | ५२६,७०५       | ३७.२          | ३६०,७१३              | ६८.५    | १६५,९९२                    | ३१.५    | ११.९६          |
| २००८ | ५००,२७७       | -५            | ३७४,६६१              | ७४.९    | १२५,६१६                    | २५.१    | ११.७८          |
| २००९ | ५०९,९५६       | १.९           | ३७९,३२२              | ७४.४    | १३०,६३४                    | २५.६    | ११३.३२         |
| २०१० | ६०२,८६७       | १८.२          | ४४८,८००              | ७४.४    | १५४,०६७                    | २५.६    | १२.६७          |
| २०११ | ७३६,२१५       | २२.१          | ५४५,२२१              | ७४.१    | १९०,९९४                    | २५.९    | १३.१२          |
| २०१२ | ८०३,०९२       | ९.१           | ५९८,२५८              | ७४.५    | २०४,८३४                    | २५.५    | १२.१६          |
| २०१३ | ७९७,६१६       | -०.७          | ५९४,८४८              | ७४.६    | २०२,७६८                    | २५.४    | १२.६           |
| २०१४ | ७९०,११८       | -०.९          | ५८५,९८१              | ७४.२    | २०४,१३७                    | २५.८    | १२.४४          |
| २०१५ | ५३८,९७०       | -३२           | ४०७,४१२              | ७५.६    | १३१,५५८                    | २४.४    | १३.१६          |
| २०१६ | ७५३,००२       | ४०            | ५७२,५६३              | ७६      | १८०,४३९                    | २४      | १३.४           |
| २०१७ | ९४०,२१८       | २५            | ७६०,५७७              | ८१      | १७९,६४१                    | १९      | १२.६           |
| २०१८ | १,१७७,०७३     | २५            | ९६९,२८७              | ८२      | २०३,७८५                    | १८      | १२.४           |
| २०१९ | १,१९७,१५१     | २.०५          | ९९५,८८४              | ८३.१९   | २०१,३०७                    | १६.९१   | १२.७           |
| २०२० | २३०,०८५       | -८०.७         | १८३,१३०              | ७९.६    | ४६,९५५                     | २०.४    | १५.१           |
| २०२१ | १५०,९६२       | -३४.३         | १५०,६२५              | ९९.७    | ३३७                        | ०.३     | १५.५           |

| वर्ष | जम्मा सङ्ख्या | वृद्धि दर (%) | हवाईबाट आउने सङ्ख्या | प्रतिशत | स्थल मार्गबाट आउने सङ्ख्या | प्रतिशत | बसाईको औसत समय |
|------|---------------|---------------|----------------------|---------|----------------------------|---------|----------------|
| २०२२ | ६१४८६९        | ३०७.३०        | ५९२६३१               | ९६.४०   | २२२३८                      | ३.६०    | १३.१०          |
| २०२३ | १०१४८८२       | ६५.०५         | ९१४२७०               | ९०.०९   | १००६१२                     | ९.९१    | १३.२०          |

Source: Tourism statistics 2022- NTB

## २.३ नेपालमा पर्यटन गुरुयोजनाको रूपरेखा

पहिलो राष्ट्रिय विकास योजना (१९५६-१९६०) को तर्जुमासँगै नेपालमा विविध प्रकारका पर्यटकीय सम्भावनाहरूको पहिचान र त्यसका लागि आवश्यक पूर्वाधारहरूको योजना अवधारणाको सुरुवात सन् १९५० को दशकतिर भएको थियो । त्यसबेलादेखि राष्ट्रियस्तरमा प्रशस्त पर्यटन नीति नियम र योजनाहरू तर्जुमा भएका छन् जसलाई हालको राष्ट्रिय पर्यटन रणनीतिक योजना (National Tourism Strategic Plan) मा संक्षिप्त रूपमा समेटिएको छ ।

प्रथम पटक सन् १९५९ मा फ्रान्स सरकारको सहयोगमा फ्रान्सेली नागरिक जर्ज लेब्रेचले 'नेपाल पर्यटन विकास योजना' (General Plan for the Organization of Tourism in Nepal) तयार गरेका थिए । जर्ज लेब्रेचले आफ्नो योजनाको प्रारूपमा यहाँको उच्च हिमाली चुचुरा, मौलिक वनस्पति तथा जीवहरू झल्कने विविध प्रचार सामग्री, पर्यटन पुस्तिका, पोस्टर, हिमालय चित्रित गर्ने हुलाक टिकटहरू बनाउन सुझाव दिएका थिए । साथै नेपाल पर्यटन कार्यालय (Nepal Tourism Office) को निर्माण तथा पर्वतारोहण समेटिएको वृत्तचित्रहरू निर्माण गरी प्रचार प्रसार गर्न सुझाएका थिए । त्यस पश्चात् उनले सन् १९६४ र १९६६ मा दुईपटक नेपाल भ्रमण गरी अन्य दुई प्रतिवेदनहरू क्रमशः "Report on the Development Tourism"/"Report on Tourism in Nepal" तयार पारेका थिए ।

नेपालको प्रथम पर्यटन विकास गुरुयोजना जर्मन सरकारको सहयोगमा सन् १९७२ मा तयार गरिएको थियो । उक्त समयमा नेपालमा पर्यटन व्यवसाय भर्खर मात्र सुरु भएकाले थोरै मात्र पर्यटकहरू नेपाल आउने गरेको अवस्था थियो । सन् १९८२ अथवा दश वर्षपछि उक्त पर्यटन विकास गुरुयोजनालाई मूल्याङ्कन गर्दा त्यस वर्ष मात्रै करिब १ लाख ७७ हजार पर्यटकहरू नेपाल आएका थिए । त्यसपछि सन् १९९० मा एसियाली विकास बैंकको सहयोगमा दोस्रो पर्यटन विकास आयोजना सञ्चालन गरिएको थियो । आ.व. २०६५-०६६ को बजेट तथा कार्यक्रमअन्तर्गत देशका विभिन्न भागमा रहेका साँस्कृतिक, धार्मिक लगायतका पर्यटकीय स्थानहरूको व्यवस्थापन, निर्माण, मर्मत सम्भार तथा विकासका साथै पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय अन्तर्गत पर्यटन पूर्वाधार विकास आयोजनाको स्थापना गरिएको छ ।

### २.३.१ पर्यटन नीति २०६५

दश वर्षे लामो माओवादी जनयुद्ध र ऐतिहासिक जनआन्दोलनको परिणाम स्वरूप सम्पन्न बृहत् शान्ति सम्झौता पश्चात् सुरु भएको शान्ति प्रक्रिया सँगसँगै सम्पन्न निर्वाचनद्वारा संविधान सभाको गठन पछिको अवस्थामा परिवर्तनका सकारात्मक उपलब्धि स्वरूप सन् २००७ मा



पाँच लाखभन्दा बढी पर्यटक नेपाल भित्रिएबाट मुलुकमा पर्यटक आवगमनको सङ्ख्यामा वृद्धि मात्र नभई यस व्यवसायमा राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय लगानीकर्ताको लगानी गर्ने चाहनामा वृद्धि हुन गएका संकेतहरू देखा परेका थिए । यसै परिप्रेक्ष्यमा नेपाल सरकारले आर्थिक विकासका लागि पर्यटन प्रवर्द्धनको आवश्यकतालाई पहिचान गरी आ.व. २०६५/०६६ देखि नेपालमा पर्यटनलाई नयाँ आर्थिक विकास नीतिको उच्च प्राथमिकतामा राखी यसको विकासको लागि सम्बद्ध सबै मन्त्रालयका नीति तथा कार्यक्रमहरूलाई पर्यटन प्रवर्द्धनोन्मुख हुने गरी पर्यटन नीति २०५२ लाई परिमार्जन गरी नयाँ नीति ल्याउने घोषणा गरेअनुसार पर्यटन नीति २०६५ तर्जुमा गरिएको थियो । उक्त नीतिको दीर्घकालीन दृष्टिकोण र लक्ष्य निम्न बमोजिम रहेको छ ।

**(क) दीर्घकालीन दृष्टिकोण :** “नेपालको प्राकृतिक, सांस्कृतिक, जैविक एवम् मानवनिर्मित सम्पदाहरूको संरक्षण तथा प्रवर्द्धन गर्दै नेपाललाई विश्व मानचित्रमा आकर्षक, रमणीय र सुरक्षित गन्तव्यको रूपमा विकास गर्ने”

**(ख) लक्ष्य :** “राष्ट्रिय सम्पदाहरूलाई दिगो उपयोगको माध्यमबाट पर्यटकीय क्रियाकलापमा प्रयोग गरी राष्ट्रिय आयमा पर्यटन क्षेत्रको योगदानलाई उल्लेख्य मात्रामा वृद्धि गराई जनताको जीवनस्तरमा सुधार ल्याउने”

**(ग) उद्देश्यहरू :** उल्लेखित दीर्घकालीन दृष्टिकोण तथा लक्ष्य प्राप्तिको लागि निम्नलिखित चार उद्देश्यहरू निर्धारण गरिएको छ-

(क) पर्यटन क्षेत्रको विविधिकरण र विस्तारद्वारा सर्वसाधारण नागरिकमा स्वरोजगारको सिर्जना गरी पर्या-पर्यटन र ग्रामिण पर्यटनलाई गरिबी निवारणसँग आबद्ध गराई उनीहरूको जीवनस्तरमा सुधार गर्न पर्यटन उद्योगको प्रवर्द्धन गरी यसलाई राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको प्रमुख आधारको रूपमा विकास गर्ने ।

(ख) देशका मूर्त-अमूर्त, प्राकृतिक, साँस्कृतिक, जैविक तथा मानव निर्मित सम्पदाहरूको खोज, संरक्षण, सम्बर्धन सम्बर्द्धन एवं विकास गरी नेपाललाई पर्यटकीय दृष्टिले आकर्षक र प्रमुख गन्तव्यको रूपमा विकास गर्ने ।

(ग) सुलभ, सुरक्षित, भरपर्दो र नियमित हवाई तथा स्थल यातायातको माध्यमद्वारा पर्यटन क्षेत्रको विकास, विस्तार र प्रवर्द्धन गर्ने ।

(घ) पर्यटकीय पूर्वाधारको विकास र निर्माणको क्रममा प्राकृतिक स्रोत र साधनको वातावरणमैत्री दिगो रूपमा उपयोग गर्ने ।

उल्लेखित लक्ष्यहरू हासिल गर्न दस्तावेजमा २६ ओटा पर्यटन विकासका नीतिहरू तयार गरिएको छ । उल्लेखित नीतिहरूमा मूलतः प्रवर्द्धनात्मक कार्यहरू, ग्रामिण पर्यटन विकास, आन्तरिक पर्यटन प्रवर्द्धन, पर्यटन विविधिकरण, विस्तार र विकास, हवाई सेवाको विकास, सरकारी तथा निजी क्षेत्रको भूमिका, मानव संसाधन विकास, पर्या-पर्यटन, सूचना प्रविधिको

उपयोग, पर्यटकीय सुरक्षा र संकट व्यवस्थापन लगायतका विषयहरू समेटिएका छन् । प्रत्येक नीतिको प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्नका लागि बेग्ला बेग्लै रणनीति र कार्यनीतिहरू अवलम्बन गर्ने निर्धारण गरिएको छ ।

यो पर्यटन नीति २०६५ हालसम्म पनि प्रभावकारी छ, यद्यपि पछिल्ला वर्षहरूमा देखिएका परिवर्तित सामाजिक, आर्थिक र राजनीतिक घटनाहरूको परिप्रेक्ष्यमा यस नीतिमाथि समीक्षा गर्न आवश्यक छ । पर्यटन नीति २०६५ तर्जुमा सँगै नेपालका लागि पर्यटन गुरुयोजना २०६५ पनि सोही समयमा विकास गरिएको थियो तर निजी क्षेत्रको विचारहरूलाई सही रूपमा प्रतिबिम्बित गर्न नसकेको गुनासो आएका कारणले यो योजना सरकारद्वारा लागू गरिएन ।

### २.३.२ पर्यटन परिलक्ष्य २०२०

सँस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालयले निजी क्षेत्रहरूसँगको साझेदारीमा पर्यटन क्षेत्रको समग्र विकासलाई मार्गदर्शन गर्न र सन् २०२० सम्म हासिल गर्ने लक्ष्य निर्धारण गर्नका लागि पर्यटन परिलक्ष्य २०२० (Tourism Vision 2020) को तर्जुमा गरेको थियो। यसको दीर्घकालिन दृष्टिकोण (Vision) तथा लक्ष्य (Goal) यस प्रकार रहेको थियो ।

**दीर्घकालीन दृष्टिकोण :** "Tourism is valued as the major contributor to sustainable Nepalese economy, having developed as an attractive, safe, exciting and unique destination through conservation and promotion, leading to equitable distribution of tourism benefits and greater harmony in society."

नेपालको दिगो आर्थिक विकासका लागि पर्यटनलाई एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्रको रूपमा लिइएको छ । जसलाई आकर्षक, सुरक्षित र मनोरम गन्तव्यस्थलको रूपमा विकसित गरी यसबाट प्राप्त प्रतिफललाई समान ढंगले वितरण गरी सामाजिक सौहार्दता प्रवर्द्धन गर्ने दृष्टिकोण लिइएको छ। यसका दुई मुख्य लक्ष्यहरू यसप्रकार रहेका छन् :

१. सन् २०२० सम्म २० लाख अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकलाई नेपाल भित्र्याउने,
२. आर्थिक अवसरहरू वृद्धि गर्ने र पर्यटन सम्बर्द्धन रोजगारीको अवसर १० लाख पुऱ्याउने ।

पर्यटन लक्ष्य २०२० मा निम्न बमोजिमका मुख्य उद्देश्यहरू रहेका छन् जसमा प्रत्येक उद्देश्यसँग सम्बन्धित रणनीतिहरू पनि समावेश गरिएको छ ।

१. महिला तथा सिमान्तकृत समुदायहरूलाई केन्द्रमा राखी एकीकृत पर्यटन पूर्वाधार विकास, पर्यटन गतिविधि तथा उत्पादनमा वृद्धि मार्फत् ग्रामीण क्षेत्रहरूमा रोजगारी सिर्जना गरी आम जनताको जिवनस्तर उकास्न टेवा पुऱ्याउने,
२. सहज र सक्षम संस्थागत वातावरण तयार गरी पर्यटन विकासलाई नेपालको सामाजिक तथा आर्थिक विकासको मुलधारमा ल्याएर पर्यटन विकासलाई व्यापक आधारभूत विकासको क्षेत्रको रूपमा विकास गर्ने,

३. पर्यटकीय गतिविधिहरूमा सहभागी हुन सक्ने गरी समुदायको क्षमता अभिवृद्धि गरी पर्यटन उत्पादन तथा सेवा विस्तारका नयाँ र सम्भावित क्षेत्रहरूको पहिचान गर्ने,
४. अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटन बजारमा रहेको नेपालको पर्यटनको सुन्दर छविको बारेमा प्रकाशन तथा प्रचार-प्रसार गर्ने,
५. उड्डयन सुरक्षा अभिवृद्धि गर्दै विभिन्न शहर, देश तथा क्षेत्रहरूसँग हवाई सम्बन्ध (air connectivity) विस्तार गर्ने तथा राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थलको क्षमता र सुविधाहरू विस्तार र सुधार गर्ने,
६. नयाँ पर्यटकीय पूर्वाधार, सुविधा उत्पादन र सेवाहरू सिर्जना गर्न थप लगानी आकर्षित गर्ने ।

यस दस्तावेजमा उल्लेखित उद्देश्यहरू हासिल गर्न ३६ ओटा रणनीतिहरूका साथै २० ओटा अल्पकालीन र ११ ओटा दीर्घकालीन कार्ययोजनाहरूको एउटा सूची पनि प्रस्तुत गरिएको छ। ती मध्ये अधिकांश बुँदाहरू पर्यटन गन्तव्य क्षेत्र योजनामा केन्द्रित छन्। विशेष गरी देशभित्र विशेष पर्यटकीय केन्द्रहरू विकास गर्नु यसको उद्देश्य हो। समग्रमा पर्यटन लक्ष्य २०२० ले नेपालमा पर्यटन विकासका लागि सन् २०२० भित्र अवलम्बन गर्ने उद्देश्य तथा रणनीतिहरू संक्षिप्त र स्पष्ट रूपमा समेटेको थियो तथापि उक्त योजना कार्यान्वयन गर्न आवश्यक एक विस्तृत कार्ययोजना तर्जुमा गर्न नसक्नु यस दस्तावेजको सबैभन्दा ठूलो कमजोरी हो।

पर्यटन परिलक्ष्य २०२० मा उल्लेखित पहिलो उद्देश्य परिपूर्ति गर्नका लागि अवलम्बन गरिने रणनीतिमा पर्यटकीय गन्तव्यहरू, पर्यटकीय क्रियाकलापहरू तथा उपलब्ध पूर्वाधारहरूको आधारमा प्रत्येक साविकका विकास क्षेत्रका सबै इकोलोजिकल जोनहरू हिमाल, पहाड र तराईका एक एक जिल्लाहरू छनौट गरि पर्यटन केन्द्रको (Tourism Hub) को रूपमा विकास गर्ने रणनीति रहेको थियो।

### २.३.३ राष्ट्रिय पर्यटन रणनीतिक योजना (२०१६-२०२५)

सन् २०१३ अघि देखि नै कुनै पनि पर्यटन नीति, रणनीति तथा योजनाहरू तर्जुमा गर्दा उक्त नीति, रणनीति तथा योजनाहरूलाई सहयोग पुग्ने गरी विस्तृत विवरण सहितको कार्यान्वयन कार्ययोजनाहरू तयार गरिएको छैन जसले सरकार तथा यसका सहभागीहरूबाट यस क्षेत्रको विकास गर्न गरिएका प्रयासहरूलाई निर्देशित गर्न सकोस्। यसै सन्दर्भमा भूकम्प र नाकाबन्दीले थला परेको पर्यटन क्षेत्रको बारेमा सकारात्मक सन्देश प्रवाह गर्दै नेपाली पर्यटनलाई विश्वव्यापीकरण गर्ने उद्देश्यले सरकारले १० वर्षे रणनीतिक योजना अघि बढाएको थियो। उक्त योजना कार्यान्वयनको लागि साढे ६ अर्बको बजेट प्रस्ताव गरिएको थियो। यस राष्ट्रिय पर्यटन रणनीतिक कार्य योजना (२०१५-२०२४) (पछि अद्यावधिक गरिएको राष्ट्रिय पर्यटन रणनीतिक योजना (२०१६-२०२५) को मूल लक्ष्य “प्राविधिक तथा वित्तीय सहयोगको माध्यमबाट तीव्र आर्थिक वृद्धि तथा रोजगार सिर्जनाका लागि पर्यटन उद्योगलाई एक प्रमुख उत्प्रेरकको रूपमा विकास गर्न सरकार र सरोकारवालाहरूको लागि आर्थिक विकासको दीर्घकालिन दृष्टिकोण सहितको एक मार्ग निर्देशक ढाँचा निर्माण गर्नु” हो।

## यस रणनीतिक योजनामा समावेश ६ वटा विशिष्ट उद्देश्यहरू निम्न बमोजिम छन् :

१. पर्यटन मार्फत् राजश्व तथा रोजगारीका अवसरहरूको वृद्धि गरी प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ उत्पादन (GDP) वृद्धिमा योगदान पुऱ्याउने,
२. देशको पर्यटन व्यवसायप्रतिको आकर्षण बढाउने र सेवाहरूको विकास तथा विविधिकरण गर्ने,
३. देशको स्थिरता, पर्यावरण र संस्कृतिलाई हानी नपुऱ्याई पर्यटक आगमनमा वृद्धि गर्ने,
४. प्रमुख पर्यटन वस्तु उत्पादन बजारमा नेपाली उत्पादनका ब्रान्डहरू स्थापना गर्ने,
५. पर्यटन सम्बद्ध मानव संसाधन तथा उत्पादनको गुणस्तर सुधार गर्ने,
६. सामुदायिक सहभागितालाई प्रोत्साहित गर्ने र गरिबी कम गर्ने ।

### २.४ सम्बन्धित क्षेत्रीय तथा स्थानीय पर्यटन योजना

लिखु पिके गाउँपालिका ऐतिहासिक, धार्मिक, साँस्कृतिक एवं प्राकृतिक हिसाबले अपार पर्यटकीय सम्भावना भएको क्षेत्र हो तर हालसम्म पालिकास्तरबाट पर्यटन सम्बन्धी कुनै पनि किसिमका बृहत योजनाहरू बनिसकेका छैनन्। यसलाई मध्यनजर गरि यस क्षेत्रको पर्यटन विकास तथा प्रवर्द्धनका लागि प्रदेश सरकारले केही बजेट विनियोजन गरेको छ।

### २.५ पर्यटनको महत्त्व

आर्थिक रूपमा पर्यटनको महत्त्व सर्वाधिक रूपमा बढिरहेको छ । नेपालमा सन् १९६० को दशक अगाडी पर्यटन उद्योग वा व्यवसायबाट हुने आम्दानीलाई त्यति महत्त्व दिइएको थिएन । त्यसपछि प्रायः सबैजसो देशहरूले यसलाई वैदेशिक मुद्रा आर्जन गर्ने मुख्य माध्यम ठानी त्यसै अनुसारका रणनीति र योजनाहरू बनाए। त्यसपछि क्रमशः देशीय र अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटन गतिविधिहरू तीव्र रूपमा अगाडि बढे । तब यसले आन्तरिक विकास, देशको गार्हस्थ उत्पादन, प्रतिव्यक्ति आय तथा राष्ट्रिय आय बढाउनुका साथै ठूला तथा घरेलु उद्योग र उत्पादनमा वृद्धि गराएको, बेरोजगारी समस्या कम गराएको, शोधानान्तर स्थिति सुध्रिएको जस्ता प्रत्यक्ष आर्थिक क्रियाकलापहरूमा प्रभाव पारेकाले पर्यटन क्षेत्र आर्थिक महत्त्वको विषय बन्न गएको छ । विशेषगरी एसियामा पर्यटन व्यवसायबाट चीन, भारत, जापान लगायतका देशहरूले आफ्नो स्थितिलाई मजबुत पारेका छन् । विगतमा नेपालको गतिविधि पर्यटन विकासको अनुकूल नरहे पनि पर्यटन क्षेत्रले राष्ट्रिय आम्दानीमा वृद्धि गरिरहेको छ । अहिले नेपालको आन्तरिक गतिविधि पनि पर्यटन विकासको अनुकूल देखिएबाट यसको आर्थिक महत्त्व झन् बढेको छ ।

पर्यटनको आर्थिक महत्त्वलाई दृष्टिगत गरी सन् १९६३ मा रोममा भएको अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटन सम्मेलन, सन् १९८० को मनिला सम्मेलन लगायत पाटा PATA (Pacific Asia Travel Association), संयुक्त राष्ट्रसंघ, विश्व बैंक आदिले आर्थिक गतिविधिको सफल पक्ष भनी स्वीकारी पर्यटनको विस्तार र यसको विकासलाई प्राथमिकताको सूचीमा राखेका छन् । त्यसैगरी कुनै पनि राष्ट्रको विकासलाई औद्योगिकीकरणले विशेष भूमिका निर्वाह गरेको हुन्छ।

यद्यपी पर्यटनलाई पनि एउटा उद्योगकै रूपमा हेरी पर्यटन सेवामुखी उद्योग भन्ने गरिन्छ । तर पनि कुनै देश वा स्थान विशेषमा भएको पर्यटन प्रवर्द्धन एवं विकासले त्यस क्षेत्रमा प्रयोग हुने अन्य वस्तुहरूको उत्पादन र उद्योग कलकारखानाहरूको वृद्धि समेत गराउँदछ। जस्तै: उपभोग्य उत्पादन, लत्ता कपडा उद्योग, होटेल, रेष्टुरा, लज र पर्यटकीय क्षेत्रमा आवश्यक पर्ने उत्पादनहरू, स्थानीय कलाका उपहार योग्य वस्तु, क्युरियो एवं सजावटका सामान लगायत विभिन्न सामानहरू उत्पादन गर्ने राष्ट्रिय, अन्तर्राष्ट्रिय उद्योगधन्दा लगायत स्थानीय घरेलु उद्योग धन्दाहरूको वृद्धि गराउने काम पनि पर्यटनले गर्दछ ।

पर्यटन विकासका लागि नेपाल सरकारले उच्च प्राथमिकताका साथ नीति तथा कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरेता पनि नेपालमा पर्यटनको सङ्ख्यामा खासै सुधार आउन सकेको छैन । सर्वप्रथम सरकारले बजेट विनियोजनमा यथेष्ट प्राथमिकता र महत्त्व दिएको देखिँदैन। यद्यपी यो सुधारोन्मुख छ । आर्थिक वर्ष २०७५/७६ को बजेट विनियोजनमा पर्यटन विकासका लागि जम्मा ५ अर्ब ९२ करोड मात्र छुट्याइएको छ। त्यसै कारणले गर्दा यस क्षेत्रको विकास न्यून रहेको भन्न सकिन्छ। हाम्रो प्राकृतिक, सामाजिक, भौगोलिक र साँस्कृतिक सम्भावनाको आधारमा यो सङ्ख्या ज्यादै न्यून हो। खासै भन्ने हो भने नेपाल आउने पर्यटकहरू मध्ये प्रशस्त खर्च गर्न सक्नेको सङ्ख्या पनि कम रहेको छ। धार्मिक, साँस्कृतिक उद्देश्यबाट आउने पर्यटनले अर्थतन्त्रमा खासै योगदान गर्न सक्दैनन् । पर्यटन क्षेत्रको आम्दानी पर्यटक आगमनसँग प्रत्यक्ष रूपमा सम्बन्धित छ। नेपाल पर्यटन तथ्यांक, २०२१ अनुरूप कोभिड १९ का कारण २०२१ मा पर्यटक आगमन ३४.३ प्रतिशतले घटेसँगै पर्यटन क्षेत्रबाट हुने आम्दानी पनि गत वर्षको तुलनामा झण्डै ४६ प्रतिशतले घटेको देखिन्छ। सन् २०२१ मा, कुल विदेशी मुद्रा आय रू १३,५०१,१०० हजार थियो (लगभग १,१२,५०९ हजार अमेरिकी डलर) जुन गत वर्ष भन्दा घटेको पाईन्छ जस कारण पर्यटकको प्रति दिन व्यय पनि ४८ अमेरिकी डलरमा घटेको देखिन्छ।

पर्यटकीय सम्भावना मात्र भएर हुँदैन, त्यसका लागि व्यवस्थित र योजनाबद्ध क्रियाकलापहरू पनि आवश्यक रहन्छन् । नेपाल एक विकासोन्मुख राष्ट्र भएका कारण पर्यटन क्षेत्रमा विशेष महत्त्व दिन सकिरहेको छैन । पर्यटकहरूको सङ्ख्या दिन प्रतिदिन न्यून हुनुको मुख्य कारण पूर्वाधार विकासमा कमी हो भने अर्को कारण सुरक्षाको कमीलाई पनि मान्न सकिन्छ किनभने विदेशी पर्यटकहरू ठगिने र लुटिने गर्दछन् । यस्तो हुँदा विदेशमा नेपालको नराम्रो छवि बन्दछ र अरू पर्यटकहरू पनि नेपाल आउनबाट निरुत्साहित हुन्छन् । जबसम्म समुदाय र राज्यले उनीहरूको सुरक्षामा चासो दिँदैनन् तबसम्म पर्यटकहरू नेपाल आउन हिचकिचाउँछन् । अर्को कुरा अन्य पर्यटकहरूले भन्दा युरोपियन राष्ट्रका पर्यटकहरूले बढी खर्च गर्ने हुँदा नेपालको ती राष्ट्रसँग हवाई सम्झौता नभएकोले पर्याप्त पर्यटकहरू भित्र्याउन सकिएको छैन र पर्यटन क्षेत्रमा अपेक्षित सफलता हासिल गर्न सकिएको छैन । जसले गर्दा पर्यटन क्षेत्रमा हास आएको छ । यस्ता चुनौतीपूर्ण समस्याहरूको समाधान गर्न विनियोजित रकम अपर्याप्त छ र यस समस्याको समाधानका लागि राज्यले पहल गर्नुपर्दछ भने सेवा क्षेत्रको विकासका लागि सुधारका नयाँ कदमहरू चाल्नु आवश्यक रहेको छ ।

राज्यले सर्वप्रथम पर्यटकको सुरक्षाको ग्यारेन्टी गर्नुपर्छ र नेपाललाई एक सुरक्षित पर्यटन गन्तव्यका रूपमा विकास गर्नुपर्छ । नेपालका पर्यटन गन्तव्य स्थलहरूको राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय रूपमा प्रभावकारी प्रचारप्रसारको व्यवस्था गर्नुपर्छ । साथै विभिन्न सेवा सुविधाहरूको बन्दोवस्ती, यातायातको व्यवस्था, प्रभावकारी पर्यटक पथप्रदर्शकको व्यवस्था आदि कुरामा पनि पर्याप्त ध्यान दिनु अत्यावश्यक देखिन्छ र त्यसका लागि थप लगानी गर्नुपर्ने हुन्छ । पर्यटन विकासका लागि अब व्यापक प्रचारप्रसार, अन्तर क्षेत्रगत समन्वय, क्षमता विकास, दक्ष जनशक्तिको विकास, हवाई सम्पर्क विस्तार, सेवा सुविधाहरूको विकास, विस्तार तथा विविधीकरण आदि पक्षहरूमा तीव्र कदम चाल्नु आवश्यक देखिन्छ । यसका लागि सरकार, निजी क्षेत्र र समुदायको समन्वयित र एकिकृत प्रयासको खाँचो छ ।

पर्यटन उद्योग पूर्णरूपमा सेवामा आधारित व्यवसाय भएकाले अन्य उद्योग व्यवसायको तुलनामा यसको विकास र प्रवर्द्धन बढी चुनौतीपूर्ण हुनुका साथै संवेदनशील पनि छ । यसको कुनै एक पक्षमा आएको परिवर्तनले अर्को पक्षमा तुरुन्त असर पार्छ । यातायात व्यवसाय, हवाई उड्डयन, ट्राभल एजेन्सी, होटल व्यवसाय, पर्यटकीय स्थल लगायत पर्यटनसँग सम्बन्धित क्षेत्रहरू मध्ये कुनै एकमा असर पार्ने भने यसले पुरै पर्यटन उद्योगमै प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूपमा असर पार्दछ । तर यसो भन्दैमा सन्तुलित रूपमा पर्यटन व्यवसायको व्यवस्थापन, विकास र प्रवर्द्धन गर्न नसकिने भने होइन । पर्यटन उद्योगको सन्तुलित विकास र व्यवस्थापनका लागि यस क्षेत्रका विज्ञहरूको सल्लाह र सुझाव अनुसार उपयोगी र प्रभावकारी कार्यक्रम तथा रणनीति तय गरी सरकारी र निजी क्षेत्र एकजुट भई दृढताका साथ पर्यटन क्षेत्रको विकास र प्रवर्द्धनमा अघि बढ्नु अत्यावश्यक बनेको छ । निश्चित रूपमा पर्यटन उद्योगको विकास र प्रवर्द्धनका लागि पर्यटनसँग सम्बन्धित व्यवसायिक क्षेत्रहरू र पर्यटकीय स्थलहरूको सुधार तथा विकास र प्रवर्द्धन गर्नुपर्छ तर यो मात्र पर्याप्त हुँदैन । आजको कडा प्रतिस्पर्धाको युगमा सम्बन्धित क्षेत्रको विकास र प्रवर्द्धनका साथै तिनीहरूको प्रचारप्रसार तथा बजार प्रवर्द्धन, गुणस्तरमा अभिवृद्धिको पनि महत्त्वपूर्ण भूमिका रहेको हुन्छ । नेपाल जस्तो आर्थिक रूपले विपन्न र भौगोलिक रूपले विकट देशका लागि विश्वका अन्य विकसित र सम्पन्न देशहरूसँग प्रतिस्पर्धा गर्नु असहज हुन सक्छ । तर पर्यटकीय दृष्टिकोणले नेपाल प्राकृतिक रूपमै पूर्ण रहेको अर्थात् अतिरिक्त लगानीको आवश्यकता नपर्ने सानो मुलुक भएकाले र अर्थतन्त्र तथा जनसङ्ख्याका आधारमा दुई ठूला मुलुक भारत र चीनका बिचमा अवस्थित भएका कारण पनि नेपालका लागि पर्यटन बजार खोज्न टाढा पुग्नुपर्ने आवश्यकता पर्दैन ।

नेपाल सरकारको पन्ध्रौँ योजनाले विश्व पर्यटन बजारमा नेपाललाई अग्रणी स्थानमा स्थापित गर्ने लक्ष्य राखी नेपाललाई एक आकर्षक, सुरक्षित र मनोरम पर्यटकीय गन्तव्य बनाउने सोच राखेको छ । पाँच वर्षे योजनाले पर्यटन क्षेत्रलाई अर्थतन्त्रको संवाहकको रूपमा विकास गर्न पर्यटकीय स्थल तथा उपजमा विविधीकरण ल्याउने, छिमेकी मुलुक तथा प्रमुख पर्यटन बजारमा व्यापक प्रचार-प्रसार र प्रवर्द्धन गर्ने, स्वदेशी तथा विदेशी लगानी प्रोत्साहित गर्दै सार्वजनिक-निजी-सहकारी साझेदारीको अवधारणा अनुरूप आधुनिक पर्यटन पूर्वाधारको विकास,

बजारीकरण र प्रर्वद्धन गर्ने, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकुदजस्ता क्षेत्र समेटेर पर्यटन विकास गर्ने, पर्यटकीय उपजलाई मूल्य श्रृंखलामा आबद्ध गरी स्थानीय स्तरसम्म लाभ वितरण गर्ने नीति लिएको छ।

कोशी प्रदेशको प्रथम आवधिक योजनामा आन्तरिक, बाह्य तथा छिमेकी मुलुकका पर्यटकहरू आकर्षित गर्ने र बसाइ लम्ब्याउने तथा पर्यटकीय वस्तु तथा सेवाको विकास, विस्तार र विविधीकरण गर्दै रोजगारी र आयआर्जनको भरपर्दो र दिगो स्रोत बनाउने लक्ष्य तय गरेको छ । यी उद्देश्य पुरा गर्न पर्यटनसँग सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रमहरू अगाडि सार्दै थप रोजगारी सिर्जना गर्ने, ग्राहस्थ उत्पादन वृद्धि गर्ने र गुणस्तरीय पर्यटकको वृद्धि गर्ने अपेक्षा राखेको छ ।

## अध्याय - ३: लिखु पिके गाउँपालिकाका मुख्य पर्यटकीय सम्पदाहरू

### ३.१ लिखु पिके गाउँपालिकाको संक्षिप्त चिनारी

लिखु पिके गाउँपालिका कोशी प्रदेश अन्तर्गत साविकका गाविसहरू गोली, चौलाखर्क र भकान्जेलार्ई समावेश गरी स्थापना भएको स्थानीय तह हो पालिकाको पूर्वी सिमानामा सोलुखुम्बु जिल्लाकै सोलुदुधकुण्ड नगरपालिका पश्चिमी सिमानामा रामेछाप जिल्लाको उमाकुण्ड गाउँपालिका, उत्तरी सिमानामा सोलुदुधकुण्ड नगरपालिका र उमाकुण्ड गाउँपालिका रहेका छन् भने दक्षिणी सिमानामा ओखलढुङ्गा जिल्लाको खिजीदम्बा गाउँपालिका रहेको छ । राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँको कुल जनसङ्ख्या ५,३३४ रहेको छ भने जातजातीगत हिसाबले सबैभन्दा बढी ५०.४ प्रतिशत क्षेत्रीहरू रहेका छन् यसैगरी दोस्रोमा शेर्पा २२.४ प्रतिशत र तेस्रोमा तामाङ् ६.१ प्रतिशत रहेका छन् । तुलनात्मक रूपमा कमजोर शैक्षिक अवस्था, भौगोलिक विकटता, भौगोलिक रूपले कमजोर भू-बनावट, परम्परागत कृषि प्रणाली तथा पशुपालन आदि यहाँका प्रमुख चुनौतिहरूको रूपमा रहेका छन् । गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल १२४.३८ वर्ग कि.मि. रहेको छ भने पालिकालाई जम्मा ५ वटा वडाहरूमा विभाजन गरिएको छ । ऐतिहासिक, धार्मिक, साँस्कृतिक र पुरातात्विक महत्त्व बोकेको यस क्षेत्रका प्रमुख ऐतिहासिक, पर्यटकीय तथा धार्मिकस्थलहरूमा देवी थान, बौद्ध, खवतरी कुल मन्दिर, गुरू रिम्पोचे गुम्बा, ओर्गेन साङ् छोलिङ् गुम्बा, चण्डी स्थान, सेती भुमे मन्दिर, शिव मन्दिर, ज्वालामार्ई, कालीदेवी स्थान, सांगा छोलिङ् गुम्बा, तासिलेन गुम्बा, पेमा छोलिङ् गुम्बा, आनी गुम्बा, बिश्वकर्मी मन्दिर पिके डाँडा लगायत रहेका छन् । पिके डाँडा यहाँको महत्वपूर्ण पर्यटकीय क्षेत्र हो जहाँबाट विश्वको सर्वोच्च शिखर सगरमाथाका साथै महालंगुर, नुम्बुर, पुमोरी, लोत्से, जस्ता हिमश्रृंखलाको अवलोकन गर्न सकिन्छ । यसका साथै पिके डाँडा हुँदै सगरमाथाको आधार शिविर सम्मको पदमार्ग संचालनमा रहेकाले वर्षमा हजारौ संख्यामा बाह्य तथा आन्तरिक पर्यटकहरू यही पालिका हुँदै पदयात्रा गर्ने गर्दछन् यहाँका मुख्य पर्यटकीय क्षेत्रहरूको विवरण तलको तालिकामा समावेश गरिएको छ ।

तालिका नं. ४: गाउँपालिकामा रहेका मुख्य मुख्य पर्यटकीय स्थलहरूको विवरण

| क्र.स. | स्थलहरूको नाम           | महत्व                                | वडा नं. |
|--------|-------------------------|--------------------------------------|---------|
| १      | पिके डाँडा              | प्राकृतिक सुन्दरता/मनोरम दृष्यावलोकन | १       |
| २      | पिके झरना               | प्राकृतिक सुन्दरता/मनोरम दृष्यावलोकन | १       |
| ३      | ओगर गुफा                | प्राकृतिक सुन्दरता/मनोरम दृष्यावलोकन | १       |
| ४      | माने साम्सिङ् भञ्ज्याङ् | प्राकृतिक सुन्दरता/मनोरम दृष्यावलोकन | १       |



| क्र.स. | स्थलहरूको नाम  | महत्व                        | वडा नं. |
|--------|--|------------------------------|---------|
| ५      | उर्गेन साङ् छोलिङ गुम्बा   | धार्मिक पर्यटन               | १       |
| ६      | डग्यूर थक्छेक छोलिङ गुम्बा   | धार्मिक पर्यटन               | १       |
| ७      | गुरू रिम्पुछे गुम्बा   | धार्मिक पर्यटन               | १       |
| ८      | पेमा छोलिङ आनी गुम्बा  | धार्मिक पर्यटन               | १       |
| ९      | गेचुका वौद्ध   | धार्मिक पर्यटन               | १       |
| १०     | मुक्तुम्जे थान   | रमणीय स्थल/मनोरम दृश्यावलोकन | १       |
| ११     | रिगेल्गो क्वीन हिल   |                              | १       |
| १२     | गेठचुका वौद्ध  | धार्मिक पर्यटन               | १       |
| १३     | सापे थान   | धार्मिक पर्यटन               | १       |
| १४     | काप्ती भुमेथान   | धार्मिक पर्यटन               | १       |
| १५     | यर्माखु देविथान  | धार्मिक पर्यटन               | १       |
| १६     | लुमुकर्मा थान  | धार्मिक पर्यटन               | १       |
| १७     | यर्माखु देखी पिके सम्मको<br>बाटो आसपासमा रहेका<br>मानेहरू असंख्य रहेका | धार्मिक पर्यटन               | १       |
| १८     | बुकु दोभान   | रमणीय स्थल/मनोरम दृश्यावलोकन | २       |
| १९     | कुपाङ झरना   | रमणीय स्थल/मनोरम दृश्यावलोकन | २       |
| २०     | चण्डीथान   | धार्मिक पर्यटन               | २       |
| २१     | देवीथान (वुडन्देल)   | धार्मिक पर्यटन               | २       |
| २२     | धाउखानी महादेवथान  | धार्मिक पर्यटन               | २       |
| २३     | मैली दोभान कमलामाई   | धार्मिक पर्यटन               | २       |
| २४     | जिलुपाल्ने सेती देवी थान   | धार्मिक पर्यटन               | २       |
| २५     | (टाकम देवी+महादेवथान)  | धार्मिक पर्यटन               | २       |
| २६     | गैरा पोखरी   | धार्मिक पर्यटन               | २       |
| २७     | यर्माखु  | धार्मिक पर्यटन               | २       |
| २८     | गोली वौद्ध २ वटा   | धार्मिक पर्यटन               | २       |

| क्र.स. | स्थलहरूको नाम                           | महत्व                            | वडा नं. |
|--------|---|----------------------------------|---------|
| २९     | कुल मन्दिर यर्माख                       | धार्मिक पर्यटन                   | २       |
| ३०     | मैली तामाङ गुम्बा                       | धार्मिक पर्यटन                   | २       |
| ३१     | शिव मन्दिर यर्माख                       | धार्मिक पर्यटन                   | २       |
| ३२     | विश्वकर्मा मन्दिर दावाले                | धार्मिक पर्यटन                   | २       |
| ३३     | बस्नेत कुलमन्दिर दामाले                 | धार्मिक पर्यटन                   | २       |
| ३४     | शिवमन्दिर                               | धार्मिक पर्यटन                   | २       |
| ३५     | बौद्ध स्तुपा                            | धार्मिक पर्यटन                   | ३       |
| ३६     | कोरेसी खोला झरना                        | रमणीय स्थल/मनोरम दृश्यावलोकन     | ३       |
| ३७     | ज्वालामाई मन्दिर                        | धार्मिक पर्यटन                   | ३       |
| ३८     | सेती देवी मन्दिर                        | धार्मिक पर्यटन                   | ३       |
| ३९     | पहेली देवी                              | धार्मिक पर्यटन                   | ३       |
| ४०     | चण्डी माता देवी                         | धार्मिक पर्यटन                   | ३       |
| ४१     | ज्वाला माई देवी                         | धार्मिक पर्यटन                   | ३       |
| ४२     | काली देवीस्थान-२ वटा                    | धार्मिक पर्यटन                   | ३       |
| ४३     | महादेवथान                               | धार्मिक पर्यटन                   | ३       |
| ४४     | चेर्तिन बौद्ध                           | धार्मिक पर्यटन                   | ४       |
| ४५     | सेती देविथान                            | धार्मिक पर्यटन                   | ४       |
| ४६     | काली देवीथान                            | धार्मिक पर्यटन                   | ४       |
| ४७     | पहेली देवी थान                          | धार्मिक पर्यटन                   | ४       |
| ४८     | भुमेथान                                 | धार्मिक पर्यटन                   | ४       |
| ४९     | शिव पार्वती मन्दिर                      | धार्मिक पर्यटन                   | ४       |
| ५०     | कृष्ण मन्दिर                            | धार्मिक पर्यटन                   | ४       |
| ५१     | उपल्लो खर्क, चौँरी खर्क तथा किटिलि खर्क | वनभोज स्थल तथा मनोरम दृश्यावलोकन | ४       |
| ५२     | कुल मन्दिर                              | धार्मिक पर्यटन                   | ४       |

| क्र.स. | स्थलहरूको नाम                                      | महत्व             | वडा नं. |
|--------|--|-------------------|---------|
| ५३     | साङछोलिङ्ग गुम्बा                                  | धार्मिक पर्यटन    | ५       |
| ५४     | कामरिङ छोलीङ्ग गुम्बा                              | धार्मिक पर्यटन    | ५       |
| ५५     | टासी छोलिङ्ग गुम्बा                                | धार्मिक पर्यटन    | ५       |
| ५६     | सेती गुम्बा  | धार्मिक पर्यटन    | ५       |
| ५७     | शिव पार्वती मन्दिर                                 | धार्मिक पर्यटन    | ५       |
| ५८     | देवीथान  | धार्मिक पर्यटन    | ५       |
| ५९     | लिखु नदी   | पर्यटकीय          |         |
| ६०     | किन्जा खोला  | पर्यटकीय          |         |
| ६१     | घट्टे खोला   | पर्यटकीय          |         |
| ६२     | खिम्जा खोला  | पर्यटकीय          |         |
| ६३     | गान्वा खोला  | पर्यटकीय          |         |
| ६४     | पामु डाँडा, लामजुरा डाँडा, कलाडाँडा र मेञ्जो डाँडा | मनोरम दृश्यावलोकन |         |
| ६५     | काङरिङ छोलिङ गुम्बा                                | धार्मिक पर्यटन    |         |
| ६६     | टासी नामोलिङ छेपुङ गुम्बा                          | धार्मिक पर्यटन    |         |
| ६७     | सेटे गुम्बा  | धार्मिक पर्यटन    |         |

स्रोत- वडा भेला २०८१

गाउँपालिकाको आर्थिक क्षेत्रको अवस्था र सम्भावनालाई हेर्दा गाउँपालिकाको आम्दानीको प्रमुख स्रोत कृषि हो । यहाँको करिब ३४.०७ प्रतिशत जनसङ्ख्या कृषिमा निर्भर रहेका छन् । यहाँ विशेष गरि धान, मकै, गहुँ, कोदो, फापर वा उत्पादन हुन्छ भने तरकारी बालीमा आलु, मुला, साग, काउली, बन्दा, गाँजर, च्याउ लगायतको उत्पादन हुन्छ । यहाँ लगाइने फलफुल बालीमा किवी, नासपाती, हलुवावेद, ओखर, खुर्पानी, आदि पर्दछन् भने मसलाबालीहरूमा अदुवा, बेसार, प्याज, टिमुर, अलैची लगायत पर्दछन् । यहाँ उत्पादन हुने स्थानीय मह, भिरमौरीको मह, याकको दुधबाट बनेको छुर्पी, चिज, चिराइतो लगायतका महत्वपूर्ण जडिबुटीहरू, बाँसजन्य उत्पादनहरू, नेपाली कागज, सुगन्धित धुप, उतिस सल्ला लगायतका काठ र काठजन्य उत्पादनहरू यहाँबाट छिमेकी जिल्लामा निर्यात हुने गरेको छ भने यहाँको चिया र अलैची विश्व बजारमा निर्यात हुने गरेको छ । गाउँपालिकाको आवधिक योजना

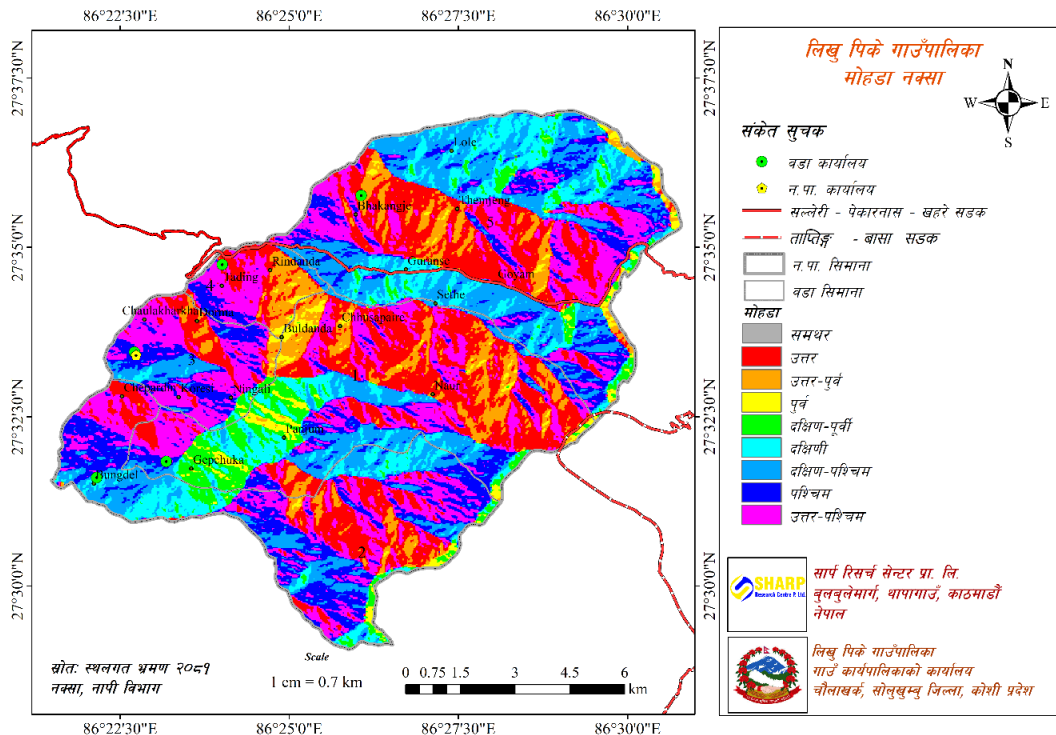
२०७९/०८० मा प्राप्त तथ्याङ्क अनुसार यहाँ कुल खेतीपाती भएको क्षेत्र मध्ये १३.६९ प्रतिशतमा सिँचाईको सुविधा रहेको छ जसमध्ये ५.२३ प्रतिशत बाह्रै महिना सिंचित क्षेत्र अन्तरगत पर्दछ ।

जलस्रोतको हिसाबले ज्यादै धनी यो गाउँपालिकामा हाल ४ वटा ठूला जलविद्युत आयोजना संचालनको क्रममा रहेका छन् । जसमध्ये एक आयोजना संचालनमा आइसकेको र बाँकी ३ वटा निर्माणाधिन अवस्थामा रहेका छन् । यहाँ हरेक वर्ष हजारौं नेपाली तथा विदेशीहरु यो क्षेत्र हुँदै सगरमाथाको आधार शिविर सम्म यात्रा गर्ने गर्दछन् । त्यसैले यो पालिका कोशी प्रदेशको र नेपालको मात्र नभएर विश्वकै एक अनुपम पर्यटकीय गन्तव्य हो ।

गाउँपालिकामा केही मात्रामा भएपनि साना तथा घरेलु उद्योगहरु संचालनमा रहेका छन् । यहाँ नेपाली कागज उत्पादन उद्योग, चिज तथा छुर्पी उत्पादन उद्योग, चिया उद्योग, धुप उद्योग लगायतका उद्योगहरु संचालनमा रहेका छन् । स्थानीयको लागि चाहिने दैनिक उपभोग्य वस्तुहरु स्थानीय स्तरमा रहेका व्यापार व्यवसायीहरुले उपलब्ध गराउँदै आएका छन् ।

ठूला बजार केन्द्र र कलकारखाना नभएकोले बैंक तथा वित्तीय संस्था, उद्योग व्यवसाय र सहकारीहरुको खासै विकास हुन सकेको छैन । यस गाउँपालिकामा सिटिजन्स बैंक र लक्ष्मी सनराइज बैंक गरी क बर्गका २ वटा बैंकका साथै ६ वटा सहकारी संस्था संचालनमा रहेका छन् । बस्ती, जनसङ्ख्या र आर्थिक कारोबारको लागि यो सङ्ख्या ज्यादै न्यून हो । यो बाहेक यस गाउँपालिकामा विभिन्न उपभोक्ता समिति र कृषक समूह, महिला तथा आमा समूह र बचत समुह संचालनमा रहेका छन् जसले गर्दा गाउँपालिकाको वडा र टोलहरुमा केही हदसम्म वित्तिय पहुँच पुगेको छ ।

### 3.१.१ भौगोलिक अवस्थिति



भौगोलिक अवस्थितिका हिसाबले २७°४८" देखि २७°६१" + डिग्री उत्तरी अक्षांश सम्म र ८६°३५" + देखि ८६°५१" + डिग्री पूर्व देशान्तरसम्म फैलिएर रहेको यो गाउँपालिका समुन्द्र सतहबाट १२९८ मि. देखि ४२१८ मि. को उचाईमा फैलिएर रहेको छ । लेकाली हावापानीको प्रधानता रहेको यस पालिकामा गर्मी मौषममा औषत तापक्रम ३३ डिग्री सेन्टिग्रेट भन्दा माथि र जाडो मौषममा माइनस ९ डिग्री सेन्टिग्रेट सम्म हुने गरेको छ । सोलुखुम्बु जिल्लाको दक्षिण पश्चिमी भागमा अवस्थित यो गाउँपालिकाको नाम यहाँको प्रसिद्ध लिखु नदी र पिके चुचुराको नामबाट नामाकरण गरिएको हो । उच्च पहाडी तथा हिमाली क्षेत्रमा अवस्थित यो गाउँपालिका भौगोलिक अवस्थितिका आधारमा सम्म फाँट देखि अत्यन्त अग्ला चुचुराहरु रहेकाले भौगोलिक विविधता भएको क्षेत्रको रूपमा चिनिन्छ ।

### ३.१.२ राजनैतिक तथा प्रशासनिक विवरण

लिखु पिके गाउँपालिका प्रशासनिक विभाजन नक्सा



लिखु पिके गाउँपालिका गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय चौलाखर्क, सोलुखुम्बु जिल्ला, कोशी प्रदेश

स्रोत: स्थलगत भ्रमण २०८१ नक्सा, नापी विभाग

यो गाउँपालिका कोशी प्रदेश अन्तर्गत सोलुखुम्बु जिल्लाका ८ स्थानीय तह मध्येको एक स्थानीय तह हो । साविकका गोली, चौलाखर्क र भकाञ्जे गा.वि.स. लाई समायोजन गरी स्थापना भएको यो गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल १८३.५५ वर्ग कि. मि. रहेको छ । यसको पूर्वी सिमानामा सोलुखुम्बु जिल्लाकै सोलुदुधकुण्ड नगरपालिका, पश्चिमी सिमानामा रामेछाप जिल्लाको उमाकुण्ड गाउँपालिका, उत्तरी सिमानामा सोलुदुधकुण्ड नगरपालिका र उमाकुण्ड गाउँपालिका रहेका छन् भने दक्षिणी सिमानामा ओखलढुङ्गा जिल्लाको खिजीदेम्बा गाउँपालिका रहेको छ । गाउँपालिकाको राजनैतिक तथा प्रशासनिक संरचनाको थप विवरण तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका नं. ५: राजनैतिक तथा प्रशासनिक विवरण

| वडा नं. | समावेश गाविसहरू | जनसंख्या |       |       | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.) | प्रतिशत |
|---------|-----------------|----------|-------|-------|-------------------------|---------|
|         |                 | महिला    | पुरुष | जम्मा |                         |         |
| १.      | गोली (६-९)      | ३०५      | २९६   | ६०१   | ३५.९                    | २८.८६   |
| २.      | गोली (१-५)      | ६३१      | ६३२   | १२६३  | २७.६२                   | २२.२०   |
| ३.      | चौलाखर्क (५-९)  | ५७६      | ६०३   | ११७९  | १०.०३                   | ८.०६    |
| ४.      | चौलाखर्क (१-४)  | ४९९      | ४६७   | ९६६   | ५.५३                    | ४.४५    |
| ५.      | भकाञ्जे (१-९)   | ६६२      | ६६३   | १३२५  | ४५.३१                   | ३६.४३   |
|         | जम्मा           | २६७३     | २६६१  | ५३३४  | १२४.३९                  | १००     |

स्रोत: राष्ट्रिय जनगणना २०७८

### ३.१.३ जनसाङ्ख्यिक विवरण

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार गाउँपालिकाको कुल घरधुरी संख्या १२५१ रहेको छ। त्यसैगरी यहाँको कुल जनसङ्ख्या ५,३३४ रहेको छ, जस मध्ये पुरुषको सङ्ख्या २,६७३ र महिलाको जनसङ्ख्या २,६६१ रहेको छ भने यहाँको लैंगिक अनुपात १००.४५ रहेको छ।

### ३.१.३.२ जातजाति समुह अनुसार जनसङ्ख्याको विवरण

राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकामा ५०.३९ प्रतिशत क्षेत्री जातीहरूको बसोबास रहेको छ भने २२.४४ प्रतिशत शेर्पा र ६.०९ प्रतिशत तामाङ जातिको बसोबास रहेको छ। यसका अलावा यहाँ परियार, ब्राम्हण, मगर, घर्ती, सुनुवार, शेर्पा, विश्वकर्मा, थामी लगायतका जातजातिको बसोबास रहेको छ। पालिकाको वडागत थप विवरण तलको तालिकामा समावेश गरिएको छ।

तालिका नं. ६: जातजाति अनुसार जनसङ्ख्याको विवरण

| जातजाति    | पुरुष | महिला | जम्मा | प्रतिशत |
|------------|-------|-------|-------|---------|
| क्षेत्री   | १३५२  | १३३६  | २६८८  | ५०.३९   |
| ब्राम्हण   | २७    | ३६    | ६३    | १.१८    |
| मगर        | ६     | ४     | १०    | ०.१९    |
| तामाङ      | १६१   | १६४   | ३२५   | ६.०९    |
| नेवार      | ३५    | ३९    | ७४    | १.३९    |
| विश्वकर्मा | १३९   | १३०   | २६९   | ५.०४    |
| परियार     | १२    | २०    | ३२    | ०.६०    |
| घर्ती      | १४८   | १५४   | ३०२   | ५.६६    |
| शेर्पा     | ६००   | ५९७   | ११९७  | २२.४४   |
| सुनुवार    | ३२    | ३१    | ६३    | १.१८    |

| जातजाति | पुरुष | महिला | जम्मा | प्रतिशत |
|---------|-------|-------|-------|---------|
| थामी    | १४३   | १३१   | २७४   | ५.१४    |
| जीरेल   | ९     | १२    | २१    | ०.३९    |
| अन्य    | ९     | ७     | १६    | ०.३०    |
| जम्मा   | २६७३  | २६६१  | ५३३४  | १००     |

स्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८

### ३.१.३.३ मातृभाषाको आधारमा जनसङ्ख्याको विवरण

तालिका नं. ७: मातृभाषाको आधारमा जनसङ्ख्याको विवरण

| मातृभाषा | पुरुष | महिला | जम्मा | प्रतिशत |
|----------|-------|-------|-------|---------|
| नेपाली   | १८५५  | १८४९  | ३७०४  | ६९.४४   |
| तामाङ    | १४०   | १३६   | २७६   | ५.१७    |
| नेवारी   | ४     | ८     | १२    | ०.२२    |
| शेर्पा   | ६०४   | ५९७   | १२०१  | २२.५२   |
| सुनुवार  | ३३    | ३१    | ६४    | १.२०    |
| थामी     | २८    | २७    | ५५    | १.०३    |
| अन्य     | ९     | १३    | २२    | ०.४१    |
| जम्मा    | २६७३  | २६६१  | ५३३४  | १००     |

स्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८

यहाँ बोलिने प्रमुख मातृभाषा नेपाली हो । यहाँका जम्मा जनसंख्या मध्ये ६९.४४ प्रतिशत जनसङ्ख्याले प्रमुख बोलिचालीको भाषाको रूपमा नेपाली भाषाको प्रयोग गर्ने गरेका छन् भने २२.५२ प्रतिशतले शेर्पा भाषा बोल्ने गर्दछन् । यसका साथै यहाँ तामाङ सुनुवार थामीलगायतका भाषा बोल्ने समुदायको बाहुल्यता रहेको छ । जसको विवरण माथिको तालिकामा समावेश गरिएको छ ।

### ३.१.३.४ धर्म अनुसार जनसङ्ख्याको विवरण

धार्मिक दृष्टिकोणले यस यहाँ हिन्दु तथा क्रिश्चियन धर्मावलम्बीहरुको बाहुल्यता रहेको छ । क्षेत्री जातिहरुको बाहुल्यता रहेको यहाँ कुल घरधुरी सङ्ख्या मध्ये ६८.०९ प्रतिशतले हिन्दु धर्म मान्ने गरेका छन् भने ३०.०१ प्रतिशत बौद्ध धर्मावलम्बीहरु रहेका छन् । धर्मअनुसार जनसङ्ख्याको विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ८: धर्म अनुसार जनसङ्ख्याको विवरण

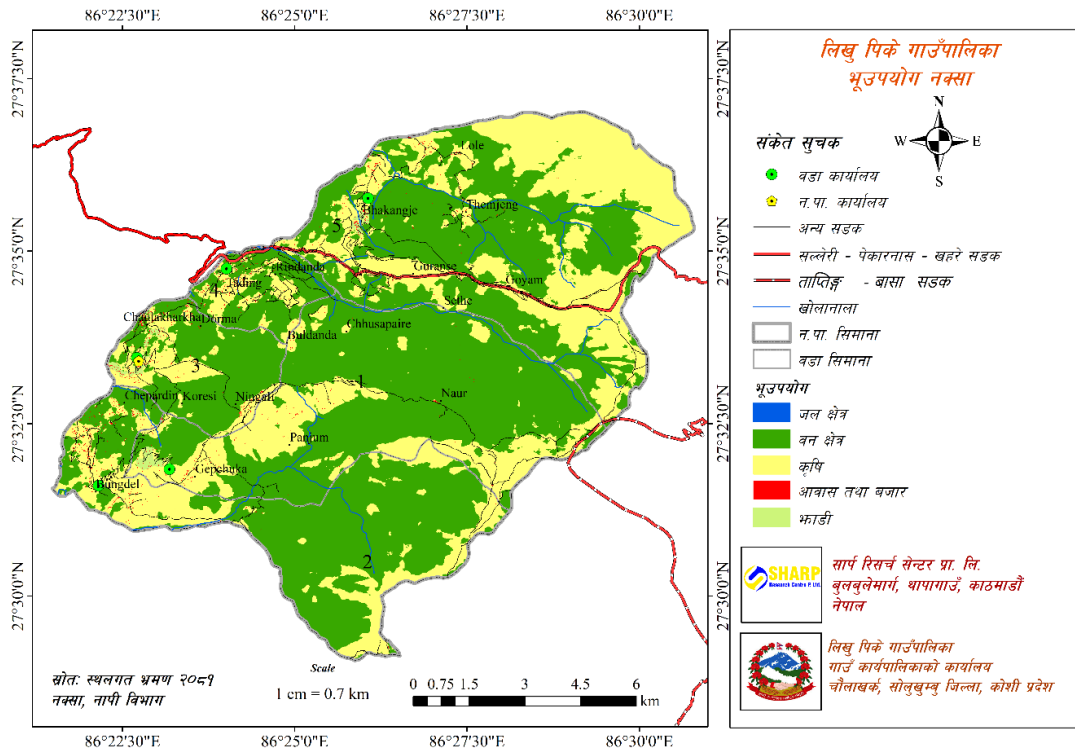
| धर्म   | पुरुष | महिला | जम्मा | प्रतिशत |
|--------|-------|-------|-------|---------|
| हिन्दु | १८१६  | १८१६  | ३६३२  | ६८.०९   |

| धर्म       | पुरुष | महिला | जम्मा | प्रतिशत |
|------------|-------|-------|-------|---------|
| बौद्ध      | ८०२   | ७९९   | १६०१  | ३०.०१   |
| ईस्लाम     | ०     | ०     | ०     | ०.००    |
| किराँत     | ३६    | २९    | ६५    | १.२२    |
| क्रिश्चियन | १९    | १७    | ३६    | ०.६७    |
| प्रकृती    | ०     | ०     | ०     | ०.००    |
| जम्मा      | २६७३  | २६६१  | ५३३४  | १००     |

स्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८

### ३.२ गाउँपालिकाको भू-उपयोग अवस्था

गाउँपालिकाको विद्यमान भू-उपयोग हेर्दा कुल भू-भाग मध्ये सबैभन्दा बढी अर्थात ६४.५१ प्रतिशत वन क्षेत्रले ढाकेको छ । यसैगरी ३४.०७ प्रतिशतमा खेतीयोग्य जमिन रहेको छ भने आवास क्षेत्रले ०.७५ प्रतिशत, झाडीले बुट्यानले ०.६३ प्रतिशत क्षेत्र ओगटेको छ । गाउँपालिकामा माटोको बनावट, खेतीयोग्य जमिन, संरक्षित क्षेत्र, वस्तीयोग्य क्षेत्र आदिको विस्तृत अध्ययनको आधारमा स्थानीयहरुको आर्थिक हैसियत वृद्धि गर्न र वातावरणमा प्रतिकूल असर पर्न नदिन उत्पादन प्रणाली तथा नीतिहरु अवलम्बन गर्न सकिन्छ । यस विषयमा विस्तृत अध्ययन गरी कार्यान्वयन गर्नुपर्ने देखिन्छ । भू-उपयोगको विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।



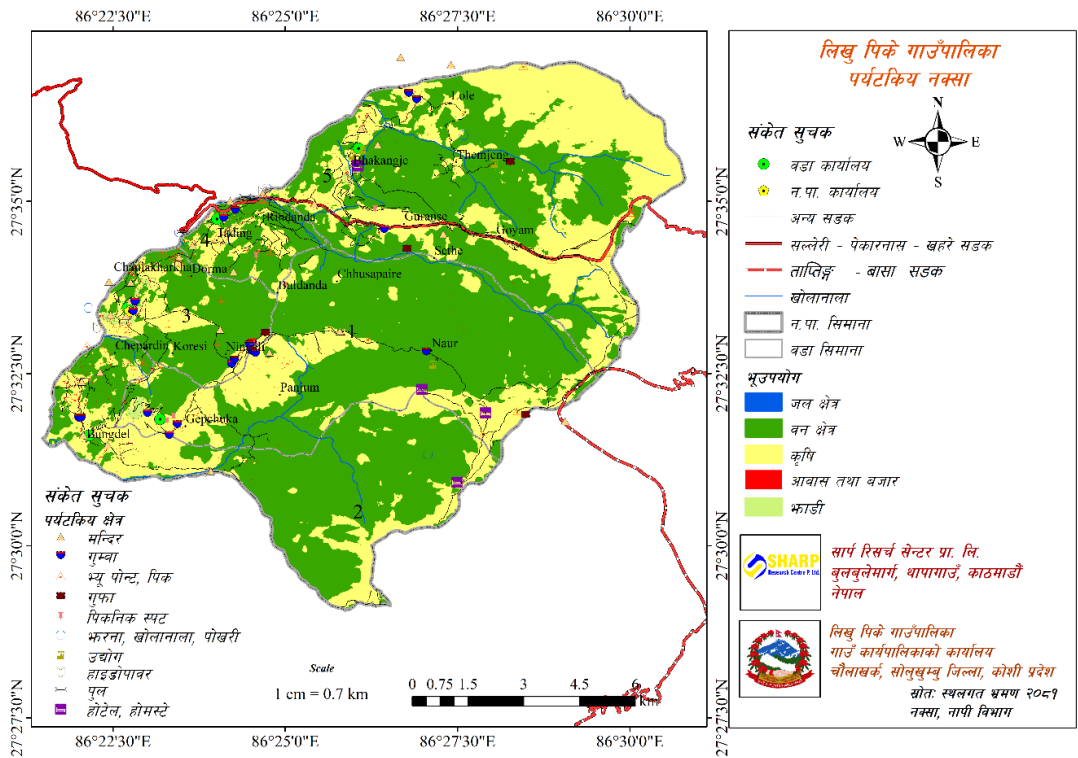
तालिका नं. ९: भू-उपयोग विवरण



| क्र.सं. | भू-उपयोग क्षेत्रहरू         | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी) | प्रतिशत%   |
|---------|-----------------------------|------------------------|------------|
| १       | नदि खोला,तथा सिमसार क्षेत्र | ०.०४                   | ०.०३       |
| २       | वन क्षेत्र                  | ८०.०८                  | ६४.५१      |
| ३       | कृषि क्षेत्र                | ४३.००                  | ३४.०७      |
| ४       | आवासीय क्षेत्र              | ०.२३                   | ०.७५       |
| ५       | झाडी बुट्यान क्षेत्र        | ०.७८                   | ०.६३       |
|         | <b>जम्मा</b>                | <b>१२४.१४</b>          | <b>१००</b> |

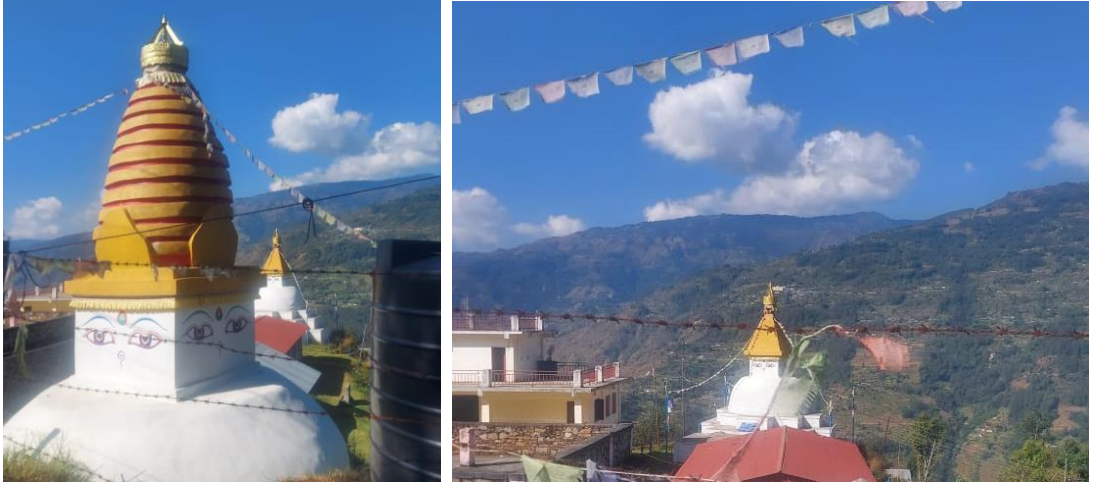
स्रोत: GIS तथ्याङ्कमा आधारित

### ३.३ मुख्य पर्यटकीय क्षेत्रहरू, वर्तमान अवस्था र सम्भावना



यो गाउँपालिका ऐतिहासिक, धार्मिक, साँस्कृतिक र पुरातात्विक हिसाबले पर्यटकीय सम्भावना बोकेको क्षेत्र हो। पर्यटन वैदेशिक मुद्रा आर्जनको प्रमुख क्षेत्र हो। नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारको पञ्चवर्षीय योजना एवं वार्षिक योजनामा पर्यटन विकास गर्ने प्रमुख लक्ष्य राखिएको छ। यसै अनुसार नेपाल भ्रमण दशक जस्ता प्याकेजको घोषणा गरिएको छ। प्रकृति, संस्कृति र साहसिक भ्रमण तथा खेलको अनुपम संगमको रूपमा अवस्थित यस क्षेत्रमा आन्तरिक र बाह्य पर्यटकलाई उत्तिकै रूपमा आकर्षित गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ। उपलब्ध स्रोतको प्रभावकारी परिचालन र प्रवर्द्धन मार्फत आर्थिक गतिविधि विस्तारको लागि पर्यटन क्षेत्र महत्वपूर्ण आधारको रूपमा विकास हुँदै गइरहेको छ। यस गाउँपालिकामा रहेका जैविक, भौगोलिक, प्राकृतिक, सामाजिक, साँस्कृतिक, ऐतिहासिक र धार्मिक विविधताले पर्यटन विकासमा महत्वपूर्ण योगदान गर्नेछन्। यहाँ रहेका पर्यटकीय गन्तव्यको विकास गरि पर्यटन

प्रवर्द्धनको माध्यमबाट रोजगारीका अवसरमा वृद्धि गरि गरिबी न्यूनीकरण गर्दै जनताको जीवनस्तरमा सुधार गर्नु आवश्यक छ। पर्यटनक्षेत्र समृद्धिको मुख्य सम्वाहक भएकोले पर्यटन क्षेत्रको दिगो विकास र व्यवस्थापनमार्फत् अर्थतन्त्रको आधारशीला तयार पार्न यस क्षेत्रलाई प्राथमिकतामा राखी कार्य गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ। सबै तहका सरकार र निजी क्षेत्रको सहभागितालाई दिगो, सघन र उत्थानशील बनाउँदै आतिथ्य सेवाबाट आर्थिक, सामाजिक र सांस्कृतिक विकासतर्फ उन्मुख हुनु नै उपयुक्त देखिन्छ।



यहाँ देवी थान, बौद्ध, खवतरी कुल मन्दिर, गुरू रिम्पोचे गुम्बा, ओर्गेन साङ् छोलिङ् गुम्बा, चण्डी स्थान, सेती भुमे मन्दिर, शिव मन्दिर, ज्वालामाई, कालीदेवी स्थान, सांगा छोलिङ् गुम्बा, तासिलेन गुम्बा, पेमा छोलिङ् गुम्बा, आनी गुम्बा, देवी थान, बिश्वकर्मा मन्दिर, ओगरे गुफा, माने सस्मिग भञ्जयाङ् लगायतका धार्मिक तथा ऐतिहासिक स्थलहरु रहेका छन्। यसका अलावा यहाँका सुन्दर नदी, पोखरी, मनोरम प्राकृतिक स्थल र स्थानीय जातीहरुको परम्परागत कला र साँस्कृतिहरुले पर्यटकहरुलाई आकर्षण गर्दछ। ग्रामिण पर्यटन, पर्यापर्यटन, साहसिक पर्यटन, ट्रेकिङ् ट्रेल, भिलेज वाक, दृश्यावलोकन, शान्त वातावरण आदिले पर्यटकहरुलाई आकर्षित गर्नसक्ने देखिन्छ। गाउँपालिकामा रहेका महत्त्वपूर्ण पर्यटकीय, ऐतिहासिक, प्राकृतिक, धार्मिक, साँस्कृतिक, तथा मानव निर्मित सम्पदाहरुको बारेमा अध्ययन, अनुसन्धान, प्रत्यक्ष अवलोकन भ्रमण तथा गाउँपालिकाका जनप्रतिनिधिहरु र स्थानीय बासिन्दासँगको छलफल र अन्तरक्रिया मार्फत निम्न सम्पदाहरु र स्थानहरुलाई पर्यटकीय आकर्षणको केन्द्रको रूपमा विकास गरी पर्यटन विकास गर्न सकिने निष्कर्ष निकालिएको छ।

### ३.३.१ पर्यटकीय सम्पदाहरू

#### पिकेडाँडा/पिके पिक

लिखु पिके गाउँपालिकाको वडा न. १ को माथिल्लो क्षेत्रमा अवस्थित प्राकृतिक रूपमा सुन्दर र रमणीय क्षेत्र पिकेडाँडा समुन्द्र सतहदेखि ४०४१ मिटरको उचाईमा रहेको छ। यो डाँडा पर्यटकका लागि प्रमुख गन्तव्यका रूपमा परिचित छ। यहाँबाट सगरमाथा ल्होत्से, मकालु, चोयु लगायतका हिमालको अद्वितीय दृश्यावलोकन गर्न सकिन्छ। साथै यहाँ सुनपानी, चिमल

र लालीगुराँस सहितका हिमाली वनस्पती नजिकबाट अवलोकन गर्न सकिन्छ । यस क्षेत्रमा आन्तरिक र बाह्य पर्यटकलाई आकर्षित गर्न विभिन्न ट्रेकिङ कम्पनीले सिजनमा पिके पिक ट्रेक समेत सञ्चालन गर्ने गरेका छन् ।



स्थानीयका अनुसार यहाँबाट हरेक वर्ष करिब १५ हजार स्वदेशी तथा विदेशी पर्यटक आवत जावत गर्ने गरेका छन् साथै यस क्षेत्रमा जाने पर्यटकहरूको लागि पदमार्गको रूपमा विकास भएको सगरमाथा पदमार्ग यही पालिकाको पिके क्षेत्र हुँदै सगरमाथाको आधार शिविरमा गएर टुंगिन्छ । यहाँका स्थानीयको कथन अनुसार पर्यटकहरूले यस डाँडालाई "लुकेको हिरा" समेत भन्ने गरेका छन् । लिखुपिके गाउँपालिकाको कार्यालय बाट करिब १२ कि.मिको दुरीमा रहेको यस डाँडाको अवलोकन गरी तल झरेपछी व्यवस्थित होटल तथा लजको सुविधा अभाव रहेता पनि स्थानीय परिकारको स्वाद लिदै स्थानीय शेर्पा जातीको कला संस्कृति, चर्चित चौँरी नृत्यको अवलोकन गरी मनोरञ्जन लिन सकिने वातावरण रहेको छ । पिके क्षेत्रमा बसोबास् गर्ने शेर्पा समुदायले हरेक वर्ष जनैपूर्णिमाको समयमा पिकेमा (यज्ज्राड) अर्थात् कुलपूजा गर्छन् । उनीहरूले याकलाई कुलदेवताको रूपमा पुजे गर्दछ । त्यसकारण पिके क्षेत्र पर्यटकीय हिसाबले मात्र नभएर धार्मिक रूपमा पनि उत्तिकै महत्वपूर्ण रहेको छ ।



पदयात्रा र दृश्यावलोकन गर्ने क्रम विकास भए संगै यस क्षेत्रमा रहेका विभिन्न गुम्बाहरु र पिके महादेव थानले यहाँ आउने पर्यटकहरूलाई थप आकर्षित गर्दछ । यसका साथै यहाँ व्यवस्थित पिकनिक स्थल, रेडपान्डा हेर्न साथै जंगल सफारी गर्न चाहनेहरुको लागि सुविधा, ध्यान केन्द्र स्थापना, साहसिक खेलपुर्वाधारहरु निर्माण साथै सडकको स्तरोन्नति र संचारको सुविधा विस्तार गर्न सके थप पर्यटक भित्राउन सकिने प्रशस्त सम्भावना रहेको छ ।

### भकाञ्जे टि-स्टेट क्षेत्र



गाउँपालिकाको वडा नं. ५ मा रहेको भकाञ्जे चिया उत्पादन क्षेत्र गाउँपालिकाको मात्र नभएर देशको लागि नै गौरवको क्षेत्र रहेको छ । यहाँ उत्पादन हुने चिया विश्व बजारमा पुग्ने गर्दछ । विश्वकै अग्लो स्थानमा उत्पादन हुने यहाँको चियाले हिमाली क्षेत्रमा उत्पादन भएको स्वादिष्ट चियाको पुरस्कार समेत जितेको भनि सरोकारवालाहरुले बताउँछन् । गाउँपालिकाको वडा नं. ५ का करिब २०० घरपरिवारले व्यावसायिक रुपमा चिया खेती गरिरहेका छन् यहाँ ब्लाक टि, ग्रिन टि, गोल्डेन टि लगायतका चियाको उत्पादन हुने गरेको छ । यहाँको चिया नेपालका विभिन्न स्थानमा निर्यात हुने गरेको छ भने विश्व बजारमा अमेरिका, चिन, डेनमार्क निर्यात हुँदै आएको छ । विदेशी लगानीमा सुरु भएको चिया उत्पादन कम्पनीका साथै हिमाली क्षेत्रमा फैलिएर रहेको सुन्दर चिया बगानको दृश्यावलोकनका लागि यहाँ हजारौँ संख्यामा पर्यटकहरु पुग्ने गरेका छन् ।

### छाम गर्ने गुफा (ध्यान गर्ने गुफा)

यस गाउँपालिकाको वडा नं. १ मा रहेका विभिन्न धार्मिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक, रमणीय, स्थलहरुमध्ये छाम गर्ने गुफा पनि एक रहेको छ। ऐतिहासीक काल देखि नै मुख्य लामाहरुले

यो गुफामा बसी एक वर्ष ४ महिना कठोर ध्यान गर्ने गरेको किम्वदन्ती रहेको छ । पिके पिक बाट पूर्वी दिशामा अवस्थित यो ध्यान गर्ने गुफा बौद्ध धर्मावलम्बीहरुको एक पवित्र स्थल पनि हो । गुफा क्षेत्रसँगै यहाँको हरियाली मनोरम क्षेत्रको पनि संरक्षण गर्न गाँउपालिकाले यथासक्य पहल गर्न जरुरी रहेको छ । यसका साथै गुफा सम्म जाने सडक आसपासका क्षेत्रमा होमिस्टे संचालन, होटेलहरुको व्यवस्थापन, खानेपानी र बाटोको सुविधा विस्तार गर्न सके आन्तरिक र बाह्य पर्यटनको लागि रोजाईको क्षेत्र पर्न सक्ने सम्भावना रहेको छ ।

### स्याब्रु नाँच

स्याब्रु नाँच शेर्पा समुदायको परम्परागत नेपाली लोकनृत्य हो । यस गाउँपालिकाका शेर्पा समुदायले मनाउने ल्होसार, डुम्जी, डमुने, बुद्ध जयन्ती, उधौली तथा उभौली जस्ता पर्वहरु तथा विभिन्न शुभ कार्यक्रम र जमघटमा यो नाँच नाँचिने प्रचलन रहेको छ । टुङ्गुना बजाउँदै नाचिने यो नाँच बख्खु, आङ्गी, पाङ्देन, जिमाला, शिरमाला, लगायतका हिमाली पहिरनमा सजिएर भाका गाउँदै महिला र पुरुषले नाँच्ने गर्दछन् ।

### ओर्गेन साडा छोलीङ गुम्बा (ठुलो गुम्बा)

गाउँपालिकाको उत्तरी क्षेत्रमा रहेको यो ओर्गेन साडा छोलीङ गुम्बालाई यहाँका स्थानीयहरुले शिवको रुपमा पनि पुजा गर्ने प्रचलन रहेको छ । तथापी बौद्ध धर्मावलम्बीहरुले लोटस बाबाबाट जन्म लिनु भएको गुरु रिम्पुछेको भक्ति गर्ने स्थानको रुपमा लिने गर्दछन् । यहाँ लामा गुरुहरुले मन्त्र पढ्ने तथा पूजाआजा गर्ने गर्दछन् । यहाँको प्रमुख विशेषता भनेको विशेष गरी शेर्पा जातिहरुले यहाँ कोरा गर्ने (गुम्बा वरपरी घुम्ने) गर्दछन् भने लामाहरुले यहाँको गुम्बाको पुजा आरधना, ध्यान गर्ने र हेरचाह गर्ने गर्दछन् । यहाँ वरपर विभिन्न मानेहरु रहेका छन् ।



केही बर्ष अधिसम्म शेर्पा समुदायका व्यक्तिहरुले आफ्नो आम्दानीको चार भाग मध्येको एक भागले माने बनाउने परम्परा रहेकोले यस स्थानमा विभिन्न मानेहरु रहेका छन् । अग्लो स्थानमा रहेको यो गुम्बाबाट पारीपट्टी अवतारी गुम्बा र आनी गुम्बाको पनि दृश्यावलोकन गर्न सकिन्छ । हाल निर्माणाधीन अवस्थामा नै रहेको यस गुम्बा परिसर सम्म यातायात, खानेपानी र बसोबासको सुविधा विस्तार गर्न सके यो क्षेत्र आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकहरुको रोजाईको क्षेत्रमा पर्ने विश्वास गर्न सकिन्छ ।

### शेर्पा संग्रहालय (निर्माणाधीन)



शेर्पा संस्कृति, जीवनशैली, हिमाल आरोहण, धर्म आदि बारे जिवन्त अनुभूति हुने गरी सजावटका साथ सामाग्रीहरु राख्ने, परम्परागत सामाग्रीहरुको संकलन गरी सजाएर राख्ने सोचका साथ गाउँपालिकाको वडा नं. १ मा शेर्पा संग्रहालय निर्माणाधीन अवस्थामा रहेको छ । शेर्पा जातीहरु विशेषगरी भाषा र संस्कृतिमा धनी भए संगै यहाँको प्रचलनमा रहेको रीति, संस्कृतिलाई संरक्षण गर्न आगामी पुस्ताहरुलाई संग्रहालयले सहयोग गर्ने अपेक्षाका साथ यो कार्यको सुरुवात भएको छ । यहाँ संग्रहालय निर्माण पश्चात सञ्चालन सुरु हुन सके यहाँको पर्यटन क्षेत्रको समृद्धिको लागि थप टेवा पुग्ने सुनिश्चित छ ।

### चण्डी नाँच

चण्डी नाँच सुनुवार समुदायले मंसिर पूर्णिमा अर्थात् उधौली पर्वको अवसरमा नाँच्ने गर्दछन् । उधौली विशेष गरी चराचुरुङ्गी लेकतिरबाट बैँसीतिर बसाइँ सर्ने समय भएको संकेत गर्न तथा अन्नबाली भित्र्याएको खुसीयालीमा मनाउने गरिन्छ । यहाँका सुनुवार समुदायले यस दिनलाई फोलस्याँदर पनि भन्ने गरेका छन् । चण्डी नाँचमा सुनुवार (पुजारी) को ठूलो भूमिका हुन्छ । यो नाँच महिला र पुरुष दुवै मिलेर परम्परागत पहिरन र गहनामा सजिएर ढोल झ्याम्टा लगायतका बाजागाजा सहित नाँच्ने गरिन्छ ।

## चौरी महोत्सव

नयाँ वर्ष २०८१ को अवसरमा बैशाख ४ गतेदेखि ६ सम्म जैविक विविधताको संरक्षण गर्दै चौरीको प्रवर्द्धन गर्ने, पिके क्षेत्रलाई पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा विकास गर्ने तथा चौरी संस्कृतिको विकास गर्ने उद्देश्यका साथ पिके बेस क्याम्पमा चौरी महोत्सव आयोजना गरिएको थियो । कुनै समय पिके क्षेत्रको गोली गोचुकमा बसोबास गर्ने प्रत्येक शेर्पाहरूको पुख्र्यौली पेशाको रूपमा चौरीपालन अर्थात् चौरी गोठ रहे पनि अहिले सो क्षेत्रमा मुस्किलले आठ/नौ वटा गोठ मात्र भेट्न सकिने अर्थात् यो व्यवसाय लोप हुँदै गएकाले सरोकारवाला निकायहरूले यस प्रकारका कार्यक्रमहरू आयोजना गरेको पाइन्छ ।



महोत्सवमा "Protect the Yak Save the Himalaya" भन्ने नाराका साथ चौरी कृषकलाई सम्मान, चौरी र जलवायु सम्बन्धी अन्तक्रिया, पिकेमा पर्यटन प्रवर्द्धनको लागि डकुमेन्ट्री निर्माण, याक तथा चौरी ब्यवसायी संघको वेवसाइट सञ्चालन, याक तथा चौरी प्रदर्शनी, याक डान्ससहित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम संचालन भएका थिए । यस प्रकारका मेला महोत्सवहरूलाई निरन्तरता दिन सके पेशागत संरक्षणका साथै पर्यटन क्षेत्रको प्रवर्द्धनमा पनि सघाउ पुग्दछ ।

## किञ्जा-भकाञ्जे-लामजुरा-सगरमाथा वेस क्याम्प

यो पदमार्ग नेपालको सबै भन्दा पुरानो सगरमाथा वेस क्याम्प सम्म जाने पदमार्ग हो । सर्वोच्च शिखर सगरमाथाको प्रथम आरोहण गर्ने व्यक्तिहरू नेपालका तेन्जिङ नोर्गे शेर्पा र न्युजिल्याण्डका एडमण्ड हिलारीले समेत सगरमाथाको आधारशिविरसम्म यही पदमार्ग हुँदै यात्रा गरेको इतिहास रहेको छ । हाल यो पदमार्ग मर्मत सम्भारको अभावको कारण तथा गौरीशंकर संरक्षण केन्द्रले प्रतिव्यक्ति प्रवेश शुल्क अनिवार्य गरेको कारण न्युन रूपमा मात्र

संचालनमा रहेको छ । काठमाडौंबाट बाग्मती हुँदै जिरी र जिरीबाट किञ्जासम्म पुगेपछि सगरमाथा जाने पदमार्गको सुत्रपात हुन्छ । गाउँपालिकाबाट प्राप्त तथ्याङ्क अनुसार हाल यो पदमार्गबाट यात्रा गर्ने पर्यटकहरूको संख्या बार्षिक ४०० देखि ५०० जनासम्म रहेको छ । किञ्जा स्थित प्रवेश द्वारमा पर्यटकहरूलाई मध्यनजर गरी एक होटल तथा लज संचालन रहेकोमा लामजुरा हाइटमा पुग्ने समयसम्म विच विचमा पर्यटकहरूलाई गास तथा बासको सुविधा रहेको, ऐतिहासिक महत्व बोकेको यो पदमार्गको स्तरोन्नती गर्न गाउँपालिकाले बजेट विनियोजन गरेको छ । यसक्षेत्रको महत्व उजागर गर्दै प्रचार प्रसार गर्न सके पर्यटन प्रवर्द्धन हुनुका साथै यहाँका स्थानीयको आर्थिक सबलीकरण शुनिश्चित छ ।

### ३.३.२ प्राकृतिक सम्पदाहरू

यो गाउँपालिका भित्र विभिन्न स्थानमा भएका पर्यटकीय क्षेत्रहरूको विकास गर्न सकिएमा पर्यटनबाट पनि रोजगारी बृद्धि गर्न सकिन्छ। गाउँपालिकाका विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रमा फैलिएर रहेका नदी नाला, ताल, खोलाहरू तथा अन्य जल सम्पदाहरूले विभिन्न किसिमका जलचर, चरा, माछा, उभयचर, सरीसृप तथा स्थल जनावरहरूलाई बासस्थान तथा पर्यावरणीय प्रणालीको अभिन्न अङ्गको रूपमा आश्रय दिइरहेका छन् । जङ्गलहरूमा पाइने विभिन्न वनस्पति, चराचुरुङ्गी तथा वन्य जन्तुहरू पर्यटन विकासका थप सहयोगी सम्पदाहरू हुन् । वन, वनस्पति, बन्यजन्तु, जैविक विविधता र जलाधार व्यवस्थापनलाई समेट्ने यो क्षेत्र प्रत्यक्ष रूपमा पर्यापर्यटन, जलविद्युत, कृषि, पशुपालन, स्वच्छ पर्यावरण र वन तथा जडिबुटीमा आधारित पर्यटनको विस्तार र समृद्धिका आधार हुन् भने स्वच्छ पर्यावरण, हरियाली, जैविक विविधता, प्राकृतिक रमणीयता, समुन्नत जलाधार, प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापनमा महिला, आदिवासी तथा स्थानीय समुदायको सहभागिता एवम् पहुँच र लाभको निष्पक्ष र न्यायोचित वितरण सुखी नेपालीका महत्त्वपूर्ण सूचक हुन् । नेपालमा उपलब्ध वनस्पति स्रोत तथा जडिबुटीको अध्ययन, अनुसन्धान, अभिलेखीकरण तथा दर्ता र गुण पहिचान गर्दै मुलुकभित्र नै मूल्य अभिवृद्धि गरी तुलनात्मक लाभ लिन सकिने प्रचुर सम्भावना रहेको छ। वन तथा जल सम्पदा जैविक विविधताको भण्डार मात्र होइन् मानव, जिवजन्तु लगायत समग्र पर्यावरणीय सन्तुलनको आधार पनि हुन् । यी सम्पदाहरू कृषि, उर्जा, जल तथा उद्योग धन्दाको लागि कच्चा पदार्थको स्रोत, बहुसङ्ख्याक जनसङ्ख्याको जीविकाको आधार र पर्यटकीय हिसाबले मनोरञ्जनको माध्यम पनि हुन् । यहाँ सल्ला, गुराँस, यासाँगुम्बा, पाँचऔले, जटामसी, पदमचाल, चिराइतो, सुनाखरी, तितेपाती, वनमारा, रातो सेतो पहेलो च्याउ, खसु, चिमाल, उतिस, आरुपाते, ओखर, चुत्रो, अंगेरी लगायत समशितोष्ण र लेकाली क्षेत्रमा पाइने प्राय सबै प्रकारका औषधिय गुण भएका बोट विरुवाहरू पाइन्छन् । भालु, चितुवा, राते, मृग, रेडपाण्डा, घोरल, बदेल्, कालिज, स्याल, बाँदर, दुम्सी, खरायो जस्ता वन्यजन्तु र डाँफे, मुनाल, चिलिमे, भ्याकुर, लामपुच्छे, कालिज, उल्लु, भंगेरा लगायतका पंक्षीहरू यहाँका अमूल्य गहना हुन् ।



### ३.३.३ सबल पक्षहरू

१. **पर्यटन स्रोत र सम्पदाहरूको सशक्त संयोजनाको अवस्था:** लिखु पिके गाउँपालिका प्राकृतिक, धार्मिक, साँस्कृतिक, ऐतिहासिक हिसाबले धनी हुनुका साथै जलसम्पदाको कारणले पर्यटनको सम्भावना पनि प्रचुर भएको स्थान हो । सेताम्मे हिमाल, जलाधर क्षेत्र, नदी, सामुदायिक वन, सार्वजनिक तथा निजी तवरमा लगाइएका बगैँचा तथा हरित क्षेत्र यहाँको मुख्य प्राकृतिक सम्पदाहरू हुन् । यहाँ पर्यटकले पदयात्रा, दृश्य अवलोकन, ध्यान लगायतका विभिन्न क्रियाकलापहरू गर्न सक्छन्।
२. **पर्यटन बजारको सम्भावना:** नेपालको उत्तर र दक्षिणतर्फ ठूलो जनसङ्ख्या र पर्यटन बजारको सम्भावना भएका दुई मुलुकहरू चीन र भारत रहेका छन् । साथै अन्य छिमेकी मुलुकबाट पनि धेरै पर्यटकहरू विभिन्न पर्यटकीय गतिविधिका लागि नेपाल आउने कारण यहाँ राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटन बजारको समेत सम्भावना अत्याधिक छ ।  
गाउँपालिकालाई पर्यटनको केन्द्र बनाउन यहाँका मठ-मन्दिर, खोला नाला, झरना, जंगल, ऐतिहासिक क्षेत्रहरूको प्रवर्द्धन गर्न जरुरी छ । यहाँ पाइने विभिन्न प्रकारका जडिबुटी, रैथाने प्रकारको अर्गानिक खाना, चारैतिर हिमालको सुन्दर दृश्य अवलोकन गर्न सकिने स्थानहरूको भरपुर सदुपयोग गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । यहाँको प्राकृतिक सौन्दर्यतासँगै पैदलयात्रा, बन्जि जम्पिङ, हर्स राइडिङ लगायतका साहसिक खेलहरू संचालन गर्न सकिने धेरै स्थलहरू रहेका छन् । यसका साथै यो गाउँपालिकाले अदुवा, बेसार, टिमुर, मुला, चिया, अलैंची, किवि, खुर्पानी लगायतका कृषि उपजहरूमा राष्ट्रिय रूपमा नै परिचय पाइसकेको हुँदा उत्पादनको बजारीकरणसँगै कृषि पर्यटन प्रवर्द्धन मार्फत आर्थिक सम्बृद्धि हाँसिल गर्न सकिन्छ ।
३. **यातायातको सम्पर्कले जोडिँदै :** लिखु पिके गाउँपालिका सडकमार्गबाट काठमाडौँ, बर्दीवास, लगायत अन्य स्थानसँग समेत जोडिएको छ । गाउँपालिकाको कार्यालय सम्म काठमाडौँदेखि नियमित सवारीका साधन चल्नु, कच्ची तथा कालोपत्रे समेत भएको सडकको पहुँच राष्ट्रिय राजमार्ग प्रणालीमा हुनु र दोलखा जिल्लाको सदरमुकाम चरीकोटसँगको निकटताले यहाँको पर्यटन विकासलाई गति थप्ने निश्चित छ । भौगोलिक हिसाबले यो गाउँपालिका उच्च पहाडी तथा हिमाली क्षेत्रमा भएको हुनाले सडक तथा यातायात विस्तारका लागि त्यति सहज भने पक्कै छैन ।
४. **धार्मिक, साँस्कृतिक र जलसम्पदामा आधारित पर्यटकीय क्रियाकलापहरूको व्यापक सम्भावना भएको :**  
गाउँपालिकामा सबैभन्दा हिन्दु धर्मावलम्बीहरूको बाहुल्यता रहेको छ भने थोरै सङ्ख्यामा बौद्ध धर्मावलम्बीहरू पनि रहेका छन् । यहाँ अधिकांश क्षेत्री जातिका मानिसहरू रहेका छन् । यहाँ पिकेडाँडा, किन हिल, उर्गेन साङ्छालिङ गुम्बा, मुक्तुम्जे थान, कन्ग्रिङ छोलीङ गुम्बा, शिव

पार्वती मन्दिर, लिखु नदि, देवीथान जस्ता प्राकृतिक तथा धार्मिक सम्पदाहरु रहेका छन् । यी सबै कारणले यो गाउँपालिका प्राकृतिक र साँस्कृतिक पर्यटनको लागि उपयुक्त छ ।

५. **राजधानी काठमाडौँसँगको सम्पर्क:** जिल्ला सदरमुकाम देखि नियमित रुपमा काठमाडौँ सम्म हवाई यातायात र सडक यातायात संचालन हुने तथा गाउँपालिकाबाट नियमित यातायात अन्तरगत बस तथा बोलेरो छुट्टै भएकोले काठमाडौँ आएका पर्यटकहरुलाई यस गाउँपालिकामा भित्र्याउन सक्ने सम्भावना देखिन्छ ।

### ३.३.४ कमजोर पक्षहरू

१. **कमजोर तथा अपर्याप्त विकास निर्माण तथा पर्यटन पूर्वाधारहरू :** प्रशस्त प्राकृतिक स्रोत साधनहरू भएता पनि विगतमा केन्द्रिकृत राज्य प्रणालीको आँखा नपरेका कारणले यो गाउँपालिका र समग्र जिल्लामा नै भौतिक, यातायात र पर्यटन लगायतका विकास पूर्वाधारहरूको कमी पाइन्छ । यथेष्ट लगानी योग्य पूँजीको कमी पनि अर्को कमजोर पक्ष छ ।
२. **प्राकृतिक र पर्यटकीय स्थलहरूको प्रचारप्रसार, प्रभावकारी प्रवर्द्धन र बजारीकरणमा कमी:** पूर्वाधारहरूको विकासको कमी र भएका प्राकृतिक, जैविक र पर्यटकीय स्थलहरूको समेत यथेष्ट प्रचारप्रसार, प्रवर्द्धन र विकास हुन नसक्नु यहाँको अर्को कमजोर पक्ष हो ।
३. **कमजोर पर्यटन सूचना:** वास्तवमा कुनै स्थानको विकासमा सूचनाको महत्त्वलाई नजरअन्दाज गर्ने सकिँदैन । लिखु पिके गाउँपालिकामा प्रशस्त पर्यटकीय सम्पदा र स्थलहरू भए पनि पर्यटकीय गतिविधिहरूको बारेमा सूचना केन्द्रको कुनै व्यवस्था गरिएको छैन । यो यस गाउँपालिकाको अर्को कमजोर पक्ष हो ।
४. **बजार अनुसन्धान र बजारको सूचनाको कमी:** नेपालमा विकास योजना लगायतका गतिविधिहरू यथेष्ट वैज्ञानिक अनुसन्धान र बजारको सम्भावनाको खोजी बिना नै सञ्चालन गरिन्छन् । त्यसकारण ती विकास योजनाहरू दिगो हुँदैनन् र तिनीहरूबाट अपेक्षित प्रतिफल पनि प्राप्त गर्न सकिँदैन । यस गाउँपालिका पनि यो कमजोरीबाट अछुतो छैन । यो गाउँपालिकामा पनि प्राकृतिक, जैविक तथा पर्यटकीय सम्भावनाहरूको बारेमा वैज्ञानिक अनुसन्धान र खोज गरी त्यसै अनुसारका विकास योजनाहरू तर्जुमा तथा कार्यान्वयन गरेको पाइँदैन ।
५. **पर्यटन विकासको लागि अन्तरपालिका स्तरमा कमजोर संस्थागत सञ्जाल र सम्बन्धहरू :** विकासका पूर्वाधारहरू र सम्भावनाहरू मात्र भएर हुँदैन, ती सम्भावनाहरूको विकासका लागि सामूहिक प्रयत्न गर्नुपर्ने हुन्छ । पर्यटकीय गतिविधि र विकास त झन् एउटा गाउँपालिका र क्षेत्रले मात्रै गर्न सक्दैनन् । गाउँपालिकामा हालसम्म पनि पूर्वाधार विकास निर्माण तथा पर्यटकीय विकासका लागि अन्य गाउँपालिका, तथा क्षेत्रसँग समन्वय र सहकार्य गरी कार्यआरम्भ गरेको पाइँदैन । यसले यो क्षेत्रको विकास, प्रचार प्रसार र प्रवर्द्धनमा बाधा सिर्जना गरेको छ ।

६. **स्थानीय समुदायमा पर्यटन सम्बन्धी जनचेतनाको अभाव:** अशिक्षा, गरिबी, पुराना मान्यता, पेशा व्यवसाय र जनचेतनामा कमीका कारण स्थानीय समुदायमा अझैपनि पर्यटन व्यवसाय एउटा राम्रो व्यवसाय हो र यसबाट पनि आयआर्जन गर्न सकिन्छ भन्ने ज्ञानको कमी पाइन्छ । जसका कारण पर्यटन व्यवसायले अपेक्षित सफलता हासिल गर्न सकेको छैन ।
७. **पर्यटकीय स्थलहरूमा यातायात सुविधाको अभाव:** यातायातको विकास बिना पर्यटकीय विकासको कल्पना पनि गर्न सकिँदैन । यथेष्ट पूँजी अभाव, दक्ष जनशक्तिको अभाव, वैज्ञानिक विकास योजना र दूरदर्शितामा कमीका कारणले यातायातको पर्याप्त विकास हुन सकेको छैन । भएका पूर्वाधारहरू पनि अवैज्ञानिक र बिना योजना बनेका कारण ती योजनाहरू दिगो छैनन् । पहाडी भू-धरातलका कारण पर्याप्त मात्रामा सडक सञ्जाल विस्तार हुन सकेका छैनन् र भएका अधिकांश सडकहरू कच्ची अवस्थामा रहेका छन् ।
८. **पर्यटन व्यवसायसँग सम्बद्ध दक्ष जनशक्तिको कमी :** गाउँपालिकामा पर्यटक पथप्रदर्शक, दोभाषे, भरिया, सहयोगी लगायतका दक्ष जनशक्तिको अभाव छ । पर्यटकीय गतिविधि र पर्यटकसँग सम्बन्धित विभिन्न व्यवसायहरू जस्तै: होटल, रेष्टुरेन्ट, पसल, क्युरियो आदि सञ्चालन गर्न पनि दक्ष जनशक्तिको अभाव छ जसले गर्दा समग्र पर्यटन व्यवसाय नै फस्टाउन सकेको छैन ।
९. **स्थानीय उपजहरूको उत्पादन नहुनु:** आधुनिकताको विकाससँगै मानिसहरू शहरी क्षेत्र तथा सुविधायुक्त स्थानमा बसाइसराई गर्छन् । साथै कला, संस्कृति, परम्परा, चालचलन र खानपान आदिको विश्वव्यापीकरण भई स्थानीय कला, संस्कृति, परम्परा, चालचलन, रहनसहन र खानपान आदिमा नकारात्मक असर पर्छ । हाल यस क्षेत्रका अधिकांश युवाहरू रोजगारीका शिलशिलामा विदेश पलायन भइरहेका छन् । फलस्वरूप गाउँका उर्वर भू-भागहरू बाँझो भएका छन् र स्थानीय उपजहरूको उत्पादनमा कमी आएको छ । खेतीयोग्य जमिन बाँझो हुनु एउटा चुनौतिको रूपमा रहेको छ । स्थानीय रैथाने उपजहरूको उत्पादनमार्फत् पर्यटकलाई आकर्षित गरी स्थानीय बासिन्दाहरूको आय आर्जनमा वृद्धि गर्न सकिन्छ । तर युवाहरूको विदेश पलायन र राज्यको प्रभावकारी योजना र प्रयत्नको अभावमा स्थानीय उत्पादनहरूमा कमी आइरहेको छ ।
१०. **पूर्वाधार निर्माणका लागि पर्याप्त पूँजीको कमी :** नेपाल अल्प विकसित देश हो । यहाँ व्यापार र उद्यमशीलताको दर एकदमै न्यून छ । यसका विविध कारणमध्ये लगानीयोग्य पूँजीको अभाव प्रमुख हो । साथै राजनैतिक अस्थिरता र द्वन्द्वका कारण वैदेशिक लगानीलाई आकर्षित गर्ने वातावरण पनि तयार हुन सकेको छैन । फलस्वरूप यथेष्ट पूँजीको परिचालन गरी द्रुत विकास गर्न सकिएको छैन ।
१२. **उद्यमशीलताको कमी :** पूँजीको पर्याप्त विकास नहुनु, ज्ञान, सीप र दक्षता पनि न्यून हुनु, बजारीकरणको अभाव हुनु, निर्वाहमुखी जीवनशैली हुनु आदि कारणले स्थानीय तहमा उद्यमशीलताको विकास हुन सकेको छैन । साथै राज्य र सरकारले पनि उद्यमशीलतालाई

प्रोत्साहित गरी आर्थिक विकास गर्ने विषयलाई प्राथमिकतामा नराख्नु र सोही अनुसारको नीतिगत व्यवस्था पनि नगरेका कारणले यो गाउँपालिकामा उद्यमशीलताको विकास हुन सकेको छैन । यो अर्को कमजोर पक्ष हो ।

### ३.३.५ अवसरहरू

१. **प्राकृतिक, धार्मिक, साँस्कृतिक तथा ऐतिहासिक महत्त्वका प्रसिद्ध स्थलहरू (हिन्दु, बौद्ध, धर्मसँग सम्बन्धित) रहेका कारण पर्यटनको गन्तव्यको रूपमा विकास गर्न सकिने:** कुनै पनि व्यक्ति एक स्थानबाट अर्को स्थानमा यात्रा गर्नुका निश्चित उद्देश्यहरू हुन्छन् र सोही अनुसारका पर्यटकीय गन्तव्यहरू पनि हुन्छन् । कुनै व्यक्ति धार्मिक विश्वासका आधारमा यात्रा गर्छ भने कुनै जागिर र व्यवसायको सिलसिलामा एक स्थानबाट अर्को स्थानमा यात्रा गर्दछन् । यहाँ रहेका मनोरम दृष्यावलोकन गर्न सकिने चुचुराहरू, धार्मिक स्थलहरू, नदीनाला र ताल तलैयाका कारणले यो क्षेत्र अत्यन्तै रमणीय र सुरम्य छ । साथै यो क्षेत्र धार्मिक, साँस्कृतिक र जैविक रूपले धनी छ । यहाँ विभिन्न प्रकारका वन्यजन्तु, चराचुरुङ्गी, वनस्पति, जडिबुटी लगायतका स्रोत साधनहरू प्रशस्त छन् । त्यसकारण यहाँ धार्मिक, साँस्कृतिक र प्राकृतिक पर्यटनको प्रचुर सम्भावनाहरू रहेका छन् ।
२. **कृषि, वन, साँस्कृति तथा समुदायमा आधारित गतिविधिहरूको माध्यमबाट स्थानीयस्तरमा रोजगारी र आय वृद्धि गर्न सकिने:** पर्यटन लगायतका जुनसुकै विकास कार्यक्रमको उद्देश्य स्थानीय बासिन्दाको आय आर्जनमा वृद्धि गरी उनीहरूको जीवनस्तरमा सुधार गर्ने हो । गाउँपालिका जलाधार, कृषि, जडिबुटी लगायतका स्रोत साधनहरूमा धनी भएको कारण कृषिजन्य, वन पैदावार तथा अन्य व्यवसायहरूको विकास गर्न सकिन्छ । साथै यो गाउँपालिका साँस्कृतिक रूपमा समेत धनी भएका कारण विभिन्न कला, परम्परा, रहनसहन, भेषभुषा, खानपानसँग सम्बन्धित व्यवसायहरूको विकास गरी पर्यटनको विकास तथा आय आर्जन गर्न सकिन्छ ।
३. **प्राकृतिक, धार्मिक, जैविक, ऐतिहासिक तथा साँस्कृतिक सबै प्रकारका रुचि भएका पर्यटकहरूलाई आकर्षित गर्न सकिने:** वास्तवमा सबै पर्यटकहरू एउटै उद्देश्यका लागि भ्रमण गर्दैनन् । कुनै धार्मिक उद्देश्य त कुनै प्रकृतिसँग खेल्न वा साहसिक कार्य गर्नका लागि भ्रमण गर्दछन् । यो गाउँपालिकामा प्राकृतिक, धार्मिक तथा साँस्कृतिक, साहसिक लगायतका पर्यटकीय गतिविधिहरूको सम्भावना भएका कारण धेरै प्रकारका पर्यटकहरूलाई आकर्षित गर्न सकिन्छ ।
४. **जनताबाट निर्वाचित स्थानीय सरकारले पर्यटन विकासका लागि विभिन्न योजनाहरू बनाई कार्यान्वयन गर्न सक्ने:** नेपालको संविधान र स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ ले पर्यटन विकाससँग सम्बन्धित योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन र मूल्याङ्कन समेतको काम, कर्तव्य र अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्रदान गरेको र स्थानीय, प्रदेश र सङ्घीय सरकारहरू

हालसालै निर्वाचित भएर आएका हुनाले स्थानीय सम्भावना र आवश्यकताको आधारमा पर्यटन विकास गर्ने राम्रो अवसर प्राप्त भएको छ ।

५. **तीनै तहका सरकारहरूको समन्वयित सहकार्यको सम्भावना:** सङ्घीय तथा प्रदेश सरकारहरूले पनि पर्यटन उद्योगलाई महत्त्वपूर्ण उद्योगको रूपमा विकास गरी पर्यटनको माध्यमद्वारा जनताको आय आर्जन तथा जीवनस्तरमा सुधार ल्याउने कुरालाई प्राथमिकतामा राखेको र सोहीअनुसार योजनाहरू पनि तर्जुमा गरेको हुनाले सङ्घीय तथा प्रदेश सरकारहरूसँग सहकार्य गरी पर्यटनको विकास गर्न सकिन्छ ।
६. **विविधतायुक्त विकासको सम्भावना:** यो गाउँपालिकामा भौगोलिक, प्राकृतिक र जैविक विविधता भएका कारणले सानो भू-भागमा पनि विविध प्रकारका प्राकृतिक र सांस्कृतिक जीवनहरूको अवलोकन गर्न सकिन्छ । साथै यहाँ विविध प्रकारका पर्यटकीय गतिविधिहरू समेत सञ्चालन गर्न सकिन्छ ।

### ३.३.६ चुनौतिहरू

१. **धार्मिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक र साँस्कृतिक सम्पदाहरूको लोप हुँदै जानु:** विश्व पूँजी बजारको विकास सँगसँगै सबै क्रियाकलापहरूलाई पुँजी लाभका आधारमा मात्रै हेर्ने र तिनीहरूको सामाजिक, साँस्कृतिक, वातावरणीय लगायतका अन्य पक्षहरूलाई बेवास्ता गरेको पाइन्छ । फलस्वरूप यहाँका धार्मिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक र साँस्कृतिक सम्पदाहरू लोप हुँदै गएका छन् जुन पर्यटन विकासका लागि एउटा चुनौती हो ।
२. **प्राकृतिक सम्पदा र जैविक विविधतामा क्षय हुँदै जानु (वन विनाश, वन्यजन्तुको गैर कानुनी शिकार आदि):** बढ्दो शहरीकरण, अनियन्त्रित बसाइँसराई, वायु प्रदुषण, जलवायु परिवर्तन, प्रदुषण लगायतका कारणले यो गाउँपालिकाका प्राकृतिक सम्पदा र जैविक विविधतामा क्षय हुने क्रम देखिएको छ । फलस्वरूप विभिन्न प्रकारका वन्यजन्तु, वनस्पति, चराचुरूङ्गी र जडिबुटीहरू लोप हुने क्रम बढेको छ । यो पनि पर्यटन विकासका लागि अर्को चुनौती हो ।
३. **जलवायु परिवर्तनको कारणले ल्याउन सक्ने विपत्ति र असरहरू:** बढ्दो शहरीकरण, अनियन्त्रित बसाइँसराई, योजनाबद्ध विकासमा कमी, वनजङ्गल विनाश, वायु प्रदुषण, जलवायु परिवर्तन लगायतका कारणले विभिन्न प्रकारका प्राकृतिक विपत्ति र असरहरू देखा परेका छन् ।
४. **युवा पुस्ताको पलायन:** युवा पुस्ताहरूमा बसाइँसराई र वैदेशिक रोजगारीप्रतिको मोह बढ्दो छ । नेपालमा बसेर केही पनि गर्न सकिँदैन र विदेशमा आयआर्जन, प्रगति र उन्नति सहज छ भन्ने विश्वासले घर गरेको छ । फलस्वरूप उनीहरू नेपालमै स्वरोजगार र उद्यमशीलताको विकास गर्नुको साटो कठिन रोजगारीका लागि विदेश जान उद्यत देखिन्छन् र यसले स्थानीय मानव संसाधन उपलब्धतामा गम्भिर असर पुऱ्याएको छ । यो पर्यटन विकासको अर्को चुनौती हो ।

५. **राज्य कोषको परिचालन र पर्यटनको गतिविधिबाट प्राप्त हुने आम्दानी स्थानीय तहमा असमानुपातिक वितरणको अवस्था :** नेपालमा संघीयताको कार्यान्वयन भर्खर मात्र शुरु भएको कारण स्थानीय सरकार सम्म प्रशासनिक, विकास लगायतका संयन्त्रहरू बनि सकेका छैनन् । साथै स्थानीय सरकारका काम, कर्तव्य र अधिकारका बारेमा पनि पर्याप्त कानून, ऐन नियम र नियमावली नबनिसकेका कारण राजश्व लगायतका आयका स्रोतहरू संघीय सरकार नियन्त्रित नै छन् । स्थानीय सरकारको बलियो नियमित आर्थिक स्रोतको व्यवस्था बनिसकेको छैन । राजश्व लगायतका स्रोतहरूको समानुपातिक वितरण नहुनु पनि अर्को चुनौती हो ।
६. **पर्याप्त लगानीका लागि पूँजीको अभाव:** नेपाल लामो समय द्वन्द्व र राजनीतिक अस्थिरताबाट गुञ्जिएको कारण पूँजीको विकासको अवस्था कमजोर नै छ । साथै नेपाल पूँजी बजारका हिसाबले पनि सानो नै छ ।
७. **स्थानीय कला, सीप, सँस्कृतिको हस्तान्तरणमा समस्या:** युवाहरू आधुनिक जीवनशैलीप्रति आकर्षित भई स्थानीय परम्परागत कला, सीप, सँस्कृतिहरू भुल्दै गएका छन् । वास्तवमा हाम्रा प्राकृतिक, साँस्कृतिक र ऐतिहासिक सम्पदाहरू नै नेपालको पर्यटनको मात्र नभई समग्र विकासका खम्बाहरू हुन् तर राज्यद्वारा पनि स्थानीय परम्परागत कला, सीप, सँस्कृतिहरूको हस्तान्तरणका लागि ठोस कार्य हुन सकेको छैन । फलस्वरूप हाम्रा परम्परागत कला, सीप तथा सँस्कृतिहरूको पर्याप्त विकास हुन सकेको छैन । पर्यटन विकासका लागि यो अर्को चुनौती हो ।
८. **भूमण्डलीकरणका कारणले स्थानीय सँस्कृति, कला, उपज आदिमा पारेको प्रभाव:** यातायात, विज्ञान, प्रविधि, सूचना तथा सञ्चारमा आएको द्रुत विकासले जोडेको कारण अहिलेको विश्व एउटा सानो नगरको रूपमा विकास भइरहेको छ । यसले स्थानीय भाषा, कला, सीप, सँस्कृति तथा उपजहरूमा नकारात्मक असर परेको छ ।
९. **तीन तहका सरकार भएको कारण समन्वयित र एकिकृत विकासमा समन्वयको कमी:** लामो समयसम्म केन्द्रिकृत राज्य व्यवस्थामा अभ्यस्त नेपाल हाल संघीय गणतान्त्रिक लोकतन्त्रको अभ्यास गरे पनि विकासमा तीन तहका सरकारको समन्वयित र सहकार्यात्मक अभ्यासको कमी देखिन्छ । साथै ती प्रदेश र स्थानीय सरकार सञ्चालनका लागि आवश्यक नीति नियम, ऐन, विनियम, कार्यविधि आदि नीतिगत व्यवस्था पनि पूर्ण रूपमा संस्थागत भै-सकेको छैन ।

### ३.४ प्रमुख पर्यटकीय सम्भावनाका क्षेत्रहरू

#### ३.४.१ ग्रामीण पर्यटन (घरवास पर्यटन)

नेपाल भौगोलिक, जातिय, साँस्कृतिक, भाषिक तथा धार्मिक हिसाबले विविधतापूर्ण देश हो । विभिन्न जातजातिका मानिसहरूका विविध सँस्कृति, परम्परा, भेषभुषा, खानपान लगायतका पहिचानहरू नै नेपालको पर्यटकीय विकासका अमूल्य सम्पदाहरू हुन् । नेपाल

भिन्नने बाह्य पर्यटकहरूका साथै आन्तरिक पर्यटकहरू समेत यहाँको सम्पदाहरूको बारेमा अध्ययन, अवलोकन गर्न र स्थानीय ग्रामीण जीवनका बारेमा बुझ्नका लागि भ्रमण गर्ने गर्दछन् । नेपालमा हालसम्म अधिकांश जनसङ्ख्या ग्रामिण क्षेत्रमा बस्दछन् । यही ग्रामीण जनजीवनका विभिन्न पक्षहरू समेटि ग्रामीण पर्यटनलाई विकास गर्न सकेमा स्थानीय बासिन्दाहरूको आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक, साँस्कृतिक, राजनैतिक चेतनामा समेत वृद्धि हुन गई आयआर्जनमा र समग्र जीवनशैलीमा नै सुधार हुने निश्चित देखिन्छ ।

हाल नेपालका विभिन्न पर्यटकीय क्षेत्रहरूमा होम-स्टे अर्थात घरबास पर्यटन निकै फस्टाउँदै गएको पाईन्छ । घरबास पर्यटनमा पर्यटकहरू स्थानीय समुदायको घरमा नै बस्ने भएकाले होम स्टे अर्थात् घरबास भनिएको हो । पर्यटकहरू स्थानीय समुदायको घरमा पाहुनाको रूपमा बसी स्थानीय स्वाद अनुसारको खानपान गर्दछन् भने स्थानीय संस्कार र साँस्कृतिमा रमाउँछन् र यसबापत उनीहरूले निश्चित रकम तिर्दछन् । ठूलो लगानीको आवश्यकता नपर्ने भएकाले कुनै पनि समुदायहरूमा घरबास पर्यटन संचालन गर्न सहज रहेको छ । ग्रामीण पर्यटनको विकास मार्फत् यसको लाभ नगर टोल सम्म पुऱ्याई ग्रामीण गरिबी न्यूनीकरण गर्न घरबास पर्यटन निकै सफल भएको पाईन्छ ।

घरबास पर्यटन भन्नाले पर्यटकहरू स्थानीय बासिन्दाहरूका घरमा परिवारका सदस्य जस्तै भएर बसी घरका सदस्यहरूले खाने परिकारहरू नै खाने र उनीहरूको जीवनसँग एकाकार भएर बस्ने पर्यटकीय गतिविधि हो । स्थानीय भाषा, साँस्कृति, चालचलन, परम्परा र चाडबाडका बारेमा जान्न, बुझ्न र अध्ययन गर्नका लागि यो सर्वोत्तम माध्यम पनि हो । नेपालमा विभिन्न स्थानमा घरबास पर्यटन सञ्चालन हुँदै आएकोमा यस गाउँपालिकाको केही गाउँ बस्तीमा यो पर्यटन प्रशस्त सम्भावना रहेको छ । मनोरम प्राकृतिक सम्पदा र साँस्कृतिक सम्पदाले भरिपुर्ण यो क्षेत्रका धेरै बस्तीहरू ग्रामिण पर्यटन प्रवर्द्धनका दृष्टिकोणले एकदमै सम्भावनायुक्त रहेका छन् । घरबास पर्यटनका माध्यमद्वारा स्थानीय भाषा, साँस्कृति, कला, सीप, शैली, उत्पादन तथा ज्ञानको प्रचार प्रसार गर्न सके घरबास पर्यटन गाउँपालिकाको विकासका लागि कोशेढुङ्गा सावित हुन सक्ने सम्भावना प्रबल देखिन्छ ।

### होम स्टे सञ्चालनका लागि सम्भावित स्थानहरू

हालसम्म गाउँपालिकामा व्यावसायिक रूपमा घरबास पर्यटन (होम स्टे) संचालन नभएता पनि यहाँका गाउँबस्तीहरूमा त्यहीको मौलिक साँस्कृति प्रदर्शन गरी होम स्टे प्रवर्द्धन गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । होम-स्टे सञ्चालन गर्नका लागि केही सम्भावित स्थानहरू तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका नं. १०: होम स्टे संचालनका लागि सम्भावित स्थानहरू सम्बन्धी विवरण

| वडा नं | होम स्टे सञ्चालन भएका र सम्भावित स्थानहरू          | सङ्ख्या |
|--------|--|---------|
| १      | भकाङ्गे चियाबगान जाने बाटो आसपासका क्षेत्रहरूमा    | २ वटा   |
| २      | वडा नं. ४ बाट छुसा भ्यू प्वाइन्ट जाने बाटो आसपासमा | १ वटा   |

| वडा नं | होम स्टे सञ्चालन भएका र सम्भावित स्थानहरु | सङ्ख्या |
|--------|---|---------|
| ३      | लामजुरामा होमस्टे स्तरोनन्ती              | १ वटा   |
| ४      | काप्ले चौर आसपासका क्षेत्रहरुमा           | १ वटा   |
| ५      | गुम्बा                                    | १ वटा   |
| ६      | लाममाने र डौर                             |         |

स्रोत: वडा जनप्रतिनिधि र स्थानीयहरूसँगको छलफल पर्यटकीय गतिविधिहरू बढाउँदै यस पालिकामा होमस्टे सञ्चालन गर्न निम्नानुसारका पूर्वाधारहरू निर्माण गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

- घरबास पर्यटन सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्ने र आवश्यक दक्ष जनशक्तिका लागि तालिम प्रदान गर्ने ।
- स्थानीय कलाकारहरुलाई तालिम प्रदान गरी नियमित साँस्कृतिक कार्यक्रमहरु आयोजना गर्ने ।
- स्याब्रु नाच, धामी नाँच, झ्याउरे नाँच, याक नृत्य, टुङ्ना बजाउँदै नाचिने नाँच, सेलो नाँच, चण्डी नाँच लगायतका नाँचहरुको आयोजना गर्ने ।
- शेर्पा, क्षेत्री, तामाङ, सुनुवार, थामी लगायतका जातजातीको साँस्कृति झल्किने परम्परागत घरहरू निर्माण गर्न प्रोत्साहित गर्ने ।
- सामुदायिक भवन तथा साँस्कृतिक घर निर्माण गर्ने ।
- स्थानीय परम्परागत उत्पादन (राडी, अल्लोका साँस्कृतिक पहिरनहरु) हरुलाई प्रोत्साहन गर्ने ।
- आन्तरिक आवत जावतको लागि सडक तथा पदमार्ग सुधार तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्ने ।
- विभिन्न स्थानमा सार्वजनिक शौचालय र धारा निर्माण गर्ने ।
- परम्परागत र प्राङ्गारिक तर स्वच्छ खानालाई प्रोत्साहन दिने ।
- अतिथि सत्कार, खाना बनाउने, स्थानीय परिकार बनाउने कला, सरसफाई आदि विषयमा तालिम दिने ।
- पाहुनाले प्राप्त गर्ने सेवा सुविधा, सरसफाई अन्य आचार व्यवहार सम्बन्धी प्रोटोकल निर्माण गरी कडाईका साथ कार्यान्वयन गर्ने ।
- परम्परागत साँस्कृतिक कार्यक्रमहरू तथा झाँकीहरु प्रस्तुत गर्ने र तिनीहरूको गुणस्तरमा सुधार गर्ने ।
- प्रचार प्रसारका सामग्रीहरू उत्पादन गरी प्रचार प्रसार गर्ने ।



### ३.४.२ साहसिक पर्यटन (Adventure Tourism)

नेपाल साहसिक पर्यटनको लागि विश्वकै एउटा प्रमुख गन्तव्य देश हो । यहाँका पहाड, नदी, झरना, उच्च भौगोलिक बनोट आदि साहसिक पर्यटनका लागि विश्व पर्यटन बजारमा प्रख्यात रहेका छन्। यस गाउँपालिकामा विभिन्न प्रकारका साहसिक पर्यटनका गतिविधिहरूको सम्भावना रहेको छ। हनी हन्टिङ, रक क्लाइम्बीङ, जिप फ्लाईङ, बन्जि जम्पिङ, जंगल सफारी आदिको समेत सम्भावना रहेका स्थानहरू रहेकाले यस सम्बन्धी दीर्घकालीन योजना निर्माण गरी कार्यान्वयनमा जान सक्ने देखिन्छ । साहसिक पर्यटनको लागि केही सम्भावित स्थानहरू निम्नानुसार रहेका छन् :

तालिका नं. ११: साहसिक पर्यटनको लागि केही सम्भावित स्थानहरूको विवरण

| क्र. सं | क्रियाकलाप     | सम्भावित क्षेत्रहरू                    | वडा नं. |
|---------|----------------|--|---------|
| १       | हाइकिङ         | भकाङ्गे - लामजुरा-जसे<br>भञ्ज्याङ-पिके | १       |
| २       | हाइकिङ         | झाप्रे-बुलबुले-पिके                    | १       |
| ३       | प्याराग्लाइडिङ | लोलुम सिमलबोटे                         | २       |
| ४       | प्याराग्लाइडिङ | चमरगाउँ                                | ३       |
| ५       | घोडचढी         |  |         |
| ६       | हनिहन्टिङ      | सिमलबोटे देउराली                       | २       |
| ७       | प्याराग्लाइडिङ | सापे,भुकेपम्दो                         | १       |

स्रोत: वडा जनप्रतिनिधि र स्थानीयहरूसँगको छलफल, २०८१

### ३.४.३ जल पर्यटन (Water Tourism)

जलस्रोतको धनी यस गाउँपालिकामा धेरै खोलानालाहरू रहेका छन् । विभिन्न खोलानाला र तालहरूको (लिखु नदी, हिमगंगा नदी, किम्जा खोला, खिम्जा खोला, घट्टे खोला, चो सम्बा पोखरी, चो नक्पु पोखरी, दक्चु पोखरी, पिके झरना, कुपुङ्ग झरना आदि) उपस्थितिले पनि जलमा आधारित पर्यटन व्यवसाय (Water Tourism) को राम्रो सम्भावना रहेको देखिन्छ ।

### ३.४.४ कृषि पर्यटन (Agro Tourism)

नेपाल कृषिप्रधान देश हुनुका साथै यहाँको ७० प्रतिशत भन्दा बढी जनसङ्ख्याको जीवन गुजाराको प्रमुख आधार वा पेशा नै खेतीपाती भएकाले कृषिसँग सम्बन्धित गतिविधिहरूलाई पर्यटनसँग जोड्न सके ग्रामीण भेगमा बसोबास गर्ने मानिसहरूको गरिबी न्यूनीकरण गर्नका लागि कृषि पर्यटन वरदान सावित हुन सक्छ । पर्यटनका प्रकारहरू मध्ये कृषि पर्यटन पछिल्लो समय चर्चामा आएको नयाँ पर्यटकीय गतिविधि पनि हो । तसर्थ गाउँपालिकाको कृषि गतिविधिलाई पर्यटनसँग जोड्न सकेमा आर्थिक तथा सामाजिक रूपमा पिछडिएको समुदायको जीवनस्तर उकास्न कृषि पर्यटन कोशेढुंगा सावित हुन सक्ने देखिन्छ । यो गाउँपालिका कृषि उत्पादनमा खास गरी धान, मकै, गहुँ, कोदो, फापर, जौ, आलु, सिमी, फलफुल र पशुपालनको अत्यन्तै सम्भावना रहेको छ । गाउँपालिकाको तरकारीमा आलु, मुला

र दलहन बालीमा सिमिको उत्पादन साथै नगदे बालीहरुमा चिया, अलैंची, अदुवाको उत्पादन ज्यादै राम्रो हुने गर्दछ।

यहाँका अधिकांश घरधुरीले पशुपालन गर्ने गरेका छन्। यहाँको अर्गानिक उत्पादनलाई जिल्ला सदरमुकाम सोलु, रामेछापको मन्थलि बजार, दोलखाको जिरी र संघीय राजधानी काठमाडौं तथा यहाँको चिया, अलैंची र अदुवा जस्ता उत्पादन छिमेकी मुलुक भारत र अन्य देशहरुमा समेत निकासी गरी ठूलै आर्थिक उपार्जन गर्न सकिन्छ। त्यसैगरी यहाँका वन जंगल र डाँडा काँडामा धेरै किसिमका जडिबुटी जस्तै चिराइतो, जटामसी, बोझो, पांच औंले आदि पाइन्छन् जसको ठूलो आयुर्वेदिक महत्त्व रहेको छ। यहाँको हावापानीमा कृषिमा उद्यमशिलता र व्यवसायिकरण प्रमुख सम्भावना रहेको हुँदा कृषि क्षेत्रको विकासबाट गाउँपालिकाको पहिचान र सम्बृद्धिको आधार बन्न सक्दछ। त्यसैले कृषि उत्पादनको लागि पनि यो गाउँपालिका उर्वर भूमिमा गनिन्छ।

### **कृषि पर्यटनको सम्भावनालाई यथार्थमा बदल्नका लागि निम्नानुसारका पूर्वाधारहरू निर्माण गर्नुपर्ने देखिन्छ-**

- गाउँपालिकालाई प्राङ्गारिक Organic उत्पादन हुने गाउँपालिका घोषणा गर्ने रणनीति लिने र सोही अनुसार कार्यान्वयन गर्ने।
- हरेक वडाको उत्पादन पहिचान गरि व्यावसायिक खेतीतर्फ विकास गर्ने।
- गाउँपालिकाका सम्भाव्य क्षेत्रलाई कृषि पकेट क्षेत्र घोषणा गरी कृषि पर्यटन प्रवर्द्धन गर्ने।
- कृषि फर्महरुको संचालनका लागि गाउँपालिकाबाट आवश्यक पूर्वाधारहरुको विकासको लागि पहल गर्ने।
- कृषि सडक निर्माण गर्ने कार्यलाई पूर्णता दिने।
- कृषि विकासको लागि कृषकहरुलाई बजारीकरणको सुनिश्चितता गराउने।
- कृषि पर्यटन र घरवास पर्यटन (होमस्टे) लाई एकिकृत रूपमा अगाडि बढाउने।
- कृषि फर्महरुमा पर्यटकहरुलाई बसोबासको व्यवस्था मिलाउने।
- पर्यटक लक्षित जैविक (Organic) तथा परम्परागत खेती पद्धतिलाई प्रोत्साहित गर्ने।
- यहाँ उपलब्ध जडिबुटीहरुको अध्ययन अनुसन्धानका लागि आवश्यक योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने।
- कृषि पर्यटन तथा विकासका लागि कृषि सहकारी स्थापना गर्नका लागि प्रोत्साहन गर्ने।
- कृषि जन्य उत्पादन, जडीबुटी तथा नगदे बालीहरु स्थानीयस्तरमा प्रशोधन गर्ने उद्योगहरु खोल्न प्रोत्साहन गर्ने।

### **३.४.५ शैक्षिक पर्यटन (अध्ययन अनुसन्धान पर्यटन)**

गाउँपालिका भित्र रहेका विभिन्न पर्यटकीय क्षेत्र, धार्मिकस्थल, ऐतिहासिक धरोहरहरु, नदी, जंगल, विपद् प्रभावित क्षेत्र, प्रविधि र मानव संसाधन तथा यहाँ बसोबास गर्ने समुदायको संस्कृतिको अध्ययन तथा अनुसन्धान गर्न तथा मनोरञ्जन गर्न, विद्यालय तथा विश्वविद्यालयका विद्यार्थीहरु/अनुसन्धानकर्ताहरुका लागि उपयुक्त स्थानको रूपमा रहेको पाईन्छ। यहाँ बसोबास गर्ने क्षेत्री, शेर्पा, थामी, सुनुवार लगायतका समुदायको संस्कार र संस्कृतिको अध्ययन,

अनुसन्धान र अवलोकनको लागि जो कसैलाई पनि सहजता रहेको छ। यसका साथै यहाँका प्राकृतिक प्रकोप, खोलानाला, जडिबुटी, पहाड र अन्य सम्पदाहरूको अध्ययन अनुसन्धानका लागि खुला विश्वविद्यालयका रूपमा रहेको छ।

गाउँपालिकामा अध्ययन अनुसन्धान पर्यटनका लागि थुप्रै महत्त्वपूर्ण स्थानहरू रहेका छन् जसमध्ये केही तल उल्लेख गरिएको छ। यी सबै प्रकारका अध्ययन अनुसन्धान सम्बन्धी प्रचार प्रसार गर्न सके यो क्षेत्र अध्ययन र अनुसन्धान पर्यटनको प्रमुख गन्तव्य बन्न सक्ने देखिन्छ। यस पालिकामा शैक्षिक तथा अध्ययन र अनुसन्धान पर्यटनका दृष्टिकोणबाट उपयुक्त देखिएका क्रियाकलापहरू यस प्रकार रहेका छन्।

तालिका नं. १२: अध्ययन अनुसन्धान सम्बन्धी विवरण

| क्र.स. | अध्ययन र अनुसन्धानका विषय क्षेत्रहरू      | प्रमुख विशेषताहरू   | विषयगत क्षेत्रहरू   | लक्षित अनुसन्धान पर्यटकहरू  |
|--------|---|---|---|---|
| १      | जलवायु परिवर्तनका असर र अनुकुलनका उपायहरू | जलवायु परिवर्तनका विविध असरहरू  | हावापानी तथा मौसम विज्ञान, वातावरणीय अध्ययन, सामाजिक प्रभाव अध्ययन मानवशास्त्र तथा समाजशास्त्र, | मानवशास्त्र तथा समाजशास्त्र, वातावरण विज्ञान, जलवायु परिवर्तन, जलविज्ञान, विपद जोखिम व्यवस्थापन र विज्ञान प्रविधिमा रुचि राख्ने अनुसन्धानकर्ताहरू               |
| २      | जैविक विविधता अध्ययन तथा अवलोकन           | चरा चुरुंगीका प्रशस्त प्रजाती पाइने अन्य धेरै जीवजन्तुको बासस्थान रहेको क्षेत्र | जैविक विविधता अनुसन्धान तथा जीवजन्तु संरक्षणका प्रयास र अभ्यास                                  | जैविक अध्ययन तथा जीवजन्तु संरक्षणमा रुचि राख्ने अनुसन्धानकर्ता तथा साधारण पर्यटक समेत   |
| ३      | विपद् जोखिम व्यवस्थापन अवस्था             | पहिरो क्षेत्र व्यवस्थापन, विपद् नियन्त्रण अभ्यास र प्रविधिहरू                   | बायो इन्जिनियरिङ  | विपद् नियन्त्रण तथा व्यवस्थापनका अभ्यास र प्रयासहरू जलवायु परिवर्तन, जलविज्ञान, प्राकृतिक विपद् नियन्त्रण तथा न्यूनीकरण प्रविधिमा रुचि राख्ने अनुसन्धानकर्ताहरू |
| ४      | स्थानीय जडिबुटी, र अन्य औषधिमुलक वनस्पति  | विभिन्न रोग उन्मुलनका लागि उपयोगी स्थानीय जडिबुटी                               | कृषि विज्ञान, वन विज्ञान, आयुर्वेद चिकित्सा   | कृषि तथा वन विज्ञान र आयुर्वेदिक चिकित्सामा रुची राख्ने अनुसन्धानकर्ता र विद्यार्थीहरू  |

| क्र.स. | अध्ययन र अनुसन्धानका विषय क्षेत्रहरू | प्रमुख विशेषताहरू                                       | विषयगत क्षेत्रहरू                           | लक्षित अनुसन्धान पर्यटकहरू   |
|--------|--------------------------------------|---|---|--|
| ५      | सिँचाई प्रणाली र प्रविधि             | कृषकहरूद्वारा व्यवस्थापन गरिएका पोखरी, कुलो तथा बाँधहरू | कृषि विज्ञान, प्रविधि विज्ञान               | परम्परागत सिँचाई प्रणालीमा रुचि राख्ने अनुसन्धानकर्ता तथा विद्यार्थीहरू          |
| ६      | कृषि उत्पादन र प्रणाली               | परम्परागत खेती प्रणाली तथा उत्पादन                      | कृषि, परम्परागत खेती, बहुमुल्य कृषि उत्पादन | कृषि विज्ञानमा रुची राख्ने अनुसन्धानकर्ता, विद्यार्थीहरू तथा कृषकहरू             |
| ७      | साँस्कृतिक अध्ययन                    | विभिन्न धर्म, जात जातिको साँस्कृति                      | आदिवासी जनजातिको साँस्कृति अध्ययन           | मानवशास्त्र तथा समाजशास्त्र, कला तथा साँस्कृतिक विद्यार्थीहरू तथा अनुसन्धानकर्ता |

### ३.४.६ पर्या-पर्यटन

प्रकृति र साँस्कृतिको संरक्षण, सम्बर्द्धन र प्रवर्द्धन बिना कुनै पनि राष्ट्रको पर्यटन व्यवसायको दिगो विकास हुन सक्दैन। तसर्थ हरेक पर्यटकीय स्थल तथा सम्भाव्य पर्यटकीय स्थलहरूमा पर्यटकीय गतिविधिहरू गर्दा प्रकृतिको संरक्षण पनि गर्नुपर्ने हुन्छ। पर्यावरण प्रकृतिसँग सम्बन्धित पर्यटकीय क्रियाकलापहरूलाई नै पर्या-पर्यटन भनिन्छ। नेपाल पर्या-पर्यटनमा विश्वमा नै प्रसिद्ध देश पनि हो। यहाँका चाँदी जस्ता सेताम्य हिमश्रृंखलाहरू, विविध भौगोलिक र प्राकृतिक छटा र प्रकृतिसँग एकाकार मानिसहरूका साँस्कृतिक जीवनशैली पर्यटकहरूका लागि आकर्षणका केन्द्रहरू हुन्। पर्यापर्यटनको सन्दर्भमा लिखु पिके गाउँपालिका नेपालकै एउटा प्रमुख गन्तव्य बन्न सक्ने देखिन्छ। दिगो पर्यटन विकासको प्रमुख आधार वातावरण मैत्री पर्या-पर्यटन नै हो। विभिन्न नदीहरू साथै अगाडि उल्लेखित प्राकृतिक सम्पदाहरूका कारण यस पालिकालाई पर्या-पर्यटन गन्तव्यको रूपमा विकास गर्न सकिन्छ। यहाँ रहेको ६१.५२ प्रतिशत भू-भाग वन क्षेत्रले ढाकेको हुँदा वनजंगललाई पर्यटनसँग जोडी आमदानी गर्न सकिने प्रशस्त सम्भावना हरेको छ। यहाँ रहेको नागे सरकारी वन र ६ वटा सामुदायिक वनमा जंगल सफारी गर्न सकिन्छ भने यहाँको प्रसिद्ध लिखु नदी, किञ्जा खोला र घट्टेखोलामा न्याप्टिङ्ग संचालनका लागि सम्भाव्यता अध्ययनपश्चात् पर्यापर्यटन प्रवर्द्धन गर्न सकिन्छ।

### ३.४.७ धार्मिक पर्यटन

बहुजातिय, बहुधार्मिक तथा बहुसाँस्कृतिक देश नेपाल धार्मिक पर्यटनको दृष्टिकोणले अति नै सम्भाव्य देशको रूपमा रहेको छ। उत्तरमा विश्वको सवैभन्दा बढी जनसङ्ख्या भएको बौद्ध धर्मावलम्बीहरूको देश चीन र दक्षिण तर्फ विश्वको दोस्रो ठूलो जनसङ्ख्या भएको हिन्दु धर्मावलम्बीहरूको देश भारत तथा वर्मा, थाईल्याण्ड, श्रीलंका, ताईवान, कोरिया, जापान,

मलेसिया, सिंगापुर, भुटान आदि हिन्दु र बौद्ध धर्ममा आस्था राख्ने छिमेकी देशहरु रहेका कारण नेपाल धार्मिक पर्यटनको लागि उपयुक्त स्थानको रूपमा रहेको छ । बुद्ध धर्मका प्रवर्तक गौतम बुद्ध जन्मेको स्थान लुम्बिनी बुद्ध मार्गीहरूका लागि जीवनमा एक पटक पुग्ने पवित्र भूमि हो भने पशुपति क्षेत्र ज्योतिर्लिङ्ग उत्पत्ति भएको क्षेत्र हुनाले हिन्दु धर्मावलम्बीका लागि मोक्ष प्राप्तिको विश्वकै एक मात्र पवित्र स्थल हो । यही तथ्यका आधारमा भन्न सकिन्छ कि नेपालमा पर्यटन विकासका लागि धार्मिक पर्यटन एक महत्त्वपूर्ण, भरपर्दो र ठूलो क्षेत्र हो ।

यस गाउँपालिका धार्मिक पर्यटनको दृष्टिकोणले हिन्दु र बौद्ध दुवै धर्मावलम्बीहरूको लागि एउटा महत्त्वपूर्ण गन्तव्य हुन सक्छ । यस पालिकामा रहेका प्रमुख धार्मिक स्थलहरूको अवस्था सन्तोषजनक रहेको भएतापनि धार्मिक स्थलका परिसरहरु थप व्यवस्थित गर्नुपर्ने देखिन्छ । सयौं वर्ष पुरानो धार्मिक महत्त्व बोकेका यहाँका धार्मिक स्थलहरूलाई व्यवस्थित गरी बढी भन्दा बढी धार्मिक पर्यटक भित्र्याउन निम्न कार्यहरू गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

- मन्दिर तथा गुम्बा परिसरमा भक्तजनहरूको सुविधाका लागि तथा व्यवस्थित पुजाआजाका लागि पाटी पौवा, धर्मशाला तथा भजन किर्तनका लागि आवश्यक संरचनाहरूको निर्माण गर्ने ।
- गुम्बा तथा मन्दिर परिसरमा विवाह व्रतवन्ध आदि कार्यका लागि उपयुक्त संरचनाको निर्माण गर्ने ।
- पालिकाबाट पिकेडाँडा जाने रुट व्यवस्थित गरी बाटिका तथा बिश्राम स्थलहरू बनाउने ।
- झरना तथा गुम्बा परिसरको सरसफाईमा बिशेष ध्यान दिने ।
- लामा र गुम्बाको रेखदेख कार्यका लागि बस्ने व्यक्तिहरूको लागि सुविधायुक्त आवासको व्यवस्था गर्ने ।
- गुम्बाको नियमित पूजा, सरसफाई आदि क्रियाकलापहरूको लागि आवश्यक व्यवस्था मिलाउने र वार्षिक क्यालेन्डर विकास गर्ने ।
- गुम्बा तथा मन्दिरमा चढाइने भेटी, विवाह तथा अन्य दान चन्दाबाट प्राप्त हुने आम्दानीको व्यवस्थित हिसाब किताब राखी आम्दानी तथा खर्चको पारदर्शी लेखा राख्ने व्यवस्था गर्ने ।
- मन्दिर तथा गुम्बा परिसरमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण गर्ने ।
- गुम्बा आउने भक्तजनहरूलाई आकस्मिक उपचारको लागि स्वास्थ्य इकाई राख्ने ।
- गुम्बा तथा मन्दिर परिसरमा नियमित पानीको आपूर्ति गर्ने ।

### ३.४.८ खेल पर्यटन

वर्तमान समयमा खेल पर्यटन पनि पर्यटन विकासका लागि एकदमै महत्त्वपूर्ण माध्यमका रूपमा विकास भईरहेको पाईन्छ । खेल पर्यटनको विकास गर्न सकेमा एकातिर पर्यटकहरूलाई आकर्षित गरी अर्थोपार्जन गर्न सकिन्छ भने अर्कोतिर यसले निरोगी र स्वस्थ नागरिक उत्पादन गर्न समेत सहयोग पुऱ्याउँछ । यस गाउँपालिकामा मनोरञ्जनका लागि पर्याप्त खेलकुद मैदानहरू नभएपनि फुटबल मैदानहरू, खुल्ला जमिन, चौर, पोखरी, पार्कहरू, पिकनिक

स्थलहरूमा यहाँका मानिसहरूले मनोरञ्जन लिने गरेको पाइन्छ तर ती खुल्ला जमिन, चौर तथा खेलमैदान व्यवस्थित मैदानको रूपमा विकसित भईसकेका छैनन् । गाउँपालिकामा हिमज्योती क्लबको खेलमैदान, नेपाल जनजाती युवा क्लबको खेलमैदानका साथै वडागत रूपमा रहेका सामान्य खेलमैदान (खुल्ला चौर) र विद्यालयहाता भित्र रहेका खेलमैदानहरू संचालनमा रहेको भए तापनि खेल मैदानहरू विस्तार गरी खेल पर्यटनका लागि पहिचान गरिएका सम्भावनाहरू निम्न अनुसार छन् ।

खेल पर्यटनका लागि पहिचान गरिएका सम्भावनाहरू :

- भलिबल खेल पहाडी क्षेत्रमा प्रख्यात रहेको र यस पालिकामा पनि सम्भावना रहेको हुँदा भलिबल खेल मैदानहरू निर्माण गरी विभिन्न स्तरका प्रतियोगिताहरू सञ्चालन गर्न सकिन्छ ।
- नदी किनारका बगरहरूमा स्थान पहिचान गरी विच भलिबल प्रतियोगिता सञ्चालन गर्न सक्ने सम्भावना रहेको छ ।
- यस गाउँपालिकाको लिखु नदिमा पानीसँग सम्बन्धित विभिन्न खेलहरू सञ्चालन गर्न सकिन्छ जसमा नौका दौड र कायाकिङ्गको बढी सम्भावना रहेको छ ।

### ३.४.९ मनोरञ्जन पार्क तथा वनभोज स्थलहरू

भौतिकवादी र व्यस्त जीवनशैली भएको वर्तमान आधुनिक समाजमा सहरी क्षेत्र तथा सहर उन्मुख बस्तीहरूको नजिक प्राकृतिक वातावरण सहितका खुल्ला स्थान र पार्कहरू अपरिहार्य मानिन्छन् । सहर बजारको भिडभाड, कोलाहल, धुलो र धुँवाबाट टाढा शान्त र एकान्त स्थानहरूमा पार्कहरूको धेरै महत्त्व हुन्छ । यस्ता खुल्ला, शान्त र एकान्त स्थान तथा पार्कहरूले शहरी जीवनलाई छोटो समयका लागि भए पनि मानसिक स्फूर्ति र रमाइलो अनुभूती गराउन मद्दत पुऱ्याउँछन् । यस्ता खुल्ला स्थानहरू स्वच्छ र ताजा हावा खान तथा एकान्तमा टहलिन मात्रै नभई ठुला प्राकृतिक विपदको समयमा विपद् व्यवस्थापनका लागि समेत उत्तिकै महत्त्वपूर्ण हुन्छन् । उदाहरणको लागि २०७२ बैशाख १२ गतेको भूकम्पका बेला काठमाडौँमा रहेका सिमित पार्कहरूले भूकम्प पिडितहरूको लागि ठूलो आश्रय प्रदान गरेको थियो । गाउँपालिकाको विभिन्न वडामा मनोरञ्जनात्मक पार्क तथा पिकनिक स्थल निर्माणका लागि सम्भावित स्थानहरू रहेका छन् । यहाँ सापे बुकी पम्दोक बुद्ध चिल्डेन पार्क तथा पिकनिक स्थल संचालनमा रहेको भएता पनि व्यवस्थित पार्क तथा पिकनिक स्थलहरू संचालन गर्न सकिएको छैन तथापी खाली तथा खुल्ला चौर लिखु किनार लगायतका स्थानमा व्यवस्थित पार्क निर्माण गरी पर्यटकहरूलाई आकर्षण गर्न सकिन्छ । यहाँ पार्क निर्माण गर्नको लागि निम्नानुसारका संरचनाहरूको विकास गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

- पार्कको लागि उपयुक्त जमिनको छनोट गर्ने ।
- खानेपानी र सार्वजनिक शौचालयको व्यवस्था ।
- वनभोजका लागि क्षेत्र छुट्याई आवश्यक पूर्वाधारहरू बनाउने ।

- सुविधायुक्त दूरवीन सहितको दृश्यावलोकन केन्द्र बनाउने ।
- स्थानीय सँस्कृति झल्कने रेष्टुरेन्ट र सुविधायुक्त कटेजहरू बनाउने ।
- नदी किनारको खाली भागमा बृक्षारोपण गर्ने ।
- बालबालिका पार्क तथा मनोरञ्जन स्थलको व्यवस्था गर्ने ।
- पार्कको वरिपरी बृक्षारोपण गर्ने ।
- पार्कमा आउने आगन्तुकहरूका लागि अत्यावश्यक पानी, चिया, नास्ता, बिस्कुट र अन्य अन्य परिकारका स्टलहरू सञ्चालन गर्ने ।
- खोला वरिपरि भएका स्थानहरूमा वारि पारि गर्नका लागि स्थानीय सीप र साधन प्रयोग गरी मानिसहरू आवागमन गर्न पुल निर्माण गर्ने ।
- यहाँका समुदायहरूको सँस्कृति झल्कने विश्रामस्थलहरू निर्माण गर्ने ।
- बालबालिकाहरूको लागि खेल सामग्रीको निर्माण गर्ने ।
- बालबालिकाहरूलाई सम्भावित दुर्घटनाबाट जोगाउँन रेलिङ् निर्माण गर्ने ।
- वनभोज तथा पिकनिकको लागि टहराहरूको निर्माण गर्ने ।
- परम्परागत मौलिक खाजा तथा खानाको स्टलहरू स्थापना गर्ने ।
- आय आर्जनको लागि माछापालन व्यवसायको सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने ।
- खानेपानी तथा शौचालयको व्यवस्था गर्ने ।

### ३.४.१० साँस्कृतिक पर्यटन

साँस्कृतिक पर्यटनको उद्देश्य कुनै एक देश, क्षेत्र वा जातजातिको सँस्कृतिसँग जोडिएको हुन्छ। विशेष गरी उक्त भौगोलिक क्षेत्रमा बसोवास गर्ने मानिसको जीवनशैली, इतिहास, कला, वास्तुकला, धर्म, र अन्य तत्त्वहरू जसले उनीहरूको विशेष जीवनशैलीलाई आकार दिएको हुन्छ त्यस्ता पक्षहरूको रुची राख्ने र अन्तरकृया गर्नेहरू पर्यटकको रूपमा भित्रिन्छन् भने यो पक्षहरूसँग सम्बन्धित पर्यटकीय क्रियाकलापहरूलाई साँस्कृतिक पर्यटन भनिन्छ । साँस्कृतिक पर्यटनलाई पर्यटनको मूलको रूपमा पनि लिइएको पाईन्छ । विश्व पर्यटन संगठन (WTO) का अनुसार साँस्कृतिक पर्यटनले विश्व पर्यटन बजारको सबैभन्दा ठूलो हिस्सा ओगट्ने गरेको छ । क्षेत्री र शोर्पा जातिको बाहुल्यता रहेको यो गाउँपालिकामा हिन्दु र बौद्ध धर्म मात्रै मानिसहरूको बाहुल्यता रहेको छ र यहाँ क्षेत्रीहरूको मौलिक सँस्कृति तथा परम्पराहरू देख्न सकिन्छ । यहाँको लोकप्रिय सँस्कृति, भाषा, कला, साहित्य, भेषभुषा, चाडपर्व, प्रर्वद्धन गर्न सके साँस्कृतिक पर्यटनको समेत व्यापक सम्भावना रहेको छ ।

यहाँ दशै, तिहार, बुद्ध पुर्णिमा (बुद्ध जयन्ती), जनै पुर्णिमा, क्रिसमस, चण्डी, कूलपुजा, ल्होसार, ३ बर्षे दिवाली, डुम्जी, डुक्पा, न्युले, छेजी, उभौली, गोठधुप, माघेसक्रान्ती, तीज जस्ता विभिन्न चाड पर्व मनाइने गरिन्छ । लोक नाँच, याक नाँच, स्याब्रु नादिन नाँच, झ्याउरे नाँच, सेलो नाँच, चण्डी नाँच लगायतका नाँचहरू प्रसिद्ध रहेका छन् । यी स्थानीय लोकगाथाहरू र विभिन्न अवसरहरूमा बजाइने मादल, डम्फू, खैजडी, बाँसुरी, ढोल, सनही, पञ्चेबाजा लगायतका वाद्यवादनले यहाँको परिवेशलाई जीवन्त तुल्याएका छन् । ढिँडो (कोदो, फापर गहुँ मकै) सिस्नो,

आदि यहाँको स्थानीय खानपानमा पर्दछ । यहाँको अदुवा टिमुर, चिया, किवि, अलैची, नेपाली कागज, छुर्पी, चिज नेपाल भरि नै प्रसिद्ध रहेको छ ।

गाउँपालिकामा हाल शेर्पा साँस्कृतिक संग्रहालय निर्माणाधीन अवस्थामा रहेको छ । शेर्पाहरुको इतिहास र साँस्कृति झल्किने सुविधायुक्त संग्रहालय निर्माण सम्पन्न गर्न सके ठूलो सङ्ख्यामा पर्यटक आकर्षित गर्न सक्ने सम्भावना रहेको छ ।

साँस्कृतिक संग्रहालयको विकासका लागि गर्नुपर्ने प्रमुख कार्यहरू :

- संग्रहालय भवन परम्परागत साँस्कृति झल्किने शैलीमा निर्माण गर्ने ।
- संग्रहालय वरपरको बस्तीहरूमा पनि घरहरू निर्माण गर्दा परम्परागत शैलीमा निर्माण गर्न प्रोत्साहित गर्ने ।
- संग्रहालयमा आफ्नो साँस्कृति झल्किने परम्परागत पहिरन, गहना, भेषभूषा, रहनसहन, चाडबाड, आदि साँग सम्बन्धित वस्तु, कृषिमा प्रयोग हुने परम्परागत सामग्रीहरू राख्ने ।
- पर्यटकहरूले चिनोको रूपमा लैजाने स्थानीय परम्पराअनुसारका स्थानीय हस्तकलाका समानहरू निर्माण गरी बिक्रि कक्ष स्थापना गर्ने ।
- साँस्कृतिक संग्रहालय वरपर स्थानीय उत्पादन र परिकारहरू बिक्रि गर्न प्रोत्साहित गर्ने ।
- स्वच्छ खानेपानी तथा शौचालयको व्यवस्था गर्ने ।
- सरसफाईको उचित व्यवस्था गर्ने ।
- स्थानीय कला साँस्कृति झल्किने होटल तथा रेस्टुरेन्टहरू निर्माण गर्ने ।
- साँस्कृतिक संग्रहालय वरपरको बस्तीमा होमस्टेको व्यवस्था गर्ने ।
- पहुँच मार्गको स्तरोन्नति गर्ने ।
- संग्रहालय वरपर स्थानीय हरुलाई परम्परागत पहिरन तथा भेषभूषा लगाउन प्रोत्साहित गर्ने ।
- शेर्पा तथा थामी समुदायको बसोवास रहेको विभिन्न स्थानहरूलाई समेटेर साँस्कृतिक पदमार्ग स्थापना गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ ।

### ३.४.११ दृश्यावलोकन केन्द्रहरू

यस गाउँपालिकामा रहेका डाडाँहरुलाई हिल स्टेशनको रूपमा विकास गर्न सकिने प्रचुर सम्भावना रहेको छ । गर्मी मौसममा तराईका विभिन्न स्थान तथा काठमाडौँबाट चिसोमा रमाउन पर्यटकहरु आउने सम्भावना देखिएकाले अत्यन्त महत्व बोकेका **पिके पिक, झीन हिल, सेते ठेम्जन चिया बगान, छिरिङ खर्क, लामजुरा, सगाँडाँडा, भकाञ्जे** आदि क्षेत्रमा हिलस्टेशन प्रवर्द्धन गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । पहाडै पहाडले ढाकेको यस क्षेत्रमा दृश्यावलोकनको लागि धेरै स्थानहरू पर्यटकीय हिसाबले उपयुक्त देखिन्छन्। यस्ता दृश्यावलोकन केन्द्र र हिलस्टेशनहरुबाट एकै स्थानमा बसेर हिमाल, पहाड र तराईका दृश्यहरु तथा सुर्यास्त र सुर्योदयका मनमोहक दृश्यहरु देख्न सकिन्छ । यस गाउँपालिकामा रहेका नदी, खोला, ताललाई सिमसार क्षेत्रका रूपमा प्रयोगमा ल्याउन सकिने प्रबल सम्भावना रहेको छ ।



### ३.४.१२ पद यात्रा, हाइकिङ र साइक्लिंग

यो गाउँपालिका पहाडी भागमा रहेको हुनाले यहाँ पैदल यात्राको समेत प्रचुर मात्रामा सम्भावना रहेको छ । यहाँका विभिन्न स्थलहरू लामो पदमार्ग (Trekking) एवं छोटो पदमार्ग (Hiking) का लागि उपयुक्त रहेको देखिन्छ र यहाँ थुप्रै सम्भावित मार्गहरू रहेका छन् । मुख्य लिखु पिके परिसर एवं पालिका भित्रका अन्य पर्यटकीय स्थलहरू भ्रमण अवलोकन गर्नका लागि पैदल यात्राको पूर्ण मजा उठाउन सकिन्छ। यसका लागि पालिकाका विभिन्न गाउँ र पर्यटकीय स्थल सम्म पुग्ने पदमार्ग ट्रेलको पनि निर्माण गर्नुपर्दछ । जिल्लाका ग्रामीण भेगमा पर्यटकलाई लोभ्याउन एक दर्जनभन्दा बढी नयाँ पदमार्गको पहिचान गरिएको छ । पदयात्राका साथै अफ रोड साइक्लिंगको पनि यहाँ प्रबल सम्भावना रहेको छ । साइकल ट्रेल निर्माण गरि विभिन्न स्तरका साइक्लिंग प्रतिस्पर्धा संचालन गर्न सकेमा ठूलो सङ्ख्यामा पर्यटकहरू भित्र्याउन सकिन्छ ।

### ३.५ भौतिक पूर्वाधारको वर्तमान अवस्था

कुनै पनि स्थानको पर्यटन विकासमा त्यस क्षेत्रको पर्यटन पूर्वाधारहरूले महत्त्वपूर्ण भूमिका खेलेको हुन्छ । तसर्थ यस गाउँपालिकाको सन्दर्भमा पर्यटन विकासको चर्चा गर्दा पनि यस क्षेत्रको पूर्वाधारको अवस्था उल्लेख गर्नु जरुरी हुन्छ । पर्यटकहरूको लागि आधारभूत पूर्वाधार भएन भने पर्यटन विकास हुन गाह्रो पर्दछ । यो प्रतिवेदनको यस खण्डमा यस गाउँपालिकामा रहेको भौतिक पूर्वाधारको हालको अवस्थाको बारेमा छोटो चर्चा गरिएको छ ।

#### ३.५.१ सडक

पर्यटन विकासको मुख्य आधार मध्ये सडक महत्त्वपूर्ण र अति आवश्यक पूर्वाधार हो । सडकको पहुँच बिना पर्यटन विकास सहज हुदैन । हालसम्म राष्ट्रिय राजमार्गसँग पहुँच नभएको, ग्रामीण परिवेश भएको, विकट पहाडी भूगोल र व्यापारिक तथा आर्थिक गतिविधिहरू अत्यन्तै सिमित भएकोले यस गाउँपालिकाको आम्दानीका आन्तरिक स्रोतहरू अत्यन्त न्यून छन् । गाउँपालिकाका सबै वडाहरूमा बाह्रै महिना मजबुत सडक सञ्जालको पहुँचको असहजीकरणको कारण कृषि एवम् वनजन्य औद्योगिक कच्चा पदार्थको उपलब्धता भएतापनि गाउँपालिकामा पर्याप्त उद्योग धन्दाको समेत विकास हुन सकेको छैन । यहाँको सडक सम्बन्धी विवरण तलको तालिकामा समावेश गरिएको छ ।

तालिका नं. १३: गाउँपालिकामा रहेका वडागत सडकहरू सम्बन्धी विवरण

| वडा नं.    | लम्बाई कि.मि | कैफियत   |
|------------|--------------|--|
| १          | ५४.३०        | गाउँपालिकामा हाल सम्म कुनैपनि सडक कालोपत्रे भएको छैन । |
| २          | २४.०१        |  |
| ३          | २१.६८        |  |
| ४          | १७.७४        |  |
| ५          | ५६.५१        |  |
| कुल लम्बाई | १७४.३४       |  |

स्रोत: वडास्तरीय छलफल २०८१

### ३.५.२ बैङ्क तथा वित्तीय संस्था

बैङ्किङको अवस्था हेर्दा हाल यस क्षेत्रमा बैङ्किङ क्षेत्र निकै कमजोर देखिन्छ । बैङ्किङ कारोबार चलायमान हुन स्थानीयस्तरमा व्यापक रूपमा पूँजीप्रवाह भैरहने वातावरण हुनु पर्दछ । हाल यस गाउँपालिकामा विभिन्न सहकारी, बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूले सेवा दिइरहेका छन् । लिखु पिके पूर्णरूपमा ग्रामिण परिवेश भएको गाउँपालिका हो । यहाँका मानिसहरूको जिविकोपार्जनको कृषि नै मुख्य पेशा हो । ठुला बजार केन्द्र कलकारखाना नभएकाले बैङ्क तथा उद्योग, सहकारीहरूको खासै विकास हुन सकेको छैन । कुनै पनि स्थानको अर्थतन्त्र सबल हुन कृषि, पर्यटन र उद्योग क्षेत्र चलायमान हुनुपर्ने भएकाले ती क्षेत्रको क्रमिक विकाससंगै बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको विकास स्वतः हुन जान्छ । हाल स्थानीयमा बैङ्क खाता खोल्ने र बैङ्किङ कारोबार गर्ने प्रवृत्ति बढ्दो क्रममा रहेको छ । यसको विस्तारका लागि गाउँपालिका एवं बैङ्क तथा वित्तीय संघ संस्थाहरूले विभिन्न किसिमले वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम अघि बढाइरहेका छन् । यसले सबै नागरिकको वित्तीय पहुँच विस्तार हुने देखिन्छ । पालिकामा रहेका बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको विवरण तालिकामा समावेश गरिएको छ ।

तालिका नं. १४: गाउँपालिकामा रहेका बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको विवरण

| क्र.स | बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको नाम                         | प्रकार        | ठेगाना              |
|-------|--|---------------|---------------------|
| १.    | सिटिजन्स बैङ्क इन्टरनेशनल लिमिटेड                      | क बर्ग बैङ्क  | लिखुपिके ३ चौलाखर्क |
| २.    | लक्ष्मी सनराईज बैङ्क                                   | क बर्ग बैङ्क  | लिखुपिके ५ किञ्जा   |
| ३.    | सगरमाथा अर्गानिक चिया सहकारी प्रशोधन सहकारी संस्था लि. | सहकारी संस्था | लिखुपिके ५          |
| ४.    | लामजुरा गरिबि निवारण कृषि सहकारी संस्था लि.            | सहकारी संस्था | लिखुपिके ५          |
| ५.    | लिखुखोला साना किसान कृषि सहकारी संस्था लि.             | सहकारी संस्था | लिखुपिके ४          |
| ६.    | नव महिला बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लि.                  | सहकारी संस्था | लिखुपिके ५          |
| ७.    | मंगलदिप महिला वचत तथा ऋण सहकारी संस्था लि.             | सहकारी संस्था | लिखुपिके ३          |

स्रोत: वडा स्तरीय छलफल २०८१

### ३.५.३ विद्युत

गाउँपालिकाको आम्दानीको प्रमुख स्रोत भनेको जलविद्युत आयोजना हो । गाउँपालिकामा कुल ४ वटा जलविद्युत आयोजनाहरू संचालनको क्रममा रहेका छन् । जसमध्ये एक आयोजना संचालनमा आइसकेको र बाँकी ३ वटा निर्माणाधिन अवस्थामा रहेका छन् । यी आयोजनाहरूले गाउँपालिकालाई रोयल्टि स्वरूप ठूलो रकम बुझाउँछन् । यहाँको स्थानीयहरूलाई जलविद्युत आयोजनाले कानुनी मान्यताको आधारमा प्रभावित

गाउँपालिकाको हिसाबले ठूलो सङ्ख्यामा शेयर पाएका छन् । लिखु पिके गाउँपालिकामा उर्जाको मुख्य स्रोत विद्युत नै हो । घरको उज्यालोको स्रोतको आधारमा हेर्दा ९८.०८ प्रतिशत घरहरूमा विजुली बत्तिहरू भएको पाइएको छ । हाल सोलार बत्ति प्रयोग गर्नेहरू १.७६ प्रतिशत परिवारहरू रहेको र अन्य स्रोतहरू (०.१६ प्रतिशत) प्रयोग गरेको पाइन्छ ।

### ३.५.४ पदमार्ग

ग्रामीण हिमाली र पहाडी क्षेत्रमा पर्यटक मुख्यतया ट्रेकिङ र हाइकिङका लागि आउने गर्दछन्। आवश्यक स्थानहरूमा व्यवस्थित पदमार्ग निर्माण गरि ठूलो सङ्ख्यामा पर्यटक भित्र्याउन सकिन्छ। मुख्य उद्देश्य पर्यटन विकासकै लागि पर्यटकहरूलाई मध्य नजर गर्दै यस गाउँपालिकामा विभिन्न पदमार्गहरू संचालनमा छन् तथापी व्यवस्थित भने हुन सकेको छैनन् । गाउँपालिकामा रहेका पदमार्गका लागि सम्भावित स्थानको विवरण तलको तालिकामा समावेश गरिएको छ ।

तालिका नं. १५: पदयात्रा पर्यटनको लागि केही सम्भावित स्थानहरूको विवरण

| क्र. सं | पदयात्राका संचालन भइरहेका तथा पदयात्राका लागि सम्भावित क्षेत्रहरू | वडा नं. |
|---------|---|---------|
| १.      | भकाञ्जे-लामजुरा-जसे भञ्ज्याङ-पिके                                 |         |
| २.      | सदरमुकाम बाट-तामाखानी-लोदिङ- जसेभञ्ज्याङ-पिके                     | १       |
| ३.      | जुनबेसी-ताकोर-पिके  | १       |
| ४.      | छुसा-रमिते-रिन्ठेली- किटिखर्क                                     | ४       |
| ५.      | वडाकार्यालय-मरेमा मन्दिर  | ४       |
| ६.      | पिके भञ्ज्याङ-तामाखानी-ज्वालामाई मन्दिर- सदरमुकाम                 | ४       |
| ७.      | किञ्जा- छिम्बु- भकाञ्जे- दाक्चु                                   | ५       |
| ८.      | पिके- लामजुरा-भकाञ्जे-कावाछोर्तेन- नुम्बुर हिमाल                  | ५       |
| ९.      | पिके- लामजुरा-कला-नुम्बुर हिमाल-काउछोर्तेन- दुधपोखरी- उमातिर्थ    | ५       |
| १०.     | किञ्जा- सगाडाँडा- मार्क- छिरिङखर्क                                | ५       |
| ११.     | उमातिर्थ- कावाछोर्तेन- दुधपोखरी-नुम्बुर हिमाल- दुधपोखरी           | ५       |
| १२.     | किञ्जा- छिरिङखर्क- कला-दुधपोखरी                                   | ५       |
| १३.     | भकाञ्जे- किञ्जा-सेते-लामजुरा-छिरिङ खर्क- सगरडाँडा-थेमजोङ          | ५       |
| १४.     | काफ्लेचौर-गेप्चुका हुँदै पिके वेसक्याम्प                          | १       |

स्रोत: वडा जनप्रतिनिधि र स्थानीयहरूसँगको छलफल, २०८१

### ३.५.५ हवाई मार्ग

गाउँपालिकाको वडा नं ५ भकाञ्जेमा एक हेलिप्याड सञ्चालनमा रहेको छ । गाउँपालिकाबाट प्राप्त तथ्याङ्क अनुसार यहाँ रहेको हेलिप्याड मार्फत न्युन संख्यामा (वर्षमा ४/५ पटक) मात्र

पर्यटक आवागमन हुने गर्दछ । यसका साथै पिके पिक जाने बाटोमा एक हेलिप्याड सञ्चालनमा आउन सके पर्यटकको संख्यामा वृद्धि हुनुका साथै थप पर्यटन पर्वद्धन हुन सक्ने सम्भावना देखिन्छ ।

### ३.५.६ संचार

सूचना तथा संचार प्रविधि पूर्वाधार हिसाबले हेर्दा लिखु पिके गाउँपालिका निकै कमजोर देखिन्छ । यस क्षेत्रमा टेलिफोन नेटवर्कको समस्याका कारण अत्यावश्यक समयमा सूचना आदान प्रदान गर्न समस्या परेको देखिन्छ । यसमा सम्बन्धित निकायको ध्यान पुग्न नसकेको हुन सक्छ । गाउँपालिकामा अहिलेसम्म ईन्टरनेट र ल्याण्ड लाईन टेलिफोन सेवा सुविधा निकै कमजोर छ।राजधानी काठमाण्डौबाट प्रकाशित हुने पत्रपत्रिकाहरु समेत पाउन मुस्किल छ।हालैका वर्षहरुमा डिसहोम टेलिभिजनको डिजिटल सेवा गाउँपालिकाको सवै वडाहरुमा रहेकाले केही घरधुरीहरुमा टेलिभिजन सेवा भने उपलब्ध रहेको छ। आर्थिक विकासका लागि सूचना तथा संचारको विकास अत्यावश्यक भएका कारण यस गाउँपालिकामा सूचना तथा सञ्चारको विकासका लागि थप कार्यक्रमहरु गर्नुपर्ने आवश्यकता छ ।

### ३.५.७ स्वच्छ खानेपानी र सरसफाई

लिखु पिकेको खानेपानीको मुख्य स्रोत धाराको पानी हो । साथै गाउँपालिकाका अधिकांश घरपरिवारले पिउने पानीलाई कुनै शुद्धीकरण नगरी सिधै पिउने गरेको देखिन्छ जुन जनस्वास्थ्यको दृष्टिकोणले जोखिमपूर्ण हो। सफा सुन्दर र स्वच्छ गाउँ सभ्यताको प्रमुख परिचायक हो । त्यसैगरी स्वस्थ जीवन जिउन हाम्रो वरपरको जनजीवन र सेरोफेरो सफा हुनु जरुरी छ । सरसफाईको लागि घरबाट निस्कने फोहोरलाई कुहिने र नकुहिने गरी अलग्गै छुट्याईएको अवस्थामा फोहोर व्यवस्थापनको लागि सहज हुने गर्दछ । गाउँपालिकामा घर निर्माण गर्दा नक्सा पासको व्यवस्था भइनसकेकाले नयाँ घर निर्माण गर्दा शौचालय बनाउनुपर्ने अनिवार्य व्यवस्था हुन सकेको छैन । हालसम्म गाउँपालिकाबाट फोहोरमैला संकलन र व्यवस्थापन सम्बन्धी कुनै कार्यहरु भएको छैन । गुणस्तरीय खानेपानी र सरसफाईको क्षेत्रलाई उच्च प्राथमिकतामा राखी थप खानेपानी आयोजनाहरु निर्माण गर्नुपर्ने साथै वैज्ञानिक विधिहरुको प्रयोग गरी फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ ।

### ३.५.८ सुरक्षा र सावधानी

गाउँपालिकामा शान्ति सुरक्षा कायम गरी जनताको जीउ, धन र स्वतन्त्रताको संरक्षण गरी शान्तिपूर्वक बाँच्न पाउने अधिकार सुनिश्चित गराउन, पूर्वाधार निर्माण गर्न, सामाजिक र आर्थिक विकासको लागि प्रभावकारी शान्ति सुरक्षा हुनु आवश्यक छ। प्रत्येक वडामा शान्ति सुरक्षा कायम गर्न प्रहरी चौकी सहित सुरक्षा निकायहरूलाई विस्तार गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

### ३.५.९ पर्यटन सूचना

पर्यटकहरूलाई जानकारी दिने र पर्यटक आगमनको तथ्याङ्क राख्ने गाउँपालिकास्तरीय कुनै पनि पर्यटन सूचना केन्द्रहरूको व्यवस्था रहेको छैन । तथापी यहाँ The Himalayan Trust, The Small World, Goli Village Trust, Forgotten Sherpas of Nepal Trust लगायतका निजी संस्थाहरूले पर्यटकहरूलाई पर्यटन सूचना प्रवाह गर्दै आइरहेका छन् । आगामी योजनामा पालिकाका विभिन्न स्थानहरूमा पर्यटक सूचना केन्द्रहरूको स्थापना गरि आवश्यक सूचना प्रवाहलाई चुस्त दुरुस्त बनाउन जरुरी छ ।

### ३.५.१० हस्तकला चिनो पसल तथा बिक्री केन्द्र

यस गाउँपालिका अन्तर्गतको मुख्य बजार क्षेत्रमा समेत हस्तकला चिनो पसलहरू संचालन हुन सकेका छैनन् । स्थानीय मौलिक उत्पादन जसले यो क्षेत्रको ठोस परिचय दिन्छ, त्यसप्रकारको उत्पादन व्यवसायिक र व्यवस्थित छैन भने विशेष बिक्री केन्द्रको समेत स्थापना गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

### ३.५.११ संग्रहालय तथा साँस्कृतिक केन्द्र

क्षेत्री र शेर्पा समुदायको बाहुल्यता रहेको यस गाउँपालिकामा हाल शेर्पा संग्रहालय निर्माणाधिन अवस्थामा रहेको छ । गाउँपालिकाको वडा नं. १ मा निर्माण हुन गइरहेको यस संग्रहालयले यहाँको पर्यटन विकासमा टेवा पुऱ्याउने सम्भावना छ ।

### ३.५.१२ मानव संसाधन

पर्यटन विकासका सहयोगी मानव स्रोतहरू हुन् । केही सङ्ख्यामा तालिम प्राप्त टुर गाइड भए तापनि हाल सम्म गाइड तथा अन्य पर्यटकहरूलाई आवश्यक पर्ने मानव संसाधनको तथ्याङ्क नरहेको देखिन्छ । अर्कोतर्फ त्यस प्रकारको मानव संसाधन उत्पादन गर्ने तालिमको व्यवस्था गरिएको छैन । पर्यटन व्यवसायलाई प्रवर्द्धन गर्नका लागि यस पालिकाका हरेक वडाबाट दक्ष जनशक्ति उत्पादनका लागि पर्यटन सम्बन्धी तालिम तथा अभिमुखीकरण गर्नु उत्तिकै जरुरी रहेको छ ।

## ३.८ बसोबासको सुविधा

(क) **होटल, लज, गेष्ट हाउस र रिसोर्ट** : यस गाउँपालिकामा साना खाजा तथा खाना खाने होटल, रेस्टुरेन्टहरू भएतापनि सुबिधा सम्पन्न बस्ने व्यवस्था भएका होटल रिसोर्टहरू भने आजसम्म संचालनमा आएका छैनन् । यहाँ आउने पाहुनाहरूलाई बसोबासको लागि वडा नं.१, वडा नं. ५ र वडा नं. ३ मा केही लज तथा गेष्ट हाउस संचालनमा रहेका छन् । यसका अलावा पालिकाको मुख्य बजार केन्द्रमा बाहेक पालिकाको अन्य वडाहरूमा बास सहितका व्यवस्थित होटलहरू संचालनमा छैनन् ।

(ख) **क्याम्पिङ साइट** : यस क्षेत्रमा पर्यटन क्याम्पिङ साइट निर्माण गरेको पाइएन। नदी किनार, एवं अन्य पर्यटकीय गन्तव्य आसपासमा यस्ता क्याम्प साइटहरू संचालन हुन सक्ने सम्भावना प्रशस्तै रहेको छ ।

(ग) **होम स्टे, घरबास** : यस क्षेत्रको पर्यटन विकासमा घरबासले महत्त्वपूर्ण भूमिका खेल्न सक्दछ र हालसम्म व्यवसायिक होम स्टेको सुरुवात हुन नसकेको यस गाउँपालिकामा दीर्घकालीन योजना निर्माण गरी घरबास कार्यक्रम संचालन गर्न सकिने सम्भावना प्रचुर मात्रामा रहेको देखिन्छ ।

### ३.९ पर्यटन प्रवर्द्धनको लागि हालसम्म भएका प्रयासहरू

लिखु पिके गाउँपालिकामा पर्यटन विकासका लागि खासै परिणाममुखी प्रयासहरू भएका छैनन्। हालसम्म स्थानीयस्तर र अन्य निकायहरुबाट आयोजना भएका कार्यक्रमहरू निम्नानुसार रहेका छन् :

१. चाडपर्वको समयमा मेला आयोजना,
२. पालिकामा अवस्थित विभिन्न मन्दिहरूमा कार्यक्रमहरू संचालन,
३. नयाँ पदमार्गहरूको प्रचार प्रसार,
४. होम स्टे व्यवसाय प्रवर्द्धन सम्बन्धी कार्यक्रम संचालन,
५. यहाँका पर्यटकीय क्षेत्रहरू प्रचार प्रसार सहित पूर्वाधार निर्माणका लागि अध्ययन,
६. पर्यटकहरूको सहज यात्रालाई मध्यनजर गरेर काठमाडौँ लिखु बस सेवा संचालन,
७. कृषि तथा पशु पर्यटन क्षेत्र विकासका लागि बजेट विनियोजन ।
८. पदमार्ग सरसफाई कार्यक्रम संचालन ।
९. अस्थायी साइनवोर्डहरू निर्माण ।
१०. गत सालबाट याक चौरी महोत्सव संचालन सुरुवात भएको ।
११. पिके मा भ्यू प्वाइन्ट निर्माणका लागि DPR ।
१२. रेडपाण्डा संरक्षण कार्यक्रम संचालन ।
१३. पदमार्गहरू निर्माण भइरहेका ।
१४. शेर्पा साँस्कृतिक संग्रहालय निर्माण सुरुवात ।
१५. उर्गेन छोलिङ गुम्बा निर्माणाधिन ।

#### ३.९.१ पर्यटन प्रवर्द्धनका लागि हुने गरेका प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रमहरू

पर्यटन प्रवर्द्धन हेतुले औपचारिक कार्यक्रम संचालन गर्न नसकिएको भएता पनि मेला, महोत्सव, चाडपर्व, दशै, तिहार, विहे, पुजा र स्थानीयस्तरमा संचालन हुने साँस्कृतिक कार्यक्रमहरूले गाँउपालिकाको पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न सहयोग गरिरहेको छ । स्थानीय समुदायले मनोरञ्जन र कला संस्कृति र परम्परालाई निरन्तरता दिनका लागि संचालन गर्ने कार्यक्रमहरू बाहेक

हालसम्म गाउँपालिकामा अन्य पर्यटन प्रवर्द्धन सम्बन्धी कार्यक्रमहरु संचालनमा आउन सकेका छैनन् ।

### ३.९.२ पर्यटन क्षेत्रमा काम गरेका संस्थाहरु

लिखु पिके क्षेत्रमा पर्यटन विकासका लागि केही संघ संस्थाहरुले आफ्नो तर्फबाट निरन्तर रुपमा काम गर्दै आइरहेका छन् । Himalayan Trsut, The Small World, Goli Village, The Forgotten Sherpas of Nepal Trust, Himalayan Project, Stay at School र स्थानीय सरकारले पर्यटन प्रवर्द्धनका लागि आफ्नो क्षेत्रबाट विभिन्न क्रियाकलापहरु गर्दै आइरहेका छन्।

## अध्याय – ४: पर्यटन विकास योजना तथा कार्यक्रमहरू

### ४.१ पर्यटन विकास गुरुयोजनाको लक्ष्य, उद्देश्य तथा रणनीति

पर्यटन विकास गुरुयोजना भन्नाले गाउँपालिकाको भौगोलिक अवस्थिति, प्राकृतिक सम्पदा तथा सुन्दरता, सामाजिक, साँस्कृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक पुरातात्विक आदि पक्षहरूको पर्याप्तता तथा उपयुक्तताको आधारमा दिगो रूपमा सञ्चालन गर्न सकिने पर्यटकीय गतिविधिलाई लक्षित गरी तयार/सिफारिश गरिएको योजना हो । योजनाले आफ्नो लक्ष्य र उद्देश्य प्राप्तिका लागि आवश्यक रणनीति पनि तय गरेको हुन्छ । यसका लागि स्थानीय जनसहभागिता र उत्पादनलाई प्रमुख आधार बनाइएको छ किनभने आयातित वस्तु र सेवा तथा प्रविधिका साथै लगानीकर्ता समेत बाहिरबाट ल्याउँदा पर्यटनबाट हुने फाईदा पनि बाहिरिने हुन्छ। तसर्थ स्थानीय उत्पादनमा आधारित भई, स्थानीय व्यक्तिहरूबाटै पालिकामा पर्यटकीय गतिविधि सञ्चालन गरिनु पर्दछ भन्ने मान्यताका आधारमा यो योजना तयार गरिएको छ ।

#### योजनाको सोच

- "दिगो पर्यटन विकास लिखु पिके गाउँपालिकाको समृद्धिको आधार"

#### योजनाको लक्ष्य

यस पर्यटन गुरुयोजनाले गाउँपालिकाको पर्यटन विकासका लागि निम्न लक्ष्य तय गरेको छ ।

- पर्यटनको विकास मार्फत् स्थानीय बासिन्दाहरूको रोजगारी र आय आर्जनमा वृद्धि गरी उनीहरूको वातावरणीय, आर्थिक, सामाजिक, साँस्कृतिक र शैक्षिक पक्षहरूको सन्तुलित र दिगो विकास गर्ने ।
- विविध पर्यटकीय गतिविधिहरू वृद्धि गरी गाउँपालिकालाई राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटनको अध्ययन, अनुसन्धान तथा घुमफिरका लागि नमुना गाउँपालिकाको रूपमा विकास गर्ने ।

#### योजनाका उद्देश्यहरू

पर्यटन विकास गुरुयोजनाले यस गाउँपालिकाको पर्यटन अन्तर्गत धार्मिक, साँस्कृतिक, सामाजिक तथा आर्थिक एवं अन्य सम्बन्धित क्षेत्रको व्यवस्थापन र विकासमा सहयोग पुऱ्याउने उद्देश्य लिएको छ। गाउँपालिकाको समग्र विकासलाई समेत ध्यानमा राखि यो गुरुयोजनाको निर्माण गरिएको छ जसका निम्न उद्देश्यहरू रहेका छन् :

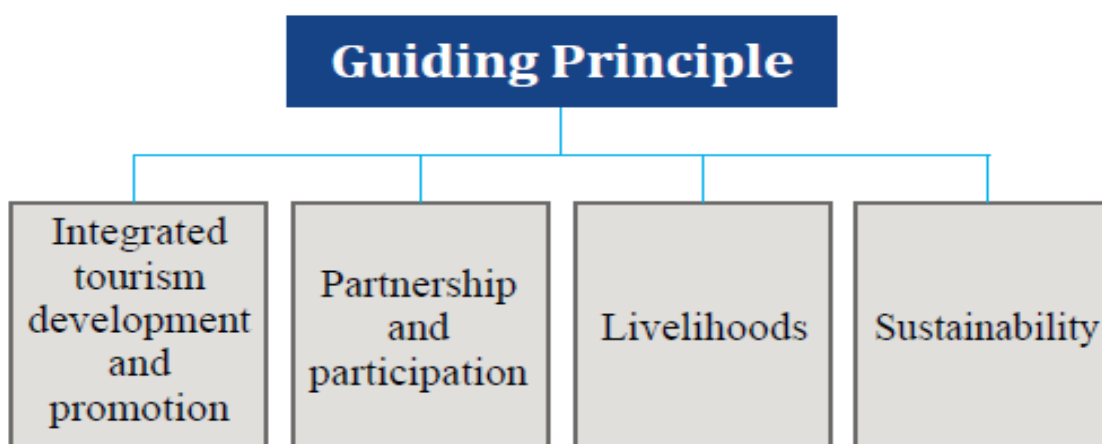
- गाउँपालिकाको समग्र पर्यटन विकासका लागि व्यवस्थित कार्ययोजना निर्माण गरी कार्यान्वयनमा सहजता ल्याउने ।
- व्यवस्थित भौतिक तथा पर्यटकीय संरचना निर्माणमा जोड दिई जैविक विविधताको संरक्षण र दिगो विकासको मार्ग प्रशस्त गर्ने ।



- यस गाउँपालिकाभित्रका धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलहरू तथा सम्भावित स्थलहरू समेतको पहिचान गरी, ती क्षेत्रहरूको प्रचारप्रसार, मर्मत सम्भार, निर्माण तथा अन्य पर्यटकीय पूर्वाधारहरूको समेत विकास गर्ने ।
- स्थानीय सरकार, स्थानीय सरोकारवालाहरू, प्रदेश तथा संघीय सरकार लगायत सार्वजनिक र निजी साझेदारीको माध्यमद्वारा पर्यटनमा लगानी-मैत्री वातावरण तयार गर्ने ।
- पर्यटन सम्बद्ध आर्थिक, वातावरणीय, सामाजिक, सांस्कृतिक एवम् व्यवस्थापकीय पक्षहरूको व्यवस्थापनमा सहयोग गर्ने ।
- पर्यटकीय सम्भाव्यताका क्षेत्रहरूको पहिचान गरी स्थानीयस्तरमा रोजगारी सिर्जना गर्ने तथा आय आर्जनका उपायहरूको खोजी गर्ने।
- स्थानीय कला, संस्कृति, भाषा, परम्परा र रीतिरिवाजहरूको संरक्षण, प्रवर्द्धन र विकासका साथै तिनीहरूको प्रचारप्रसार गरी स्थानीय बासिन्दाहरूको आय आर्जनमा टेवा पुऱ्याउने।

## ४.२ मार्गदर्शक सिद्धान्तहरू

गाउँपालिकामा रहेका प्राकृतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक सम्पदाहरूको संरक्षण तथा प्रवर्द्धन गर्दै दिगो पर्यटन विकासमार्फत् स्थानीय जनसमुदायहरूको जीवनस्तरमा सुधार ल्याउन पर्यटन विकासको समग्र प्रक्रिया निम्नानुसारका बृहत् सिद्धान्तहरूबाट निर्देशित भएको छ ।



### १. एकीकृत पर्यटन विकास तथा प्रवर्द्धन (Integrated Tourism Development and Promotion)

गाउँपालिकाको पर्यटन विकासका लागि रणनीतिक पर्यटन विकास योजना (Strategic Tourism Plan) को दृष्टिकोण अवलम्बन गरिनेछ । जिल्लामा आएका पर्यटकहरूलाई लिखु पिकेमा आकर्षित गर्न सकिने ठूलो सम्भावना रहेको छ । पर्यटकको आगमन सङ्ख्या मात्रै बढेर पर्यटन व्यवसाय फस्टाउन सक्दैन सँगसँगै पर्यटकहरूको बसाइ लम्ब्याउन जरुरी छ र त्यसका लागि आवश्यक पर्यटकीय पूर्वाधार निर्माण, नयाँ पर्यटकीय गतिविधि र गन्तव्यहरूको पहिचान तथा प्रवर्द्धन, गाउँपालिकाभर रहेका विभिन्न प्राकृतिक, साँस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा

पुरातात्विक सम्पदाहरूको संरक्षण तथा प्रवर्द्धन गर्दै एकीकृत पर्यटन विकासको अवधारणा अवलम्बन गर्नु पर्दछ। लिखु पिके घुम्न आउने पर्यटकहरूलाई आसपासका पर्यटकीय क्षेत्रमा घुमाउन सकिएमा मात्र पर्यटकको बसाइ लम्बाउन सकिने र यसले यस क्षेत्रको अर्थतन्त्रलाई थप चलायमान गराउन सक्छ। यसका लागि पिकेडाँडा क्षेत्रलाई केन्द्रमा राखेर यस गाउँपालिकाको पर्यटन विकासका कामहरू गरिनुपर्ने हुन्छ। त्यसैगरी स्थानीय समुदायको प्रत्यक्ष सहभागिता बिना पर्यटन विकासका उद्देश्यहरू हासिल गर्न नसकिने हुँदा पर्यटन विकास तथा प्रवर्द्धन योजनाको सुरुवाती चरणदेखि कार्यान्वयन तथा अनुगमन र मूल्याङ्कन सम्मका सबै प्रक्रियाहरूमा स्थानीयहरूको सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित गर्नु आवश्यक छ। साथै बसाइ लम्बाउन पर्यटन प्याकेजको विकास गरी त्यसको प्रचार प्रसार गर्न सकिन्छ। सो का लागि यस गाउँपालिकामा प्रवेश गरेपछि गर्न सकिने गतिविधिहरूको पूर्ण विवरण सहितको जानकारी पर्यटनको पहुँचमा पुग्ने गरी व्यापक प्रचार प्रसार गर्न सकिन्छ।

## २. सहकार्य तथा सहभागिता (Partnership and Participation)

योजना निर्माण, निर्णय लिने तथा कार्यान्वयन तह सम्म स्थानीय बासिन्दाहरूको प्रत्यक्ष सहभागिता सुनिश्चित गर्नुका साथै व्यवस्थापन तथा समग्र पर्यटकीय क्रियाकलापहरू तथा गुणस्तरीय सेवा प्रवाहमा स्थानीय बासिन्दाहरूलाई जिम्मेवार गराइनेछ। त्यसैगरी पर्यटनसँग सरोकार राख्ने लाइन एजेन्सीहरू, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाहरू, स्थानीय पर्यटन विकास समिति लगायत सबै सरोकावालाहरूसँगको सहकार्यलाई उच्च महत्त्व दिई समग्र गाउँपालिकालाई एक पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा विकास गरिनेछ।

## ३. जनजीविका (Livelihoods)

स्थानीय बासिन्दाहरूको जीवनस्तरमा योगदान पुऱ्याउने खालको क्षमता विकास कार्यक्रमहरूलाई प्राथमिकता दिई योजना तर्जुमा गरिनु पर्दछ। यसरी योजना निर्माण गर्दा गरिबी तथा सामाजिक विभेद र अन्यायका कारणहरू पहिचान गरी न्यूनीकरणका उपायहरू अवलम्बन गरिनेछ। त्यसैगरी मुख्यगरी पिछडीएका, न्यून आयस्तर भएका तथा जोखिमयुक्त समुदायहरूलाई पर्यटन विकासको केन्द्रमा राखी उनीहरूको जीवनस्तर सुधारलाई मूल मुद्दा बनाई योजना तर्जुमा गरिने छ। छोटकरीमा भन्नुपर्दा दिगो पर्यटन विकासका लागि स्थानीय जनसमुदायको प्रत्यक्ष सहभागिता प्रमुख कडी हो।

## ४. दिगोपना (Sustainability)

दिगो पर्यटन विकास पर्यटन गुरुयोजनाको मूल मार्गनिर्देशक सिद्धान्त हो। तसर्थ दिगो पर्यटन विकासको लागि भविष्यमा बाह्य सहयोग बिना स्थानीय बासिन्दाहरूको क्षमताले व्यवस्थापन गर्न सक्ने क्रियाकलापहरू मात्र गुरुयोजनामा समावेश गरिनुपर्छ। नेपालमा पर्यटनको मूल उद्देश्य दिगो पर्यटनको विकासमार्फत् ग्रामिण क्षेत्रका बासिन्दाको जीवनस्तर उकास्ने रहेकाले पर्यटन विकासका लागि स्थानीय बासिन्दाहरूलाई आर्थिक तथा अन्य किसिमका लगानी गर्न प्रोत्साहन गर्नुपर्छ। यस प्रयासको मूल उद्देश्य भनेको पर्यटन विकासका हरेक

क्रियाकलापहरूमा स्थानीय समुदायले अपनत्व महशुस गरुन भन्ने हो।जब पर्यटन स्थानीय बासिन्दाको जनजिविका र स्थानीय अर्थतन्त्रको मूल आधार बन्दछ यो दिगो समेत हुन्छ।

### ४.३ योजनाका रणनीतिहरू

कुनै पनि योजना वा कार्यक्रमको सफल कार्यान्वयन गर्न के कस्ता उपाय अर्थात रणनीति अपनाईने हो भन्ने कुरा एकदमै महत्त्वपूर्ण हुन्छ । गाउँपालिका पर्यटन गुरुयोजनामा सिफारिस गरिएका कार्यक्रमहरूको सफल कार्यान्वयनको लागि गाउँपालिकाको भौगोलिक एवम् प्राकृतिक अवस्था, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक परिवेश तथा छलफल र अन्तरक्रियामा सहभागीहरूबाट प्राप्त सुझाव समेतलाई विचार गरि गुरुयोजना कार्यान्वयनका लागि निम्नानुसारका रणनीतिहरू तयार गरिएको छ ।

- पर्यटनलाई गाउँपालिकाको आर्थिक एवं रोजगारीको एउटा सबल र स-शक्त माध्यमका रूपमा स्थापित गर्ने ।
- गरिबी न्युनिकरणमा ग्रामिण पर्यटन भन्ने सरकारको नीति अनुरूप विभिन्न पेशा, प्रविधि, संस्कृति एवं उत्पादनलाई केन्द्रविन्दुमा राखी न्यून आय आर्जन भएका समुदायलाई सहयोग मिल्ने खालका कार्यक्रम संचालन गर्ने।
- पर्यटनलाई स्थानीय साधन, स्रोत र प्रविधिमा आधारित गराई स्थानीय स्तरमै स्वनिर्भर बनाउने।
- गाउँपालिकामा पर्यटनका क्षेत्रमा कार्यरत संघ, संस्था तथा सरोकारवाला निकायहरू बिच साझा सञ्जाल स्थापना गरि सूचना आदान प्रदान गर्ने तथा सम्भाव्य पर्यटकीय सम्पदा, आकर्षण र गन्तव्यहरूको क्षेत्रगत प्रोफाइल तयार गर्ने ।
- पर्या-पर्यटनलाई उच्च प्राथमिकता दिई पदमार्ग, दृश्यावलोकन, स्थानीय प्राकृतिक उत्पादन तथा अर्गानिक फार्मिङ प्रणालीलाई जोड दिने ।
- बजारीकरणलाई प्रभावकारी बनाउनका लागि प्रचार प्रसार सामग्रीहरू जस्तै होर्डिङ बोर्ड, ब्रोसर, पोष्टर, पम्पलेट, स्टिकर, सि.डि., युट्युब भिडियो, Vlogs, फेसबुक, वेब साईट जस्ता कागज तथा डिजिटल सामग्रीहरू तयार गरि राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा प्रचार प्रसार गर्ने ।
- पर्यटन सम्बद्ध जनशक्ति विकासमा जोड दिई तालिम, सेमिनार, कार्यशाला, गोष्ठीका साथै शैक्षिक संस्थाहरूका पाठ्यक्रममा गाउँपालिकाको पर्यटनसम्बन्धी जानकारी पनि समाविष्ट गराउने ।
- पर्यटन विकासका लागि सम्भाव्य गाउँ तथा स्थानहरूमा व्यापक रूपमा सचेतना तालिम सञ्चालन गरि पर्यटन र यसको सञ्चालन तथा आयआर्जनका पक्षहरूको जानकारी गराई व्यापक रूपमा जन उत्सुकता र जनसहभागिता सिर्जना गर्ने ।
- गुरुयोजनामा सिफारिस गरिएका पर्यटकीय गतिविधिहरू सञ्चालन वा कार्यक्रम कार्यान्वयन, प्रचार प्रसार र अनुगमन तथा मुल्याङ्कन गर्न कार्यपालिकामा विषयगत समिति

अन्तर्गत सरोकारवाला संघ, संस्था, तथा स्थानीय व्यक्तिहरु समेतको सहभागितामा एउटा अनुगमन समिति गठन गर्ने ।

- छिमेकी गाउँपालिका तथा नगरपालिकासँग सहकार्य गरि गन्तव्य स्थलको विकास गरि प्रचार प्रसार गर्ने ।
- अन्य विभिन्न रणनीतिहरु अपनाउने (तल उल्लेख भए बमोजिम) ।
- गाउँपालिकामा पर्यटन प्रवर्द्धन र विकास गर्नका लागि गाउँपालिकाले अन्य सरकारी, निजी, संघ संस्था र सामुदायिक क्षेत्रसँग सहकार्य गर्ने ।
- गाउँपालिका भित्रका पर्यटकीय स्थलहरूको प्रचारप्रसार गरी धेरैभन्दा धेरै आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकहरूलाई आकर्षित गर्ने ।
- पर्यटकीय स्थलहरूमा सबै प्रकारका पूर्वाधारहरूको एकिकृत र समन्वयात्मक विकास गर्नका लागि यथेष्ट लगानीको प्रबन्ध गर्ने ।
- स्थानीय सीप, कला, कौशल, सँस्कृति, परम्परा, रीतिरिवाज आदिको प्रवर्द्धन, विकास तथा प्रचारप्रसार गरी स्थानीय बासिन्दाहरूको आय आर्जनमा टेवा पुऱ्याउने ।
- यस क्षेत्रमा भित्रने पर्यटकहरूको रुचि र चाहनाको बारेमा नमूना सर्वेक्षण गर्ने ।
- यस क्षेत्रमा भित्रने पर्यटकहरूको उमेर समूहको बारेमा नमूना सर्वेक्षण गर्ने ।
- यस क्षेत्रमा भित्रने पर्यटकहरूको वर्गीकरण गर्ने जसअनुसार उनीहरूको खर्च गर्ने क्षमता र पर्यटक सेवा र सुविधाको आकांक्षाहरूको नमूना सर्वेक्षण गर्ने ।
- यस क्षेत्रमा प्रवेश गर्ने पर्यटकहरूको यस पूर्वको प्रस्थान विन्दुहरूको अध्ययन गर्ने,
- यस क्षेत्रमा भित्रने पर्यटकहरूको मुख्य पेशा वा व्यवसायको र रुचिको बारेमा नमूना सर्वेक्षण गर्ने ।
- प्रस्थान विन्दुहरूमा यस क्षेत्रको प्रचार प्रसारका लागि प्रचार प्रसार सामग्री र सूचना केन्द्र स्थापना गर्न छिमेकी गाउँपालिका वा नगरपालिकासँग सहकार्य गर्ने ।

## ४.४ अल्पकालीन, मध्यकालीन र दीर्घकालीन योजना तथा कार्यक्रमहरू

कुनै पनि योजनाको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य र रणनीतिहरू परिपूर्ती गर्नका लागि विस्तृत कार्ययोजना बनाई अल्पकालीन, मध्यकालीन र दीर्घकालीन योजनाहरू लागु गर्नु अत्यावश्यक हुन्छ। तबमात्र लक्षित उद्देश्यहरू हासिल भई अपेक्षित प्रतिफल प्राप्त गर्न सकिन्छ। यस गाउँपालिकाको पर्यटन विकासमार्फत् समग्र विकासका लागि निम्न योजनाहरू प्रस्तुत गरिएको छ :

### ४.४.१ अल्पकालीन योजना

यस अन्तर्गत एक वर्ष भित्र सम्पन्न गर्नुपर्ने कार्यक्रमहरू सिफारिस गरिएको छ ।

- प्रस्तुत पर्यटन विकास गुरुयोजनालाई गाउँसभाबाट अनुमोदन गराई वार्षिक रूपमा कार्यान्वयनका लागि निर्णय गराउने ।

- गुरुयोजनाले सिफारिस गरे अनुसार पर्यटकीय गतिविधिहरू सञ्चालन वा कार्यक्रम कार्यान्वयन, अनुगमन, मुल्याङ्कन र प्रचारप्रसार गर्न गाउँपालिका पर्यटन विकास समिति गठन गर्ने र सोही समिति अन्तर्गत रहने गरी एउटा अनुगमन समिति गठन गर्ने ।
- सिफारिस गरिएका कार्यक्रमहरू कार्यान्वयनका लागि स्थानीयस्तरमा व्यवस्थापन तथा वडा पर्यटन समिति गठन गरी वडा सभाबाट कार्यक्रमहरू स्वीकृत गराई गाउँपालिकामा पठाउने प्रक्रिया सुरु गराउने ।
- गुरुयोजना तथा विस्तृत सम्भाव्यता अध्ययन गरी कार्यान्वयन गर्न सिफारिस गरिएका कार्यक्रमहरू स्थानीयस्तरको सहभागितामा गाउँपालिकास्तरबाट कार्यदल गठन गरी सर्वेक्षण गराई प्रतिवेदन तयार गर्ने ।
- पर्यटनसँग सम्बन्धित चालु कार्यक्रम र गुरु योजनामा सिफारिस गरिएका कार्यक्रमहरू कार्यान्वयनका लागि गाउँपालिकाले नियमित रूपमा कार्यक्रम सञ्चालन गर्न बजेटको व्यवस्था गर्ने र सम्बन्धित वडाहरूलाई पनि आफ्नो बजेटको केही अंश पर्यटन कार्यक्रमलाई छुट्याउन निर्देशन दिने ।

#### ४.४.२ मध्यकालीन योजना

यस गुरुयोजनाले मध्यकालीन योजना अन्तर्गत ५ वर्षभित्र प्रारम्भ गरी सम्पन्न गर्नुपर्ने कार्यक्रमहरूलाई समेटेको छ । गाउँपालिकामा पर्यटन विकासका लागि पहिचान भएका/गरिएका सम्भाव्य क्षेत्रहरूको सिलसिलेवार कार्यान्वयनका लागि जिम्मेवार निकाय तथा सम्भव भए सम्म सोको लागि आवश्यक पर्ने बजेट समेतको अनुमान गरी प्रस्तुत गरिएको छ । स्थानीयस्तरमा पर्यटनबाट केही न केही सकारात्मक प्रभाव पारी पर्यटन हाम्रो लागि र हाम्रो कार्यक्रम हो, यसको कार्यान्वयन र व्यवस्थापन हामीले नै गर्नुपर्दछ भन्ने प्रतिबद्धता सहित स्थानीय व्यक्तिहरूलाई सक्रिय बनाउनु यस योजना अर्थात् कार्यक्रमको मूल पक्ष रहेको छ । मध्यावधि योजना अर्थात् आगामी ५ वर्षभित्र कार्यान्वयनमा ल्याई सक्नुपर्ने प्रस्तावित कार्यक्रमहरू निरन्तर रूपमा सञ्चालन भइरहने दीर्घकालीन प्रकृतिका कार्यक्रम नै हुन् र तिनीहरूको सफल र प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि नियमित रूपमा विस्तार एवं सुधारका कार्यक्रमहरू सञ्चालन भई नै रहने हुन्छन् । यी कार्यक्रमहरूलाई आगामी ५ वर्ष भित्र कार्यान्वयन गर्नुपर्ने भन्नुको तात्पर्य यस अवधिभित्र यी कार्यक्रमहरूको कार्यान्वयन प्रक्रिया प्रारम्भ गर्नु हो ।

#### ४.४.३ दीर्घकालीन योजना

गाउँपालिकाको पर्यटन विकास गुरुयोजना एउटा दीर्घकालीन सोचको यथार्थपरक योजना हो । अल्पकालीन र मध्यकालीन योजना अर्थात् कार्यक्रमहरू दीर्घकालीन योजना कै प्रस्थान बिन्दु हुन् र यिनीहरू निरन्तररूपमा कार्यान्वयन भइरहन्छन् । गाउँपालिकाको पर्यटन विकास गुरुयोजनाको दीर्घकालीन सोच अर्थात् लक्ष्य भनेको गुरुयोजनाले औँल्याएका गाउँपालिकामा उपलब्ध पर्यटकीय महत्त्व र आकर्षणका सम्पदाहरूलाई क्रमिक रूपमा कार्यान्वयनमा ल्याई गाउँपालिकालाई नेपालकै एउटा नमूना पर्यटकीय क्षेत्रको रूपमा स्थापित गरी आर्थिक रूपले एउटा सम्बृद्धशाली स्थानीय तह बनाउनु हो । दीर्घकालीन योजना अनुसार क्रमिक रूपमा कार्यान्वयन गर्नका लागि सिफारिस गरिएका कार्यक्रमहरू निम्नानुसार रहेका छन् ।

- लोपोन्मुख कला र सँस्कृतिको संरक्षण गरी क्षेत्री, शेर्पा, थामी र सुनुवारको बाहुल्यता रहेको यस क्षेत्रलाई पर्यटकीय क्षेत्रका रूपमा विकास गरी होमस्टे पर्यटन सञ्चालन गर्ने ।
- कला र सँस्कृतिको संरक्षण, सम्बर्द्धन तथा प्रर्वद्धनका लागि साँस्कृतिक संग्रहालय निर्माण गर्ने,
- विभिन्न सम्भाव्य स्थानमा दृश्यावलोकन केन्द्र निर्माण गर्ने ।
- गाउँपालिकामा निजी क्षेत्र परिचालन गरी होटल तथा रिसोर्ट सञ्चालन गर्ने र साथमा अन्य गतिविधि पनि संचालन गर्ने र होटल सञ्चालकहरूलाई अतिथि सत्कार तालिम सञ्चालन गर्ने ।
- सम्पूर्ण महत्त्वपूर्ण पर्यटकीय क्षेत्रहरूमा डि.पि.आर तयार पार्ने र सोहीअनुरूप निर्माण गर्ने ।
- साइकल ट्रेल निर्माण गरि साइक्लिङ पर्यटन प्रोत्साहन गर्ने,
- पुराना पदमार्ग व्यवस्थित गरी नविन पदमार्ग निर्माण गरि ट्रेकिङ र हाइकिङका प्याकेजहरू संचालनमा ल्याउने।

## ४.५ विषयगत कार्य योजनाहरू

पर्यटन गुरुयोजनामा सिफारिस गरिएका र समावेश गरिएका अल्पकालीन, मध्यकालीन तथा दीर्घकालीन कार्ययोजनाहरू उप-अध्याय ४.४ मा विस्तृतरूपमा प्रस्तुत गरिएको छ । यस कार्ययोजनामा संचालन गरिनुपर्ने गतिविधिहरू, जिम्मेवार निकायहरू, अनुमानित लागत तथा प्राथमिकताहरू निर्धारण गरिएको छ । गुरुयोजनाको उद्देश्य अनुरूप कार्ययोजनालाई विभिन्न विषयगत क्षेत्रमा विभाजन गरिएको छ।

### ४.५.१ पर्यटन विकास कार्ययोजना

पर्यटन विकासका लागि निम्न कार्यक्रमहरूलाई प्राथमिकतामा राखी लागु गरिनेछ ।

१. धार्मिक पर्यटकहरूलाई पालिकाको अन्य धार्मिक स्थलको पनि भ्रमण गराउने व्यवस्था मिलाई त्यसको प्रचार प्रसार गर्न धार्मिक सर्किटको योजना निर्माण गरिनेछ ।
२. सबै साँस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा प्राकृतिक सम्पदाहरूको संरक्षण तथा प्रर्वद्धन गरिनेछ ।
३. होम स्टेहरू संचालन गरी यहाँको सँस्कृति अध्ययन अवलोकन गर्न चाहने स्वदेशी तथा विदेशी विद्यार्थी र अनुसन्धानकर्ताहरूका लागि सहज बनाइनेछ।
४. गाउँपालिकामा रहेका खोलामा फिसिङको सम्भाव्यता अध्ययन गरि संचालन गरिनेछ ।
५. गाउँपालिकाको विभिन्न स्थान सम्म पुग्ने साइकल ट्रेल तथा पदमार्ग निर्माण गरी यी क्षेत्रहरूको प्रचार प्रसार गरिनेछ ।
६. एकीकृत पर्यटन विकासको अवधारणा अनुरूप एकीकृत भ्रमण प्याकेजहरू निर्माण गरि प्रचार प्रसार गरिनेछ ।

### ४.५.२ मानव संसाधन क्षमता विकास कार्ययोजना

लिखु पिके गाउँपालिकामा पर्यटन विकास गर्नुको मूल लक्ष्य स्थानीय रोजगारी सिर्जना र स्थानीय बासिन्दाको आर्थिकस्तर आम सुधार हो । तसर्थ समग्र पर्यटन विकासका लागि मानव संसाधन तथा क्षमता विकासलाई केन्द्रमा राखी निम्नानुसारका कार्यहरु गरिनेछ ।

१. पर्यटक सत्कार, व्यवस्थापनका लागि होटल व्यवसायिहरू तथा सम्बन्धित स्थानीय समुदायहरूलाई चेतना अभिवृद्धि गर्नका लागि समुदाय र विद्यालयहरूमा तालिमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।
२. फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि समुदायमा तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
३. होमस्टे कार्यक्रमका लागि छानिएका समुदायहरूलाई होमस्टे सञ्चालन सम्बन्धी तालिम र अवलोकन भ्रमण गराइनेछ र ठोस फोहोर व्यवस्थापन गुरु योजना निर्माण गरी फोहोर व्यवस्थापनमा कदम चालिनेछ ।
४. पर्यटकहरूलाई भ्रमण सहजीकरणका लागि गाउँपालिका भित्रका युवायुवतीहरूलाई पर्यटक पथप्रदर्शन सम्बन्धी तालिम दिइनेछ ।
५. होटल र लज व्यवस्थापनका लागि यसका संचालकहरूलाई तालिम दिइनेछ ।
६. संस्कृति संरक्षण र प्रदर्शनीका लागि स्थानीय क्लब, महिला समूह र समुदायलाई तालिम दिइनेछ ।

### ४.५.३ पर्यटन पूर्वाधार विकास कार्ययोजना

पर्यटन पूर्वाधार विकासका लागि गरिने कार्यक्रमहरू यस प्रकार छन् ।

१. सबै पर्यटकीय क्षेत्रसम्म पुग्न सडक यातायातको स्तरोन्नति र विकास गरिनेछ ।
२. गाउँपालिका भित्र रहेका सडकहरूको स्तरोन्नति गरिनेछ ।
३. कार्यक्रममा उल्लेख विभिन्न पदमार्गहरू तथा साइकल ट्रेल निर्माण तथा व्यवस्थित गरिनेछ ।
४. निजि क्षेत्रको सक्रियतामा पार्क तथा पिकनिक स्थल निर्माण गरिनेछ ।
५. पदमार्ग तथा सडक मार्गको स्तरोन्नति गरिनेछ ।
६. बजारदेखि ग्रामिण क्षेत्रका यातायातलाई सहज बनाइनेछ ।

### ४.५.४ पर्यटन रोजगारी तथा सीप विकास कार्ययोजना

पर्यटन रोजगारी तथा सीप विकासका लागि निम्न कार्यहरू गरिनेछ ।

१. होटल, लज, रिसोर्ट, होमस्टे सञ्चालन गरी रोजगारीको अवसर सिर्जना गरिनेछ ।
२. स्थानीय बासिन्दाहरूलाई पर्यटक पथ प्रदर्शक, भरिया, डुङ्गा संचालक, सवारी चालक जस्ता क्षेत्रमा रोजगारीको अवसर सिर्जना गरिनेछ ।
३. स्थानीय उत्पादनहरूको वृद्धि गरिनेछ र तिनीहरूको बजार प्रवर्द्धनको व्यवस्था गरिनेछ । स्थानीय उपजहरू उत्पादन वृद्धिबाट स्थानीय बासिन्दाहरूको आय आर्जनमा टेवा पुग्न गई कृषि, पशुपालन जस्ता व्यवसायहरूलाई अधिकतम फाइदा पुग्नेछ ।
४. हस्तकला तथा चीनो उत्पादन र बिक्रीबाट घरेलु उद्योग सञ्चालन गर्न सकिनेछ ।

#### ४.५.५ पर्यटन प्रवर्द्धन र बजारीकरण विकास कार्ययोजना

पर्यटनबाट अधिकतम लाभ लिन नेपाल पर्यटन बोर्डसँगको सहकार्यमा राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा पर्यटकीय उत्पादनहरूको व्यापक रूपमा प्रचार प्रसार गर्नु पर्दछ । तसर्थ पर्यटन बजारीकरणको लागि निम्न कार्यहरू गरिनेछ ।

१. पर्यटकीय स्थलहरू बारेका पुस्तिका, नक्सा, वृत्तचित्र पोष्टर तथा पर्चा निर्माण गरी प्रचारप्रसार गरिनेछ ।
२. गाउँपालिका वेबसाइटमा यस क्षेत्रका पर्यटकीय गन्तव्य र उत्पादनहरूको विवरण राखी प्रचारप्रसार गरिनेछ ।
३. यस क्षेत्रका समुदाय, साँस्कृति र सम्पदाहरूको अनुसन्धानमुलक पुस्तक प्रकाशन गरिनेछ ।
४. पर्यटन बजारीकरणका लागि युट्युब, Vloggers, फेसबुक, एफएम, रेडियो र टेलिभिजन मार्फत् प्रचारप्रसार गरिनेछ ।
५. पर्यटनसँग सम्बन्धित संघीय सरकार, प्रादेशिक सरकार, नेपाल पर्यटन बोर्ड, विभिन्न संघ संस्था, नेपाल एशोसियसन अफ टुर एजेन्सिज, र अन्य संघ संस्थाहरूसँग समन्वय गरी पर्यटन बजार प्रवर्द्धन गरिनेछ ।

#### ४.५.६ पर्यटकीय तथा वातावरण सचेतना कार्यक्रम

पर्यटनका कारण प्राकृतिक स्रोत साधनहरू र साँस्कृतिक तथा ऐतिहासिक सम्पदाहरूमा पर्न सक्ने नकारात्मक प्रभाव न्यूनीकरणका लागि आवश्यक कार्ययोजना तर्जुमा गरि कडाईका साथ कार्यान्वयन गर्नुपर्छ । फोहोरमैला बिसर्जन, वनजंगल विनाश, जनसङ्ख्या वृद्धि, साँस्कृतिक तथा ऐतिहासिक धरोहर माथिको बढ्दो दबाव जस्ता समस्याले गर्दा पर्यटनबाट समुचित लाभ लिन कठिन हुन्छ । तसर्थ उपलब्ध स्रोत साधनहरूको संरक्षण गर्दै स्थानीय बासिन्दाहरूको आवश्यकता परिपूर्ति गर्न पर्यटन तथा वातावरण सचेतना कार्यक्रम (Tourism and Environment Awareness Program: TEAP) अवलम्बन गरिनेछ ।

१. परम्परागत ज्ञान तथा सीपहरू संकलित दस्तावेज तयार गर्ने ।
२. पर्यटन, साँस्कृति तथा वातावरण सचेतना कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने ।
३. पर्यटकीय स्रोतहरू र तिनको संरक्षण गर्नुपर्ने आवश्यकता बुझाउने बोर्डहरू राख्ने ।
४. विद्यालय तथा क्याम्पसहरूमा पर्यटन, साँस्कृति र वातावरण क्लबहरू स्थापना गर्ने ।
५. परम्परागत सीप तथा ज्ञानको महत्त्वको विषयमा स्थानीय समुदायहरूलाई सचेत गराउने ।
६. स्कूल तथा कलेजमा स्थानीय पर्यटन सम्बन्धि विषय आवश्यक पहल गर्ने ।
७. वडा स्तरमा पर्यटन विकास समिति गठन गर्ने ।



#### ४.५.७ नविन पर्यटन उत्पादन विकास तथा पर्यटकीय क्रियाकलाप विविधिकरण कार्ययोजना

पर्यटन विकासबाट हुने आर्थिक फाइदाहरूलाई बृहत् समुदायमा पुऱ्याउनका लागि सिमित क्षेत्रहरूमा मात्र अत्यन्त छोटो (१-२ दिन) पर्यटकीय बसाइ अवधि मुख्य रणनीतिक मुद्दा हो । तसर्थ परम्परागत अभ्यासहरूमा आधारित नविन पर्यटन उत्पादन विकास तथा पर्यटकीय क्रियाकलाप विविधिकरण पर्यटन विकासका लागि अत्यन्त आवश्यक छ । जसका लागि यसप्रकारका कार्यक्रमहरू संचालन गरिने छन् ।

१. नविन पर्यटकीय उत्पादनहरूका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने ।
२. सम्भावित पर्यटन उद्यमहरू पहिचान गर्ने, दुवै पर्यटन उत्पादन र सेवा र अन्य सहायक उत्पादन तथा सेवाहरूको थालनी गर्ने ।
३. स्थानीय उत्पादन तथा सेवाहरू अधिकतम उपयोगका लागि पर्यटन उद्यमशिलता तथा क्षमता अभिवृद्धि तालिम संचालन गर्ने ।
४. होम स्टे संचालनका लागि पिछडीएका तथा महिला समुदायहरूलाई निश्चित रकम उपलब्ध गराउने ।
५. नव उद्यमीहरूलाई पर्यटन उत्पादन विकास, प्याकेजिंग, प्रोसेसिंग तथा बजारीकरण (Development, packaging, pricing and marketing) सम्बन्धी तालिम प्रदान गर्ने ।
६. स्थानीयबासीहरूलाई उच्च मूल्यका कृषि उत्पादनतर्फ अग्रसर बनाई आफ्नो उत्पादनलाई ब्रान्डीङ गर्न तालिम दिने ।

#### ४.५.८ जैविक विविधता तथा भू-परिदृश्य संरक्षण तथा व्यवस्थापन कार्ययोजना

प्राकृतिक वातावरण, जैविक विविधता र भू-परिदृश्य लिखु पिके पर्यटन विकासको मुख्य आधार हो । यस्ता प्राकृतिक स्रोतसाधन माथि अधिक दोहन तथा संरक्षणमा हेल्चेक्रयाइ गरियो भने यस क्षेत्रको पर्यटन विकासका सम्भावनाहरू अपेक्षित रूपमा विस्तार हुन नसक्नुका साथै यस्ता क्रियाकलापले हालको पर्यटकीय उत्पादन गुणस्तर खस्कन जान्छ र समग्र पर्यटन क्षेत्र नै खुम्चन जान्छ । तसर्थ लिखु पिकेमा दिगो पर्यटन विकासका लागि खोला नाला, ताल, सिमसार क्षेत्र, जलस्रोत, भू-परिदृश्य आदिको संरक्षण तथा व्यवस्थापनका लागि निम्न पर्यटन तथा वातावरण सचेतना कार्यक्रमहरू संचालन गर्नुका साथै तल उल्लेखित कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।

१. राष्ट्रिय, धार्मिक तथा सामुदायिक वन संरक्षण गरिनेछ ।
२. सार्वजनिक खुल्ला क्षेत्रहरू, जलाधर क्षेत्र तथा सार्वजनिक सम्पतिहरूको संरक्षण गरिनेछ ।
३. सुधारिएको चुलो, बायो ब्रिकेट, बैकल्पिक उर्जा प्रयोग, उर्जा प्रयोग हुने भाडाहरूको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गर्न निश्चित रकम सहूलियत दिइनेछ ।

४. वैज्ञानिक भू-उपयोग योजना निर्माण गरी लागु गरिनेछ ।
५. पर्यापर्यटन विकास तथा प्रर्वद्धनका लागि स्थानीय समितिको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
६. भ्रमण संचालक, पर्यटन व्यवसायी तथा स्थानीय समुदायहरूले पालना गर्नुपर्ने वातावरणीय आचारसंहिता निर्माण गरि कार्यान्वयन भए नभएको अनुगमन गरिनेछ ।
७. पालिकालाइ पर्या-पर्यटन गन्तव्यको रूपमा विकास गरिनेछ ।

#### ४.५.९ संस्थागत विकास कार्ययोजना

दिगो र सक्रिय स्थानीय संस्थाले मात्र दिगो पर्यटन विकासको आधार खडा गरि पर्यटनका उपलब्धिहरूलाई जनस्तरमा पुऱ्याउन सक्दछ। यही वास्तविकतालाई मध्यनजर गर्दै गाउँपालिका पर्यटन विकासका लागि निम्नानुसार कार्यहरू गरिनेछ ।

१. लिखु पिके गाउँपालिका पर्यटन विकास समिति गठन गर्ने,
२. अन्तर स्थानीय तह पर्यटन सहजीकरण समिति गठन गर्ने
३. वडास्तरमा पर्यटन विकास समितिहरू गठन गर्ने ।
४. सबै पर्यटन विकास समितिहरूको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने ।
५. पर्या-पर्यटनको लागि सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने ।
६. होमस्टे पर्यटन विकास समिति गठन गर्ने ।
७. कम्तीमा वर्षको २ पटक पर्यटन सम्बद्ध सरोकारवालासँग अन्तरकृया तथा गोष्ठी कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।

#### ४.६ पर्यटन विकास गुरुयोजनामा सिफारिस गरिएका कार्यक्रमहरू

##### ४.६.१ पर्यटन क्षेत्र विशेष कार्यक्रमहरू

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम  | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय       | सहयोगी निकाय | प्राथमिकता |
|---------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------------|--------------|------------|
|         |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                       |              |            |
| १       | होम स्टे संचालनका लागि गाउँपालिकाका हरेक वडामा स्थान पहिचान गरि सम्भाव्यता अध्ययन |                  |           |            | ३००                       | गा.पा., प्र.          | स्था. क्ल.   |            |
| २       | दक्ष जनशक्ति उत्पादनका लागि होम स्टे सञ्चालन सम्बन्धी आवश्यक तालिम सञ्चालन        | √                |           |            | ३००                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              | १          |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम  | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय       | सहयोगी निकाय | प्राथमिकता |
|---------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------------|--------------|------------|
|         |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                       |              |            |
| ३       | होम स्टे व्यवस्थित गर्न स्थानीय परिकार र स्थानीय परम्परागत संस्कृति प्रर्वद्धन सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन | √                |           |            | २००                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |
| ४       | स्वास्थ्य तथा सरसफाई सम्बन्धी जनचेतनामुलक कार्यक्रम सञ्चालन   |                  | √         |            | २००                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |
| ५       | आवश्यक स्थानमा खानेपानी तथा बिजुली बत्तिको व्यवस्था   | √                |           |            | १३००                      | गा.पा., प्र.स., व.का. |              | १          |
| ६       | पर्यटकीय स्थल सम्म पुग्ने सडकको स्तरोन्नति गरि सडक बत्ति जडान   |                  | √         |            | १०००                      | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |
| ७       | होमस्टे संचालन सम्बन्धी पालिका तथा वडास्तरीय समिति गठन  | √                |           |            | १००                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |
| ८       | पुराना डिजाइनका (परम्परागत मौलिक) घर र अन्य पूर्वाधार निर्माणमा सहूलियत प्रदान                            | √                |           |            | ४००                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |
| ९       | होम स्टे दर्ता प्रक्रिया सहज बनाइ दर्तामा सहूलियत प्रदान  | √                |           |            | १००                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम  | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय       | सहयोगी निकाय | प्राथमिकता |
|---------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------------|--------------|------------|
|         |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                       |              |            |
| १०      | भकाञ्जेमा होमस्टे संचालन गर्न स्थानीय तथा निजि क्षेत्रलाई प्रोत्साहन  | √                |           |            | २००                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |
| ११      | सेर्पा, थामी र क्षेत्री संस्कृति झल्किने घर टहरा निर्माणमा सहूलियत प्रदान                                     |                  | √         |            | ३००                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |
| १२      | लामजुरामा होम स्टे संचालन गर्न आवश्यक पूर्वाधार निर्माण   |                  | √         |            | ५००                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |
| १३      | वडा नं. ४ बाट छुसा भ्यू प्वाइन्ट जाने बाटो आसपासमा होमस्टे संचालनका लागि स्थानीय र निजि क्षेत्रलाई प्रोत्साहन | √                |           |            | १२०                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |
| १४      | वडा नं. २ सिमलबोटे देउराली जाने बाटो आसपासका क्षेत्रमा होम स्टे संचालनका लागि अध्ययन                          | √                |           |            | १३०                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |
| १५      | वडा नं. १ को गुम्बा, काफ्लेचौर, काप्ते, गेचु लगायतका स्थानमा होम स्टे संचालनका लागि अध्ययन                    |                  | √         |            | १५०                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |
| १६      | संचालित र सम्भावित पदमार्गमा स्थान पहिचान   |                  | √         |            | १५०                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय       | सहयोगी निकाय | प्राथमिकता |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------------|--------------|------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                       |              |            |
|         | गरि होम स्टे संचालनका लागि अध्ययन  |                  |           |            |                           |                       |              |            |
| १७      | गाउँपालिकामा होम स्टे संचालनका लागि न्यूनतम आवश्यक मापदण्ड निर्माण गरि कार्यान्वयन | √                |           |            | १००                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |
| १८      | होम स्टे संचालन सम्बन्धी स्थानीय नीति निर्माण गरि कार्यान्वयन                      | √                |           |            | १००                       | गा.पा., प्र.स., व.का. |              |            |

### पर्या-पर्यटन र प्रकृति पर्यटन

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय        | सहयोगी निकाय                  | प्राथमिकता |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|------------------------|-------------------------------|------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                        |                               |            |
| १       | यहाँ रहेको राष्ट्रिय वनमा जंगल सफारीको लागि सम्भाव्यता अध्ययन  | √                |           |            | १५०                       | गा.पा., प्र.स., व.का., | प्र.स., स्था.सं., दा.नि., NTB | २          |
| २       | लिखु नदी किनाराका सम्भावनायुक्त स्थानमा बस्त्र र मनोरञ्जन गर्न बेन्च, पिकनिक सेड तथा अन्य आवश्यक पूर्वाधार निर्माण | √                |           |            | ५००                       | गा.पा., प्र.स., व.का., |                               |            |
| ३       | लिखु पिके खोला तारबार र सौन्दर्यकरण गर्न DPR   |                  | √         |            | १५००                      | गा.पा., प्र.स., व.का., |                               | २          |
| ४       | बुद्ध चिल्ड्रेन पार्क तथा पिकनिक स्थलको स्तरोन्नति   |                  | √         |            | १५००                      | गा.पा., प्र.स., व.का., |                               | २          |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय         | सहयोगी निकाय | प्राथमिकता |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-------------------------|--------------|------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                         |              |            |
| ५       | गेष्चुका बौद्ध गुफाहरु तथा छाम गर्ने गुफाको सौन्दर्यकरण                        |                  | √         |            | २२०                       | गा.पा., प्र. स., व.का., |              | ३          |
| ६       | किञ्जा क्षेत्रका सबै घरहरुमा एकै किसिमको रंगका लागि आर्थिक सहूलियत प्रदान      |                  | √         | √          | ३३०                       | गा.पा., प्र. स., व.का., |              | २          |
| ७       | वडा न. २ को प्रसिद्ध रञ्जना देवी थान-यर्माख को स्तरोनन्ती                      | √                |           |            | ३४०                       | गा.पा., प्र. स., व.का., | प्रस., NTB,  | १          |
| ८       | किन हिल मा भ्यू पोइन्ट र पदमार्ग निर्माण                                       | √                |           |            | ६००                       | गा.पा., प्र. स., व.का., | दा.नि .      |            |
| ९       | लिखु पिके टाकुरामा भ्यू पोइन्ट निर्माण र बसका लागि सेड र बेन्च निर्माण         |                  | √         |            | ३५०                       | गा.पा., प्र. स., व.का., |              | २          |
| ११      | भ्यू पोइन्टहरुमा दृश्यावलोकन का लागि दुरबिनको व्यवस्था                         |                  | √         |            | ५०                        | गा.पा., प्र. स., व.का., |              | ३          |
| १२      | वडा न. ५ को तिनतले ओडार र ठूलो चम्बुर ओडारको संरक्षण र प्रर्वद्धन              | √                |           |            | ५०                        | गा.पा., प्र. स., व.का., | जीस.स.       | १          |
| १३      | पर्यटकीय क्षेत्रमा फोहोर व्यवस्थापनका लागि डस्टबिन र अन्य सामग्रीको व्यवस्थापन |                  | √         |            | ५०                        | गा.पा., प्र. स., व.का., |              |            |
| १४      | नाम्खेली डाँडा चढने र झर्ने सिंढी निर्माण                                      |                  | √         |            | १००                       | गा.पा., प्र. स., व.का., |              |            |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम  | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय         | सहयोगी निकाय | प्राथमिकता |
|---------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|-------------------------|--------------|------------|
|         |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                         |              |            |
| १५      | गुफा वरपर सरसफाई गरि ध्यान तथा विश्राम गर्न आवश्यक पूर्वाधार निर्माण        | √                |           |            | १००                       | गा.पा., प्र. स., व.का., | जी.स.स.      | १          |
| १६      | आवश्यकता पहिचान गरि विभिन्न स्थानमा खानेपानी र सार्वजनिक शौचालय निर्माण     |                  | √         |            | ५०                        | गा.पा., प्र. स., व.का., |              |            |
| १७      | अग्ला टाकुराहरुमा सुविधायुक्त दुरबिन सहितको दृश्यावलोकन केन्द्र निर्माण     | √                |           |            | ४०                        | गा.पा., प्र. स., व.का., |              | १          |
| १८      | सरसफाई एवं फोहोरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी जनचेतनामुलक कार्यक्रम              | √                |           |            | १००                       | गा.पा., प्र. स., व.का., |              |            |
| १९      | कुहिने र नकुहिने फोहोरलाई छुट्टा छुट्टै व्यवस्थापन गर्न जनचेतना अभियान      | √                |           |            | १००                       | गा.पा., प्र. स., व.का., |              |            |
| २०      | विभिन्न स्थानमा पर्यटकहरुलाई बस प्रतिक्षालय निर्माण                         | √                |           |            | १५००                      | गा.पा., प्र. स., व.का., |              |            |
| २१      | मुख्य पर्यटकीय स्थल सम्म पुग्ने सडक निर्माण तथा सडकको स्तरोन्नतिका लागि DPR |                  | √         |            | ३५००                      | गा.पा., प्र. स., व.का., |              |            |
| २२      | पर्यटकीय स्थलमा सवारी साधन पार्किङको उचित व्यवस्था                          |                  | √         |            | ६००                       | गा.पा., प्र. स., व.का., |              |            |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम  | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय         | सहयोगी निकाय | प्राथमिकता |
|---------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|-------------------------|--------------|------------|
|         |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                         |              |            |
| २३      | प्राकृतिक सम्पदाहरुको प्रचार प्रसार (प्रिन्ट) मिडिया, एफएम, रेडियो, टिभी आदि)     | √                | √         | √          | १००                       | गा.पा., प्र. स., व.का., | NTB, प्र.स.  | १          |
| २४      | स्थानीय, होटल व्यवसायी तथा अन्य निजि क्षेत्रसँग समन्वय गरी होटल निर्माणमा सहजीकरण | √                |           |            | १०                        | गा.पा., प्र. स., व.का., |              |            |
| २५      | पर्यटकीय स्थल नजिक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार केन्द्र निर्माण तथा व्यवस्थापन        |                  | √         |            | ६००                       | गा.पा., प्र. स., व.का., |              |            |

### ऐतिहासिक पर्यटन

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम  | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय         | सहयोगी निकाय            | प्राथमिकता |
|---------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|-------------------------|-------------------------|------------|
|         |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                         |                         |            |
| १       | गाउँपालिका का ऐतिहासिक क्षेत्रहरुको विवरण संकलन तथा अध्ययन अनुसन्धान          | √                |           |            | ३०                        | गा.पा., प्र. स., व.का., | पु.वि.स्था. नि., दा.नि. | १          |
| २       | पुरातात्विक विभागसँग समन्वय गरी ऐतिहासिक स्थलहरुलाई सूचीकरण                   |                  | √         |            | १५०                       | गा.पा., प्र. स., व.का., | पु.वि.स्था.नि ., दा.नि. |            |
| ३       | छामगर्ने गुफालाई ऐतिहासिक स्थलका रुपमा विकास गर्न पुरातात्विक विभागसँग समन्वय |                  |           | √          | १५०                       | गा.पा., प्र. स., व.का., | पु.वि.स्था.नि ., दा.नि. |            |



| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय         | सहयोगी निकाय            | प्राथमिकता |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-------------------------|-------------------------|------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                         |                         |            |
| ४       | यर्माखु देखी पिके सम्मका सडक आसपासका गुम्बा सम्म पुग्ने पद मार्गको स्तरोन्नति              | √                | √         |            | १५००                      | गा.पा., प्र. स., व.का., | पु.वि.,स्था.नि., दा.नि. |            |
| ५       | ऐतिहासिक जानकारी लेखिएको स्तम्भ निर्माण  |                  | √         |            | ३००                       | गा.पा., प्र. स., व.का., | पु.वि.,स्था.स., दा.नि.  |            |
| ६       | व्यक्तिको नाममा दर्ता जग्गा प्राप्त गरी तार, जाली र घेराबार                                |                  |           | √          | १००                       | गा.पा., प्र. स., व.का., | पु.वि.,स्था.स., दा.नि.  | ४          |
| ७       | गाउँपालिका का ऐतिहासिक स्थलहरुको प्रचार प्रसार (प्रिन्ट मिडिया, रेडियो, टिभी, वेबसाइट आदि) | √                |           |            | ५०                        | गा.पा., प्र. स., व.का., | पु.वि.,स्था.स., दा.नि.  |            |
| ८       | इतिहास झल्किने चित्रकला र मूर्तिकलाहरु निर्माण   |                  | √         |            | ५०                        | गा.पा., प्र. स., व.का., | पु.वि.,स्था.स., दा.नि.  | ३          |
| ९       | पालिकाका विभिन्न स्थानमा ऐतिहासिक स्थलहरुको विवरण सहितका बोर्ड निर्माण                     | √                |           |            | ५०                        | गा.पा., प्र. स., व.का., | पु.वि.,स्था.स., दा.नि.  | १          |

## धार्मिक पर्यटन

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय              | सहयोगी निकाय                    | प्राथमिकता |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|------------------------------|---------------------------------|------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                              |                                 |            |
| १       | पालिकामा रहेका सम्पूर्ण धार्मिक स्थलहरुको तथ्याङ्क संकलन   |                  | √         |            | ४०                        | गा.पा.,<br>स्था.स.,<br>धा.स. | स.प.<br>ना.उ.<br>म.,<br>दा.नि., | २          |
| २       | सम्पूर्ण धार्मिक स्थलहरुको अध्ययन गरि विस्तृत धार्मिक प्रोफाइल निर्माण   |                  | √         |            | ५०                        | गा.पा.,<br>स्था.स.,<br>धा.स. | स.प.<br>ना.उ.<br>म.,<br>दा.नि., | २          |
| ३       | पिके क्षेत्र सौन्दर्यकरण   |                  |           | √          | २०                        | गा.पा.,<br>स्था.स.,<br>धा.स. | स.प.<br>ना.उ.<br>म.,<br>दा.नि., | २          |
| ४       | पर्यटकीय स्थल वरपर विश्राम गर्नका लागि बेन्च र सेड सहितको विश्राम स्थल निर्माण                                       | √                | √         |            | १००                       | गा.पा.,<br>स्था.स.,<br>धा.स. | स.प.<br>ना.उ.<br>म.,<br>दा.नि., |            |
| ५       | लिखु नदिमा पानीले घुम्ने माने/ ज्युंगबार (Prayer wheel) निर्माण  |                  | √         |            | ५००                       | गा.पा.,<br>स्था.स.,<br>धा.स. | स.प.<br>ना.उ.<br>म.,<br>दा.नि., |            |
| ११      | १००० वर्ष पुरानो सागाँ छोलिङ गुम्बा परिसरलाई घेराबार गरि बस्रका लागि स्थानीय कच्चा पदार्थको प्रयोग गरी बेन्च निर्माण |                  | √         |            | १००                       | गा.पा.,<br>स्था.स.,<br>धा.स. | स.प.<br>ना.उ.<br>म.,<br>दा.नि., | २          |
| १२      | मन्दिरहरुमा पुजारी बस्रका लागि पूर्वाधार निर्माण   |                  | √         |            | २००                       | गा.पा.,<br>स्था.स.,<br>धा.स. | स.प.<br>.उ.ना<br>म,<br>दा.नि.,  | १          |
| २२      | धार्मिक स्थलहरुको महत्त्व सहित प्रचार प्रसार   |                  | √         | √          | २००                       | गा.पा.,<br>स्था.स.,<br>धा.स. | स.प.<br>.उ.ना<br>म,<br>दा.नि.,  |            |
| २३      | पालिकामा रहेका जिर्ण अवस्थाका मन्दिरहरुको प्राथमिकताको आधारमा आवश्यक मर्मत सम्भार                                    | √                | √         |            | १५००                      | गा.पा.,<br>स्था.स.,<br>धा.स. | स.प.<br>.उ.ना<br>म,<br>दा.नि.,  |            |

## शैक्षिक पर्यटन

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय        | सहयोगी निकाय     | प्राथमिकता |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|------------------------|------------------|------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                        |                  |            |
| १       | यहाँको संस्कृतिको अध्ययन अनुसन्धान   |                  | √         |            | १५०                       | गा.,पा.,का.व.शै,स. DEO | दा.नि.,स्था.सं., | ३          |
| ४       | कृषि तथा वनका विधार्थी लक्षित जडिबुटी तथा स्थानीय कृषि उत्पादन सम्बन्धी अध्ययन                                       | √                |           |            | १५०                       | गा.,पा.,का.व.शै,स. DEO | दा.नि.,स्था.सं., |            |
| ५       | रेडपाण्डा लगायत लोपुन्मुख अन्य वन्यजन्तु सम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान   |                  | √         |            | १५०                       | गा.,पा.,का.व.शै,स. DEO | दा.नि.,स्था.सं., |            |
| ६       | गाउँपालिका को पहिरो तथा अन्य प्राकृतिक प्रकोप सम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान  |                  | √         |            | १५०                       | गा.,पा.,का.व.शै,स. DEO | दा.नि.,स्था.सं., |            |
| ७       | गाउँपालिका को संस्कृती, जातजाति आदिका बारे सोध अध्ययन गर्ने विद्यार्थीलाई विशेष प्रोत्साहन छात्रवृत्ति कोषको स्थापना |                  | √         |            | १५०                       | गा.,पा.,का.व.शै,स. DEO | दा.नि.,स्था.सं., |            |

## खेल पर्यटन

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम                              | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय        | सहयोगी निकाय                    | प्राथमिकता |
|---------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|------------------------|---------------------------------|------------|
|         |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                        |                                 |            |
| १       | नामखेली पोखरी एरियामा व्यवस्थित खेल मैदान निर्माण |                  |           | √          | १००                       | गा.पा.,स्था.क्ल.,खे.प. | स.स., युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय | २          |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय          | सहयोगी निकाय                    | प्राथमिकता |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|--------------------------|---------------------------------|------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                          |                                 |            |
| २       | अन्तरवडा भलिबल प्रतियोगिता संचालन  | √                |           |            | २००                       | गा.पा., स्था.क्ल., खे.प. | स.स., युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय | २          |
| ३       | पालिकामा रहेको खेल मैदानको स्तरोन्नति  |                  | √         | √          | २००                       | गा.पा., स्था.क्ल., खे.प. | स.स., युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय | १          |
| ४       | हरेक विद्यालयमा खेल मैदान निर्माण  | √                | √         |            | १००                       | गा.पा., स्था.क्ल., खे.प. | स.स., युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय | २          |
| ५       | खेल प्रशिक्षकका लागि आवश्यक तालिम संचालन   | √                |           |            | ३००                       | गा.पा., स्था.क्ल., खे.प. | स.स., युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय | २          |
| ६       | क्लबस्तरीय खेलकुद आयोजना   | √                |           |            | २००                       | गा.पा., स्था.क्ल., खे.प. | स.स., युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय |            |
| ७       | खेल पर्यटन प्रवर्द्धनका लागि म्याराथन आयोजना   |                  | √         |            | ५००                       | गा.पा., स्था.क्ल., खे.प. | स.स., युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय |            |
| ८       | छुसा र रमिते इमाटाक चिया बगानको किनाराबाट साइकल ट्रेल निर्माण गरि साइक्लिङ प्रतिस्पर्धा आयोजना | √                |           |            | ५००                       | गा.पा., स्था.क्ल., खे.प. | स.स., युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय |            |
| ९       | आन्तरिक खेलका लागि सुबिधा सम्पन्न कबर्ड हल निर्माण गरि प्रतियोगिता आयोजना                      | √                |           |            | ५००                       | गा.पा., स्था.क्ल., खे.प. |                                 |            |

### साँस्कृतिक पर्यटन

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय                 | प्राथमिकता |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|------------------------------|------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |                              |            |
| १       | साँस्कृतिक संग्रहालय निर्माण   | √                | √         | √          | २००                       | गा.पा., प्र.स., | NTB, स्था.सं., ज.सं., धा.सं. | २          |
| २       | परम्परागत घरहरु निर्माणका लागि सहूलियत प्रदान (भवन निर्माण मापदण्डमा उल्लेख गर्ने) | √                |           |            | मापदण्ड अनुसार            | गा.पा., प्र.स., | NTB, स्था.सं., ज.सं., धा.सं. | १          |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम  | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय                | प्राथमिकता |
|---------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|-----------------------------|------------|
|         |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |                             |            |
| ३       | स्थानीय सँस्कृति प्रवर्द्धनका लागि आवश्यक बाजा तथा अन्य सामग्री खरिदका लागि अनुदान                      |                  | √         |            | २००                       | गा.पा., प्र.स., | NTB, स्था.सं., ज.सं., धा.सं | १          |
| ४       | स्थानीय कला सँस्कृति प्रवर्द्धनका लागि समय समयमा ( नृत्य, गायन, नौटंकी आदि) साँस्कृतिक कार्यक्रम आयोजना | √                |           |            | ५००                       | गा.पा., प्र.स., | NTB, स्था.सं., ज.सं., धा.सं |            |
| ७       | स्थानीय कला, सिप र सँस्कृति संरक्षण हेतु पुस्तैनी सँस्कृति हस्तान्तरण कार्यक्रम                         | √                |           | √          | ५६०                       | गा.पा., प्र.स., | NTB, स्था.सं., ज.सं., धा.सं |            |
| ८       | स्थानीय कला सँस्कृतिको राष्ट्रियस्तरमा प्रचार प्रसार  | √                | √         | √          | ४००                       | गा.पा., प्र.स., | NTB, स्था.सं., ज.सं., धा.सं |            |
| ९       | युवा पुस्तालाई पारम्परिक उद्यमतर्फ आकर्षित गर्न प्रोत्साहन कार्यक्रम                                    | √                |           | √          | १५०                       | गा.पा., प्र.स., | NTB, स्था.सं., ज.सं., धा.सं |            |
| १०      | सँस्कृति प्रवर्द्धनका लागि हरेक वडामा साँस्कृतिक समूह गठन   | √                | √         | √          | ३५०                       | गा.पा., प्र.स., | NTB, स्था.सं., ज.सं., धा.सं |            |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम  | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय                | प्राथमिकता |
|---------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|-----------------------------|------------|
|         |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |                             |            |
|         | गरि विभिन्न कार्यक्रम संचालन  |                  |           |            |                           |                 |                             |            |
| ११      | लोपोन्मुख साँस्कृतिक संरक्षणका लागि अग्रजहरुको सहभागिता मा छलफल तथा तालिमहरु आयोजना                                 | √                | √         | √          | १५०                       | गा.पा., प्र.स., | NTB, स्था.सं., ज.सं., धा.सं |            |
| १२      | स्थानीय भाषा, कला साँस्कृतिक संरक्षण हेतु सम्बन्धित सामग्री प्रकाशन   | √                |           | √          | १००                       | गा.पा., प्र.स., | NTB, स्था.सं., ज.सं., धा.सं |            |
| १३      | वर्षभरी सञ्चालन हुने चाडपर्व तथा साँस्कृतिक कृयाकलाप व्यवस्थित रूपमा सञ्चालन गर्न वार्षिक साँस्कृतिक पात्रो निर्माण | √                | √         | √          | १००                       | गा.पा., प्र.स., | NTB, स्था.सं., ज.सं., धा.सं |            |
| १४      | पालिकामा रहेका अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदाको Inventory निर्माण   | √                |           | √          | २००                       | गा.पा., प्र.स., | NTB, स्था.सं., ज.सं., धा.सं |            |

## कृषि पर्यटन

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय     | सहयोगी निकाय              | प्राथमिकता |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|---------------------|---------------------------|------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                     |                           |            |
| १       | काफ्लेचौर, भकाञ्जे, गुम्बा लगायत वडान ३,४ र ५ का अधिकांश खेती पाती भइरहेका |                  |           | √          | ३००                       | गा.पा., प्र.स., AKC | कृषक समूह, नि.सं., दा.नी. | २          |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम  | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय     | सहयोगी निकाय             | प्राथमिकता |
|---------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|---------------------|--------------------------|------------|
|         |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                     |                          |            |
|         | क्षेत्रलाई अर्गानिक कृषिक्षेत्र घोषणा गर्न पहल  |                  |           |            |                           |                     |                          |            |
| २       | दलहनबाली उत्पादनलाई प्रोत्साहन गर्न उचित मूल्यको स्थापनागरी बजारीकरण  | √                |           |            | ६००                       | गा.पा., प्र.स., AKC | कृषक समूह, नि.सं, दा.नी. |            |
| ३       | पर्यटकहरुलाई स्थानीय अर्गानिक खाना खुवाउन गाउँपालिका, वडा र होटल एसोसियसन बिच पहल   | √                |           |            | ५०                        | गा.पा., प्र.स., AKC | कृषक समूह, नि.सं, दा.नी. |            |
| ४       | गाउँपालिकाका केही क्षेत्रलाई रासायनिक मल र किटनाशक विषादी मुक्त घोषणा गरि स्थानीय उत्पादनलाई प्रोत्साहन   |                  | √         |            | १००                       | गा.पा., प्र.स., AKC | कृषक समूह, नि.सं, दा.नी. |            |
| ५       | लिखु पिकेलाई Organic Products Hub बनाउन प्रोत्साहन कार्यक्रम  |                  | √         |            | ३००                       | गा.पा., प्र.स., AKC | कृषक समूह, नि.सं, दा.नी. |            |
| ६       | एक वडा एक कृषि पकेट क्षेत्र कार्यक्रम प्रभावकारी रुपमा संचालन   | √                |           |            | ४००                       | गा.पा., प्र.स., AKC | कृषक समूह, नि.सं, दा.नी. |            |
| ७       | स्थानीय उत्पादलाई (चिया, किवि, अलैंची, चोरीको छुर्पी र चिज आदि) प्याकेजिंग र ब्रान्डीड गरि राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा बिक्रि बितरण गर्न प्रोत्साहन कार्यक्रम संचालन |                  | √         |            | १००                       | गा.पा., प्र.स., AKC | कृषक समूह, नि.सं, दा.नी. |            |
| ८       | कृषि प्रर्वद्धनका लागि वार्षिक रुपमा कृषि मेला आयोजना   | √                |           |            | १०००                      | गा.पा., प्र.स., AKC | कृषक समूह, नि.सं, दा.नी. |            |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय     | सहयोगी निकाय             | प्राथमिकता |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|---------------------|--------------------------|------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                     |                          |            |
| ९       | कृषकहरुका लागि अध्ययन अवलोकन भ्रमण आयोजना                      | √                | √         |            | ३००                       | गा.पा., प्र.स., AKC | कृषक समूह, नि.सं, दा.नी. |            |
| १०      | अन्तर पालिका कृषक छलफल तथा अन्तरकृया कार्यक्रम आयोजना          | √                |           |            | २००                       | गा.पा., प्र.स., AKC | कृषक समूह, नि.सं, दा.नी. |            |
| ११      | सिँचाईका लागि पूर्वाधार निर्माण                                | √                |           | √          | १५००                      | गा.पा., प्र.स., AKC | कृषक समूह, नि.सं, दा.नी. |            |
| १२      | स्थानीय जडिबुटी सम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान                      | √                |           | √          | १००                       | गा.पा., प्र.स., AKC | कृषक समूह, नि.सं, दा.नी. |            |
| १३      | जडिबुटी उत्पादनको लागि स्थानीयलाई प्रोत्साहन र बजार व्यवस्थापन |                  |           |            | २००                       | गा.पा., प्र.स., AKC | कृषक समूह, नि.सं, दा.नी. |            |

### पदयात्रा (Trekking) तथा साइक्लिङ पर्यटन

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय         | प्राथमिकता |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|----------------------|------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |                      |            |
| १       | पदमार्ग प्रचार प्रसारका लागि म्याराथन आयोजना   |                  |           |            | ५००                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN , नि.सं, दा.नी. |            |
| ३       | सम्भावित पदमार्गहरु पहिचान गरि त्यसको अध्ययन   | √                |           |            | १२०                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN , नि.सं, दा.नी. |            |
| ४       | पदमार्गमा होमस्टे संचालनको सम्भाव्यता अध्ययन   | √                |           |            | १२०                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN , नि.सं, दा.नी. |            |
| ५       | पदयात्रीहरूलाई खान बस्नको सुबिधाका लागि विभिन्न स्थानमा होटल तथा रेस्टुरेन्ट र होम स्टेको व्यवस्थापन | √                |           |            | ६००                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN , नि.सं, दा.नी. |            |



| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय         | प्राथमिकता |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|----------------------|------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |                      |            |
| ६       | विभिन्न स्थानमा विवरण सहितको पदमार्गको नक्सा व्यवस्थापन              | √                |           |            | १००                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, नि.सं., दा.नी. |            |
| ७       | पदमार्गमा विश्रामस्थल, सार्वजनिक शौचालय निर्माण, खानेपानी व्यवस्थापन |                  | √         |            | ८००                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, नि.सं., दा.नी. |            |
| ८       | पदमार्ग प्रचार प्रसारका सामग्री उत्पादन तथा वितरण                    |                  | √         |            | २००                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, नि.सं., दा.नी. |            |
| ९       | हाल संचालित पदमार्गमा आवश्यकता पहिचान गरि दुवै तर्फ रेलिंग निर्माण   | √                |           |            | ३००                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, नि.सं., दा.नी. |            |
| १०      | सडकचोकहरूमा दिशा निर्देशित संकेत चिन्हहरू निर्माण                    | √                |           |            | १००                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, नि.सं., दा.नी. |            |
| ११      | साइकल ट्रेल निर्माणका लागि सम्भाव्यता अध्ययन                         | √                |           |            | १५०                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, नि.सं., दा.नी. |            |
| १२      | लिखु पिके साइकल यात्रा आयोजना  | √                | √         | √          | ४००                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, नि.सं., दा.नी. |            |

### साहसिक पर्यटन (Adventure Tourism)

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम                                | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय              | प्राथमिकता |
|---------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|---------------------------|------------|
|         |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |                           |            |
| १       | सबै वडाहरूमा हनी हन्टिंग सम्बन्धी सम्भाव्यता अध्ययन |                  |           | √          | १२०                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, NMA, नि.सं., दा.नी. | २          |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय             | प्राथमिकता |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|--------------------------|------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |                          |            |
| २       | पर्यटक लक्षित हनी हन्टिंग कार्यक्रम संचालन   | √                |           |            | ३६०                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, NMA, नि.सं, दा.नी. |            |
| ३       | यहाँ रहेको १ राष्ट्रिय वन तथा ६ वटा सामुदायिक वनहरुमा वर्ड वाचिङ र जंगल सफारीका लागि सम्भाव्यता अध्ययन | √                |           |            | १५०                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, NMA, नि.सं, दा.नी. |            |
| ४       | लुमुकर्मा जंगल भित्र जिपलाइन सम्बन्धी सम्भाव्यता अध्ययन  |                  | √         |            | ३००                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, NMA, नि.सं, दा.नी. |            |
| ५       | वडा नं. २ को सिमलबोटे देउरालीमा हनिहन्टिङ का लागि सम्भाव्यता अध्ययन                                    |                  | √         |            | ३००                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, NMA, नि.सं, दा.नी. |            |
| ६       | पिके डाँडाबाट प्याराग्लाइडिङ संचालनका लागि सम्भाव्यता अध्ययन   |                  | √         |            | ३००                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, NMA, नि.सं, दा.नी. |            |
| ७       | लिखु नदी लगायतका नदि तथा खोलाहरुमा फिसिङका लागि सम्भाव्यता अध्ययन                                      | √                |           |            | ३००                       | गा.पा., प्र.स.  | TAAN, NMA, नि.सं, दा.नी. |            |

## ४.६.२ मानव संसाधन क्षमता विकास कार्यक्रम

| क्र. सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय             | सहयोगी निकाय       | प्राथमिकि करण |
|----------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------------------|--------------------|---------------|
|          |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                             |                    |               |
| १        | पर्यटन विकास सचेतना कार्यक्रम (वडा तथा समुदाय स्तरमा)  | √                | √         |            | २०                        | गा.पा., व.का., स्थानीय जनता | दा.नी., NT, NATH M | १             |
| २        | साना तथा मझौला होटेल व्यवस्थापन तालिम <b>Hospitality Training (50 Persons), Cooking, House keeping(50 Persons), Waiter/ waitress (50 persons with focus to women groups)</b> | √                | √         |            | १००                       | गा.पा., स्थानीय जनता        | दा.नी., NT, NATH M | १             |
| ३        | घरबास पर्यटन व्यवस्थापन तालिम (१०० जना) संचालन   | √                | √         |            | ३००                       | गा.पा., स्थानीय जनता        | दा.नी., NT, NATH M | १             |
| ४        | पर्यटक गाइड तालिम (20 जना) संचालन  | √                | √         |            | २५०                       | गा.पा., स्थानीय जनता        | दा.नी., NT, NATH M | १             |
| ५        | विदेशी भाषा तालिम (English, German, French, Spanish, Chinese, Japanese) २ जना प्रत्येक भाषा  | √                |           |            | ३००                       | गा.पा., स्थानीय जनता        | दा.नी., NT, NATH M | १             |
| ६        | पर्यटन सूचना केन्द्रमा काम गर्न सक्ने दक्ष जनशक्ति उत्पादन   | √                |           |            | १५०                       | गा.पा., स्थानीय जनता        | दा.नी., NT, NATH M | १             |
| ७        | स्थानीय सँस्कृति सम्बन्धी तालिमहरु (स्थानीय सँस्कृति समूह) तथा उदघोषण तालिम संचालन (१० जना)  |                  | √         |            | १९०                       | गा.पा., स्थानीय जनता        | दा.नी., NT, NATH M | २             |
| ८        | हस्तकला सामग्री गुणस्तर सुधार तालिम संचालन (५० जना)  | √                |           |            | ३००                       | गा.पा., स्थानीय जनता        | दा.नी., NT, NATH M | २             |
| ९        | सम्भावित उद्यमीहरुको लागि व्यवस्थापन क्षमता सुधार तालिम संचालन   | √                | √         |            | ३००                       | गा.पा., स्थानीय जनता        | दा.नी., NT, NATH M | १             |
| १०       | महिलाहरुमा परम्परागत सँस्कृति, रितिरिवाज क्षमता अभिवृद्धि तालिम संचालन   |                  | √         | √          | २००                       | गा.पा., स्थानीय जनता        | दा.नी., NT, NATH M | २             |

| क्र. सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम  | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय      | सहयोगी निकाय       | प्राथमिकि करण |
|----------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|----------------------|--------------------|---------------|
|          |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                      |                    |               |
| ११       | स्थानीय विद्यालयका छनोट गरिएका शिक्षकहरुलाई पर्यटन, वातावरण र स्थानीय संस्कृति सम्बन्धी तालिम तथा प्रशिक्षण |                  | √         |            | १००                       | गा.पा., स्थानीय जनता | दा.नी., NT, NATH M | २             |
| १२       | सामुदायिक संस्थाहरुका (Community Based Organizations) लागि पर्यटन योजना, विकास, तथा व्यवस्थापन तालिम संचालन |                  | √         |            | १००                       | गा.पा., स्थानीय जनता | दा.नी., NT, NATH M | १             |

### ४.६.३ पर्यटन प्रवर्द्धन, बजारीकरण तथा अनुसन्धान विकास कार्ययोजना

| क्र. सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय | प्राथमिकि करण |
|----------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|--------------|---------------|
|          |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |              |               |
| १        | लिखु पिके पर्यटन बोर्ड स्थापना   | √                |           |            | २०                        | गा.पा.,         | स्था.स.      | १             |
| २        | पालिकास्तरीय पर्यटन सूचना तथा सेवा केन्द्र स्थापना   |                  | √         |            | १००                       | गा.पा.,         | स्था.स.      | १             |
| ३        | पर्टकीय स्थलहरु बारेका पुस्तिका, नक्सा, वृत्तचित्र, पोष्टर तथा पर्चा निर्माण                           |                  | √         |            | १०                        | गा.पा.,         | स्था.स.      | १             |
| ४        | लिखु पिके गाउँपालिकाको वेबसाइटमा यस क्षेत्रका पर्यटकीय गन्तव्य र उत्पादनहरुको विवरण राखी प्रचार प्रसार | √                |           |            | २०                        | गा.पा.,         | स्था.स.      | १             |
| ५        | यस क्षेत्रका समुदाय, संस्कृति र सम्पदाहरुको अनुसन्धानमुलक पुस्तक प्रकाशन                               |                  | √         |            | १०                        | गा.पा.,         | स्था.स.      | २             |
| ६        | पर्यटन बजारीकरणका लागि युट्युब, vlog, फेसबुक, एफ.एम., रेडियो र टेलिभिजन मार्फत प्रचार प्रसार           | √                |           |            | ५०                        | गा.पा.,         | स्था.स.      | १             |
| ७        | याक नृत्य, स्याब्रु नृत्य, ज्वालामाई जात्रा, यारज्याड, राँके मेला, जस्ता साँस्कृतिक महत्व              | √                |           |            | ३००                       | गा.पा.,         | स्था.स.      | १             |

| क्र. सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम  | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय | प्राथमिकिकरण |
|----------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|--------------|--------------|
|          |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |              |              |
|          | झल्काउने पर्व तथा मेलाहरुलाई निरन्तरता दिँदै पर्यटकीय हिसाबले संचालन र प्रर्वद्धन   |                  |           |            |                           |                 |              |              |
| ८        | अन्य प्रर्वद्धनात्मक कार्यक्रमहरु सञ्चालन   |                  | √         |            | १५०                       | गा.पा.,         | स्था.स.      | २            |
| ९        | पर्यटन ब्रान्डको प्रर्वद्धन   |                  |           |            | १५०                       | गा.पा.,         | स्था.स.      | १            |
| १०       | साँस्कृतिक धरोहरहरु (जीवनशैली, भाषा, संगीत, नाच, जात्रा आदी) को पहिचान दस्तावेज तयार पार्ने र वार्षिक साँस्कृतिक क्यालेन्डर निर्माण | √                | √         | √          | ५०                        | गा.पा.,         | स्था.स.      | १            |
| ११       | एक गाउँ एक उत्पादनको पहिचान गरि प्रर्वद्धन (जस्तै Festivals, Dance, Music, Handicrafts, Souvenir Items, Organic Farming Etc.)       | √                | √         | √          | ५०                        | गा.पा.,         | स्था.स.      | १            |
| १२       | स्थानीय पर्व, साँस्कृति, रितिरिवाज, गीत संगीत, नाचहरुको डकुमेन्ट्री (Audio/Visual) निर्माण  | √                | √         | √          | ५०                        | गा.पा.,         | स्था.स.      | २            |
| १३       | ICT मा आधारित प्रचार सामग्रीहरु निर्माण   | √                | √         | √          | ५०                        | गा.पा.,         | स्था.स.      | २            |
| १४       | पर्यटन आगमनको तथ्याङ्क तथा प्रोफाइल अद्यावधिक कार्यक्रम   | √                | √         | √          | १५०                       | गा.पा.,         | स्था.स.      |              |
| १५       | सम्भावित पर्यटन बजारको पहिचान तथा प्रर्वद्धन गर्न (International as well as domestic) अध्ययन  | √                |           |            | १५०                       | गा.पा.,         | स्था.स.      |              |
| १६       | आन्तरिक, वैदेशिक तथा भारतीय पर्यटक  | √                | √         | √          | १००                       | गा.पा.,         | स्था.स.      |              |

| क्र. सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय | प्राथमिकिकरण |
|----------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|--------------|--------------|
|          |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |              |              |
|          | लक्षित tourism packages निर्माण  |                  |           |            |                           |                 |              |              |
| १७       | प्रतिक्रियाका लागि पर्यटक तथा tour operator हरूसँग अन्तरक्रिया                       | √                | √         | √          | १००                       | गा.पा.,         | स्था.स.      | १            |
| १८       | लिखु पिके को बृहत गाइड बुक तथा Coffee Table Book निर्माण र प्रचार प्रसार             |                  | √         |            | १२०                       | गा.पा.,         | स्था.स.      | १            |
| १९       | विभिन्न स्थानमा लिखु पिकेको पर्यटकीय सम्पदा झल्किने गरी डिजिटल होर्डिङ बोर्ड निर्माण |                  | √         |            | ५०                        | गा.पा.,         | स्था.स.      |              |

#### ४.६.४ पर्यटकीय तथा वातावरण सचेतना कार्ययोजना

| क्र. सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय कार्यान्वयन अवधि | सहयोगी निकाय | प्राथमिकिकरण |
|----------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|----------------------------------|--------------|--------------|
|          |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                                  |              |              |
| १        | परम्परागत ज्ञान तथा सीपहरु संकलित दस्तावेज प्रकाशन                             | √                |           |            | ५०                        | गा.पा.,<br>शैक्षिक संस्था        |              |              |
| २        | पर्यटन, संस्कृति तथा वातावरण सचेतना कार्यक्रमहरु संचालन                        | √                |           |            | ५०                        | गा.पा.,<br>शैक्षिक संस्था        |              |              |
| ३        | पर्यटकीय स्रोतहरु र तिनको संरक्षण गर्नुपर्ने आवश्यकता बुझाउने बोर्डहरु निर्माण |                  | √         |            | २०                        | गा.पा.,<br>शैक्षिक संस्था        |              |              |
| ४        | स्थानीय विद्यालयमा पर्यटन, संस्कृति र वातावरण क्लबहरु स्थापना                  |                  | √         |            | २०                        | गा.पा.,<br>शैक्षिक संस्था        |              |              |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय कार्यान्वयन अवधि     | सहयोगी निकाय | प्राथमिकि करण |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|--------------------------------------|--------------|---------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                                      |              |               |
| ५       | परम्परागत सीप तथा ज्ञानको महत्त्वको बिषयमा स्थानीय समुदायहरुलाई सचेतना कार्यक्रम | √                |           |            | १२०                       | स्थानीय समुदाय, , शिक्षा समन्वय इकाई |              |               |
| ६       | पर्यटन विषय पढाउने पाठ्यक्रम निर्माण गरी लागू गर्न अवश्यक पहल                    |                  |           | √          | १००                       | स्थानीय समुदाय, , शिक्षा समन्वय इकाई |              |               |

#### ४.६.५ नविन पर्यटकीय उत्पादन विकास तथा पर्यटकीय क्रियाकालाप विविधिकरण कार्य योजना

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय | प्राथमिकि करण |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|--------------|---------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |              |               |
| १       | नविन पर्यटकीय उत्पादनहरुका लागि सम्भाव्यता अध्ययन  | √                |           |            | २०                        | गा.पा.,         |              | १             |
| २       | सम्भावित पर्यटन उद्यमहरु पहिचान , (दुवै पर्यटन उत्पादन र सेवा र अन्य सहायक उत्पादन तथा सेवाहरुको बारेमा) | √                |           |            | १०                        | गा.पा.,         |              |               |
| ३       | स्थानीय उत्पादन तथा सेवाहरु अधिकतम उपयोगका लागि पर्यटन उद्यमशिलता तथा क्षमता अभिवृद्धि तालिम संचालन      | √                |           |            | १०                        | गा.पा.,         |              |               |
| ४       | होम स्टे संचालनका लागि पिछडिएका तथा महिला समुदायहरुलाई अनुदान कार्यक्रम                                  |                  | √         |            | १२०                       | गा.पा.,         |              |               |

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम  | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय | प्राथमिकि करण |
|---------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|--------------|---------------|
|         |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |              |               |
| ५       | नव उधमीहरुलाई पर्यटन उत्पादन विकास, प्याकेजिंग, प्राइसिंग तथा बजारीकरण (Development, Packaging, Pricing and Marketing) सम्बन्धी तालिम |                  | √         |            | २०                        | गा.पा.,         |              |               |
| ६       | स्थानीय किसानहरुलाई उच्च मूल्यका बालीनाली लगाउन तालिम   | √                |           |            | १०                        | गा.पा.,         |              |               |

#### ४.६.६ जैविक विविधता तथा प्राकृतिक परिदृश्य संरक्षण तथा व्यवस्थापन कार्ययोजना

| क्र.सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय | प्राथमिकि करण |
|---------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|--------------|---------------|
|         |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |              |               |
| १       | राष्ट्रिय, धार्मिक तथा सामुदायिक वन संरक्षण  | √                |           |            | १००                       | गा.पा.          |              |               |
| २       | सुधारिएको चुलो, बायो ब्रिकेट, बैकल्पिक उर्जा प्रयोग, उर्जा प्रयोग हुने भाडाहरुको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गर्न सहूलियत |                  | √         |            | १२०                       | गा.पा.          |              |               |
| ३       | वैज्ञानिक भू-उपयोग योजना निर्माण   | √                |           |            | ५००                       | गा.पा.          |              |               |
| ४       | विधुतीय चुलो प्रयोगमा प्रोत्साहन कार्यक्रम   | √                | √         | √          | २००                       |                 |              |               |
| ५       | पालिकाभर पाइने Flora र Fauna को विस्तृत profile निर्माण  |                  |           |            | १२०                       |                 |              |               |
| ६       | जैविक विविधता संरक्षण एकिकृत कार्ययोजना निर्माण गरी सम्बन्धित निकायसँग समन्वय                                      | √                | √         | √          | ५०                        |                 |              |               |



### ४.६.७ संस्थागत विकास कार्ययोजना

| क्र. सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम  | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय           | सहयोगी निकाय          | प्राथमिकि करण |
|----------|---|------------------|-----------|------------|---------------------------|---------------------------|-----------------------|---------------|
|          |   | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                           |                       |               |
| १        | अन्तर स्थानीय निकाय पर्यटन सहजीकरण समिति गठन                              |                  | √         |            | २०                        | गा.पा. पर्यटन विकास समिति | अन्य स्थानीय निकायहरू | १             |
| २        | वडास्तरमा पर्यटन विकास समितिहरू गठन                                       | √                |           |            | २०                        | गा.पा. पर्यटन विकास समिति | अन्य स्थानीय निकायहरू | १             |
| ३        | सबै पर्यटन विकास समितिहरूको क्षमता अभिवृद्धि                              |                  | √         |            | २०                        | गा.पा. पर्यटन विकास समिति | अन्य स्थानीय निकायहरू |               |
| ४        | पर्या-पर्यटनको लागि सामुदायिक बन उपभोक्ता समितिहरूको क्षमता अभिवृद्धि     |                  | √         |            | २०                        | गा.पा. पर्यटन विकास समिति | अन्य स्थानीय निकायहरू | २             |
| ५        | होमस्टे पर्यटन विकास समिति गठन  | √                | √         | √          | २०                        | गा.पा. पर्यटन विकास समिति | अन्य स्थानीय निकायहरू | १             |
| ६        | कम्तिमा वर्षको २ पटक सरोकारवाला निकायहरूसँग छलफल/ गोष्ठी कार्यक्रम संचालन | √                | √         | √          | ५                         | गा.पा. पर्यटन विकास समिति | अन्य स्थानीय निकायहरू | १             |

### ४.६.८ पर्यटन सुबिधा, पूर्वाधार तथा नया पर्यटकीय उत्पादन विकास कार्यक्रम

| क्र. सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम                                 | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय         | सहयोगी निकाय                    | प्राथमिकि करण |
|----------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-------------------------|---------------------------------|---------------|
|          |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                         |                                 |               |
| १        | पालिकामा सुबिधा सम्पन्न पर्यटक सूचना केन्द्र स्थापना |                  |           | √          | १००                       | गा.पा., प्र. स., व.का., | भ. वि., स्था.स. स., गै.आ. ने.स. | १             |
| २        | हरेक वडामा पर्यटकहरूका लागि सूचना उप-केन्द्र स्थापना |                  | √         |            | ३००                       | गा.पा., प्र. स.         |                                 |               |
| ३        | चिनो पसल तथा बिक्री भण्डार निर्माण                   | √                |           |            | ५००                       | गा.पा., प्र. स.         |                                 |               |

| क्र. सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम   | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय                    | प्राथमिकि करण |
|----------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|---------------------------------|---------------|
|          |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |                                 |               |
| ४        | ढल निकास तथा फोहोर व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यक्रम   |                  |           | √          | १२०                       | गा.पा., प्र. स. | भ. वि., स्था.स. स., गै.आ. ने.स. |               |
| ५        | पर्यटन क्षेत्रमा खानेपानी वितरणको व्यवस्थापन   | √                |           |            | ३००                       | गा.पा., प्र. स. | भ. वि., स्था.स. स., गै.आ. ने.स. |               |
| ६        | लिखु पिके पर्यटन प्याकेज निर्माण   | √                |           |            | २०                        | गा.पा., प्र. स. | भ. वि., स्था.स. स., गै.आ. ने.स. |               |
| ७        | निजि क्षेत्रसँग समन्वय गरि भाडाका साइकल तथा मोटर साइकल सेवा संचालन                       | √                |           |            | १३०                       | गा.पा., प्र. स. |                                 |               |
| ८        | उपयुक्त स्थान पहिचान गरि जातजातिगत साँस्कृतिक संग्रहालय निर्माण                          |                  | √         |            | १५००                      | गा.पा., प्र. स. |                                 |               |
| ९        | गाउँपालिका सौन्दर्यकरणको लागि हरेक गाउँमा एकै किसिमका घर निर्माणमा प्रोत्साहन            |                  | √         |            | ६००                       | गा.पा., प्र. स. | भ. वि., स्था.स. स., गै.आ. ने.स. |               |
| १०       | गाउँपालिकामा एम्बुलेन्सको व्यवस्था   | √                |           |            | १०००                      | गा.पा., प्र. स. | भ. वि., स्था.स. स., गै.आ. ने.स. |               |
| ११       | प्रवेशद्वार निर्माण  | √                |           |            | ६००                       |                 |                                 |               |
| १२       | उपयुक्त स्थान पहिचान गरि ढुंगाको पेटी निर्माण  |                  | √         |            | ४००                       |                 |                                 |               |
| १३       | महत्त्वपूर्ण बोटबिरुवा तथा जडिबुटी जम्मा गरी बोटानिकल गार्डेन (Botanical Garden) निर्माण |                  | √         |            | १२०                       | गा.पा., प्र. स. | भ. वि., स्था.स. स., गै.आ. ने.स. |               |

| क्र. सं. | प्रस्तावित कार्यक्रम                                 | कार्यान्वयन अवधि |           |            | अनुमानित लागत (रु.हजारमा) | जिम्मेवार निकाय | सहयोगी निकाय                    | प्राथमिकि करण |
|----------|--|------------------|-----------|------------|---------------------------|-----------------|---------------------------------|---------------|
|          |  | अल्पकालीन        | मध्यकालीन | दीर्घकालीन |                           |                 |                                 |               |
| १४       | वार्षिक रुपमा पालिकास्तरीय भलिबल प्रतियोगिता सञ्चालन | √                |           |            | ४२०                       | गा.पा., प्र. स. |                                 |               |
| १५       | पर्याप्त मात्रामा सुरक्षा पोस्टहरुको निर्माण         |                  |           | √          | ५००                       | गा.पा., प्र. स. |                                 |               |
| १६       | पर्याप्त मात्रामा स्वास्थ्य चौकीहरुको निर्माण        |                  |           | √          |                           | गा.पा., प्र. स. |                                 |               |
| १७       | पहिरोग्रस्त क्षेत्रमा आवश्यक भौतिक पूर्वाधार निर्माण |                  | √         |            | ३००                       | गा.पा., प्र. स. |                                 |               |
| १८       | नयाँ साइकल ट्रेल पहिचान गरि निर्माण                  |                  | √         |            | ३००                       | गा.पा., प्र. स. | भ. वि., स्था.स. स., गै.आ. ने.स. |               |
| १९       | पर्यटक विशेष उद्धार संयन्त्र निर्माण                 |                  | √         |            | ३००                       | गा.पा., प्र. स. | भ. वि., स्था.स. स., गै.आ. ने.स. |               |

### ४.७ लिखु पिकेमा पर्यटन विकासमा प्राथमिकता दिनुपर्ने कार्यक्रमहरू

लिखु पिकेमा एकीकृत पर्यटनको दिगो विकासका लागि प्राथमिकता दिनुपर्ने प्रमुख कार्यक्रमहरू यस प्रकार छन् ।

१. पर्यटन सूचना केन्द्रको स्थापना गर्ने,
२. साँस्कृतिक संग्रहालय निर्माण गर्ने,
३. ऐतिहासिक स्थलहरुको संरक्षण गर्ने ,
४. नयाँ सम्भावित पदमार्ग पहिचान गरि निर्माण गर्ने,
५. लिखु पिकेको साँस्कृतिक सम्पदाहरुको संरक्षण र प्रचार प्रसार गर्ने ,
६. यहाँका प्राकृतिक सम्पदा समेटी पर्यटकीय प्याकेजको विकास गर्ने,
७. हरेक वडामा स्थान पहिचान गरि खेल मैदान निर्माण गर्ने ,
८. गाउँपालिकाको हरेक वडालाई कृषि पकेट क्षेत्रका रुपमा विकास गर्ने ,
९. नदी किनार र अन्य ताल भएका क्षेत्रहरुलाई सिमसार क्षेत्रको रुपमा व्यवस्थित गरि बर्ड वाचिंग कार्यक्रम संचालन गर्ने,
१०. सम्भावित स्थानहरुमा होम स्टे सञ्चालनका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गर्नुका साथै समुदायस्तरको तालिम पनि संचालन गर्ने,

११. स्थानीय वस्तु उत्पादन र बजारीकरणका लागि तालिम एवं अन्य उचित कार्यक्रमहरु लागु गर्ने,
१२. स्थानीय संस्कृति प्रर्वद्धनका लागि नियमित सांस्कृतिक कार्यक्रम संचालन गर्ने,

## अध्याय - ५: पर्यटन व्यवस्थापन, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

### ५.१ पर्यटन व्यवस्थापन योजना

सामान्यता पर्यटन व्यवस्थापन निम्नानुसारका चार मुलभूत सिद्धान्तबाट निर्देशित हुन्छः

१. पर्यटन प्रणाली व्यवस्थापन
२. पर्यटन व्यापार व्यवस्थापन
३. पर्यटकीय वातावरण व्यवस्थापन
४. समसामयिक मुद्दा व्यवस्थापन

तसर्थ पर्यटन व्यवस्थापनले यी चार वटै आधारभूत सिद्धान्तहरू अपनाउनुपर्ने देखिन्छ। दिगो पर्यटन व्यवस्थापनका लागि विशेष गरि माग र आपूर्ति (Demand and Supply) सावधानीपूर्वक सुक्ष्म रूपमा मूल्याङ्कन गरिनु आवश्यक छ। माग अर्न्तगत पर्यटनले गर्दा वातावरण, प्रकृति, सामाजिक तथा साँस्कृतिक स्रोत तथा साधनहरू माथि पर्ने थप दबाबलाई बुझाउछ भने अर्कोतर्फ आपूर्ति तर्फ आवश्यक पर्यटकीय पूर्वाधार तथा सुविधाहरू र पर्यटनलाई सामाजिक, आर्थिक तथा वातावरणीय रूपमा व्यवहारिक बनाउने कुरा पर्दछ। त्यसैगरी माथि उल्लेखित मुद्दाहरू संगै समानान्तर रूपमा आउन सक्ने अन्य विविध मुद्दाहरूमा उचित ध्यान दिई समयमा नै व्यवस्थापन गर्नुपर्ने हुन्छ। जसमा निम्न पक्षहरूको व्यवस्थापन गर्न जरुरी देखिन्छ।

#### क) प्राकृतिक, साँस्कृतिक तथा ऐतिहासिक स्थल व्यवस्थापन

क्षेत्री र शेर्पा समुदायको बाहुल्यता रहेको लिखु पिके गाउँपालिकामा थुप्रै साँस्कृतिक तथा ऐतिहासिक स्थलहरू रहेको स्थलगत अध्ययनले देखाउँछ। अझै कतिपय सम्पदाहरू पहिचान गर्न बाँकी नै रहेको तथा पहिचान भैसकेको सम्पदाहरूको पनि उचित संरक्षण, प्रवर्द्धनमा हालसम्म कसैको पनि उल्लेख्य ध्यान पुगेको देखिदैन। त्यसैले स्थानीय समुदायहरूको चेतनास्तरमा वृद्धि गरि सम्बन्धित निकायको पनि सहभागितामा ती सम्पदाहरूको संरक्षण तथा प्रवर्द्धन गर्नु टड्कारो आवश्यकता छ।

#### ख) वातावरण तथा भू-परिदृश्य व्यवस्थापन

यो गाउँपालिका प्राकृतिक परिदृश्य तथा जैविक विविधतामा निकै नै धनी रहेको छ जुन यहाँको पर्यटन विकासको मूल आधार हो। तसर्थ प्राकृतिक अवैज्ञानिक भुमि व्यवस्थापन, जंगल तथा पानीका स्रोतहरूको दोहन, जथाभावी सडक निर्माण, अव्यवस्थित सहरीकरणका कारण प्राकृतिक वातावरण तथा परिदृश्यहरू माथि पर्ने नकारात्मक प्रभाव न्यूनीकरणका लागि नीति निर्माण तथा योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयन गर्नुपर्दछ। राष्ट्रिय, सामुदायिक तथा धार्मिक वनहरूको संरक्षणको लागि सम्बद्ध निकायहरू, गाउँपालिका, विषयगत शाखा, सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूको संयुक्त प्रयास आवश्यक देखिन्छ त्यसैगरी दिगो

वन व्यवस्थापनमार्फत् वन पैदावारहरूलाई उत्पादनमुखी बनाउन तथा पर्यापर्यटन विकासको लागि सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूको क्षमता अभिवृद्धि गर्नुपर्दछ । समुदायहरूको संलग्नतामा जलाधार क्षेत्रहरू विशेष गरि नदी, खोला वरपरका क्षेत्रहरूको संरक्षणमा जोड दिनुपर्दछ । बिना योजना जथाभावी कच्ची सडक निर्माण, वन पैदावार संकलन जस्ता कार्यलाई निरुत्साहीत गर्न ठोस पहलकदमी गर्नुपर्दछ । साथै उपलब्ध भू-स्रोतको उपलब्धता, क्षमता तथा प्राथमिकताको आधारमा गाउँपालिकाले पर्यटन क्षेत्रको अवधारणा विकास गर्नुपर्दछ ।

### ग) फोहोरमैला व्यवस्थापन

होटल, लज तथा घरबाट निस्कने फोहोरहरू धेरैजसो जैविक फोहोर हुने गर्दछन् । लिखु पिके क्षेत्रमा पर्यटक आगमन तथा होटल, लज, रेस्टुरेन्टहरूको सङ्ख्या बढे संगै फोहोर मैला व्यवस्थापन एक प्रमुख चुनौतीको रूपमा देखापर्न सक्छ । विशेषगरि पर्यटकहरूको भिड हुने मनोरञ्जन स्थल, पार्क, पिकनिक स्थल, पर्यटकीय सम्पदा तथा दृश्यावलोकन स्थल वरपर जथाभावी र अव्यवस्थित रूपमा फोहोर फालेको पाइन्छ । यद्यपी गाउँपालिकाले यि क्षेत्रमा फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि फोहोर उठाउने कार्य सुरु गरिसकेको छ तर त्यो अझै चुस्त गतिले अगाडि बढ्न सकेको छैन । विभिन्न क्षेत्रहरूबाट कति र कस्ता किसिमका फोहोरहरू उत्पादन भैरहेका छन् भन्ने कुनै तथ्याङ्क छैन जुन फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि अपरिहार्य हुन्छ ।

- फोहोरमैला संकलन
- सडक बढार्ने काम
- बजारक्षेत्रमा घर, पसल, होटल अगाडि फोहोर संकलन बाकस

लिखु पिकेको मुख्य बजारक्षेत्र तुलनात्मक रूपमा सफा रहेको भएतापनि समग्र व्यवस्थापनका लागि निम्नानुसारका प्रमुख काम गर्नुपर्छ ।

१. वैज्ञानिक फोहोरमैला व्यवस्थापन योजना निर्माण गरि लागु गर्ने ।
२. फोहोरमैला व्यवस्थापनलाई व्यवस्थित तुल्याउन अधिकार सम्पन्न फोहोरमैला व्यवस्थापन समिति निर्माण गर्ने ।
३. फोहोरमैला सङ्कलन स्थलको सम्भाव्यता अध्ययन गरि काम गर्ने ।

### ड) दृश्यावलोकन तथा मनोरञ्जन स्थल व्यवस्थापन:

दृश्यावलोकन तथा मनोरञ्जन पर्यटन विकासको मुख्य क्षेत्र हो, तसर्थ समग्र व्यवस्थापन योजनामा यस क्षेत्रलाई मूलरूपमा समेटिनुपर्छ । हालसम्म घुम्न आउने पर्यटकहरू पिके डाँडा क्षेत्र आसपास मात्र केन्द्रित रहने हुदा पर्यटकहरूको बसाईको अवधि अत्यन्तै छोटो रहेको सन्दर्भमा लिखु पिके गाउँपालिकाभर छरिएर रहेको दृश्यावलोकन तथा मनोरञ्जन स्थल तथा क्रियाकलापहरूको संरक्षण तथा प्रवर्द्धनका लागि उचित व्यवस्थापन आवश्यक छ त्यस्तै यस क्षेत्रमा प्रचलनमा रहेको विभिन्न परम्परागत नाच, जात्राहरू मार्फत पर्यटकहरू आकर्षित गर्न

थप व्यवस्थित गर्दै लैजानुपर्छ । यद्यपी बढ्दो पर्यटकीय गतिविधि संगै हुन सक्ने विभिन्न दुर्घटनाहरू तथा नकारात्मक क्रियाकलापहरूबाट बच्न सतर्क हुन जरुरी छ । तसर्थ दृश्यावलोकन तथा मनोरञ्जन व्यवस्थापनका लागि समुदायस्तरमा नै समिति गठन गरि गर्न सकिन्छ ।

### च) प्याकेज विकास तथा भ्रमण सञ्चालन

पर्यटन प्याकेज विकास र भ्रमण सञ्चालनहरू सधैं निजि उद्यमीहरूद्वारा समानान्तर रुपमा निर्माण गरिदै आएको छ । यस किसिमको व्यवस्थापन अभ्यासले यहाँको पर्यटन उद्योगको प्रचार प्रसारमा थप टेवा पुग्दै आएको छ । गाउँपालिका भर छरिएर रहेको सबै पर्यटकीय आकर्षणहरूलाई समेटेर पर्यटकले दिनुपर्ने समय र लाग्ने मूल्य सहितको व्यवस्थित साना ठुला आकर्षक प्याकेज बनाई प्रवर्द्धन गर्न सके पर्यटन व्यवसायलाई थप व्यवस्थित तथा विस्तार गर्न सकिन्छ । यस गाउँपालिकामा साँस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा प्राकृतिक सम्पदाहरू छरिएर रहेको हुँदा सबै पक्षहरूलाई मध्यनजर गर्दै यस्ता प्याकेजहरू निर्माण गर्नु पर्दछ । यस्ता प्याकेजहरू निर्माण गर्दा यात्रा संचालकहरूले स्वच्छ व्यापार अवधारणा अनुरूप स्थानीय गाइड सहितको राम्रो सेवा सुविधाहरू उपलब्ध गराउने गरि व्यवस्था गर्नु पर्दछ । त्यसैगरी भ्रमण प्याकेज निर्माण गर्दा गाउँपालिका भरका सबै पर्यटकीय आकर्षणहरूको साथै छिमेकी गाउँपालिका तथा गाउँपालिकाहरूमा रहेको पर्यटकीय सम्पदाहरूको पनि सावधानी पूर्वक मूल्यांकन गर्नु आवश्यक हुन्छ ।

### छ) पर्यटन र स्थानीय अर्थतन्त्रको बिचमा अन्तर सम्बन्ध स्थापना

पछिल्ला वर्षहरूमा गाउँपालिकामा पर्यटकीय गतिविधिहरू तिब्र रुपमा बढ्दै गए पनि यसबाट आसपासका सिमित बासिन्दाहरूले मात्र फाइदा लिन सकेको देखिन्छ । तसर्थ सबै क्षेत्रका बासिन्दाहरूको आर्थिकस्तर सुधार गर्न ग्रामीण भेग सम्म पनि पर्यटन उत्पादनहरू पुऱ्याउनु जरुरी छ । जसका लागि यस क्षेत्रलाई केन्द्रमा राखी स्थानीय समुदायको प्रत्यक्ष संलग्नतामा एकीकृत पर्यटन विकास अवधारणा अवलम्बन गर्नु पर्दछ । जसका लागि निम्नानुसारका उपायहरू अवलम्बन गर्न सकिन्छ ।

१. पालिका भ्रमण तथा ट्रेकिङ प्याकेज निर्माण गर्ने ।
२. समुदायमा आधारित ग्रामिण पर्यटन प्याकेज निर्माण गर्ने ।
३. स्थानीय बासिन्दाहरूको लागि पर्यटन सम्बद्ध रोजगारी सिर्जना गर्ने ।
४. अन्य फिडर भ्यालु चेन प्रडक्ट (Feeder value chain product) विकास गर्ने ।
५. पर्यटकहरूलाई लक्षित गरि स्थानीय कृषि उत्पादन प्रवर्द्धन गर्न बजारीकरण गर्ने ।

## ५.२ योजना कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन संयन्त्र

यो पर्यटन विकास गुरुयोजनाको कार्यान्वयन तथा अनुगमन गर्ने सम्पूर्ण जिम्मेवारी र दायित्व लिखु पिके गाउँ कार्यपालिकाको हुनेछ । यो गुरुयोजना कार्यान्वयन तथा अनुगमनका लागि गाउँपालिका प्रमुखले गाउँपालिका उप-प्रमुखको अध्यक्षतामा सम्पूर्ण वडाध्यक्षहरू, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, कार्यकारी सदस्यहरू, विज्ञ, उद्योगी, पर्यटन व्यवसायी, विकास साझेदार, गैर सरकारी संस्था लगायतका सरोकारवाला सम्मिलित गाउँपालिकास्तरीय पर्यटन

विकास समिति गठन गर्नेछ र आवश्यक नीतिगत व्यवस्थाका साथै पूँजी तथा पूर्वाधारको व्यवस्था गर्नेछ । गाउँपालिका पर्यटन विकास समितिको मातहत आवश्यकताका आधारमा प्राविधिक, आर्थिक तथा पूर्वाधार निर्माण तथा मर्मत सम्भार उप-समितिहरू पनि गठन गर्न सक्नेछ । पर्यटन विकास कार्यान्वयन, अनुगमन तथा आवश्यक सल्लाह तथा सुझाव प्रदान गर्नका लागि यो गाउँपालिका अवस्थित निर्वाचन क्षेत्रका संघीय संसद तथा प्रदेश सभाका सदस्यहरू, जिल्ला समन्वय समिति संयोजक, उप-संयोजक, गाउँपालिका प्रमुख, विज्ञ, उद्योगी, पर्यटन व्यवसायी, विकास साझेदार, गैर सरकारी संस्थाका विशिष्ट प्रबुद्ध व्यक्तिहरू सम्मिलित एउटा सल्लाहकार समिति पनि गठन गर्न सक्नेछ । यसरी विभिन्न समिति तथा उप-समितिहरू गठन गर्दा सामाजिक समावेशिता तथा सहभागितालाई मध्यनजर गर्नुपर्नेछ । पर्यटन विकास समितिको नियमित बैठक कम्तिमा दुई महिनाको एक पटक बसी आवश्यक योजना तर्जुमा, योजना कार्यान्वयन तथा अनुगमनका कार्यहरूका बारेमा छलफल तथा निर्णयहरू गर्नेछ भने सल्लाहकार समिति तथा अन्य उप-समितिहरूको बैठक आवश्यकताका आधारमा बसी आवश्यक निर्णयहरू गर्नेछ । विभिन्न समिति तथा उप-समितिहरूको गठन संरचना निम्नानुसार हुनेछ ।

**तालिका नं. १६:** लिखु पिके गाउँपालिका पर्यटन विकास समिति

| क्र. सं. | पद         | नाम                            |
|----------|------------|--------------------------------|
| १        | अध्यक्ष    | गाउँपालिका उपाध्यक्ष           |
| २        | सदस्य      | वडा अध्यक्ष- १                 |
| ३        | सदस्य      | वडा अध्यक्ष- २                 |
| ४        | सदस्य      | वडा अध्यक्ष- ३                 |
| ५        | सदस्य      | वडा अध्यक्ष- ४                 |
| ६        | सदस्य      | वडा अध्यक्ष- ५                 |
| ७        | सदस्य      | विज्ञ                          |
| ८        | सदस्य      | शिक्षक                         |
| ९        | सदस्य      | गै.स.स. प्रतिनिधी              |
| १०       | सदस्य      | उद्योगी                        |
| ११       | सदस्य      | व्यापारी/होटेल/पर्यटन व्यवसायी |
| १२       | सदस्य-सचिव | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत        |

**तालिका नं. १७:** सल्लाहकार समिति

| क्र. सं. | पद      | नाम                  |
|----------|---------|----------------------|
| १        | अध्यक्ष | संघीय संसद सदस्य     |
| २        | सदस्य   | प्रदेश सभा सदस्य - क |
| ३        | सदस्य   | प्रदेश सभा सदस्य - ख |
| ४        | सदस्य   | जि.स.स. संयोजक       |
| ५        | सदस्य   | जि.स.स. उप-संयोजक    |
| ६        | सदस्य   | गाउँपालिका अध्यक्ष   |



| क्र. स. | पद         | नाम                            |
|---------|------------|--------------------------------|
| ७       | सदस्य      | विज्ञ                          |
| ८       | सदस्य      | विज्ञ                          |
| ९       | सदस्य      | शिक्षक                         |
| १०      | सदस्य      | गै.स.स. प्रतिनिधी              |
| ११      | सदस्य      | उद्योगी                        |
| १२      | सदस्य      | व्यापारी/होटेल/पर्यटन व्यवसायी |
| १३      | सदस्य-सचिव | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत        |

गाउँपालिका पर्यटन विकास समितिले पर्यटन विकासका लागि आवश्यक पर्ने पूँजी तथा प्राविधिक सहयोगका लागि प्रदेश र संघीय सरकार तथा अन्य दातृ निकाय, गैर सरकारी संस्था र साझेदार निकायहरूसँग पर्यटन तथा पूर्वाधार विकास परियोजना प्रस्तावहरू पेश गर्नेछ र आवश्यक पूँजीको व्यवस्था मिलाउनेछ । गाउँपालिका पर्यटन विकास समितिले बेलाबेलामा पर्यटन विकास र पर्यटकीय स्थलहरूसँग सम्बन्धित कार्यशाला, तालिम, गोष्ठी, अन्तरक्रिया तथा प्रचारप्रसार गतिविधिहरू पनि सञ्चालन गर्नेछ । सल्लाहकार समितिले गाउँपालिका पर्यटन विकास समितिलाई पर्यटनसँग सम्बन्धित नीतिगत तथा रणनीतिक सल्लाह सुझाव प्रदान गर्नुका साथै पूँजीगत व्यवस्थाका लागि समेत आवश्यक सहयोग गर्नेछ । प्राविधिक, आर्थिक तथा पूर्वाधार निर्माण तथा मर्मत सम्भार उप-समितिहरूले आ-आफ्नो क्षेत्रसँग सम्बन्धित कामहरू गर्नेछन् भने यी सबै कामको अनुगमन गाउँपालिकाको अनुगमन समितिले गर्नेछ । गाउँपालिका पर्यटन विकास समितिले अर्ध-वार्षिक रूपमा आफूले गरेका कामहरूको लिखित प्रतिवेदन तयार गरी कार्यपालिकामा पेश गर्नेछ भने सल्लाहकार समिति, प्राविधिक, आर्थिक तथा पूर्वाधार निर्माण तथा मर्मत सम्भार उप-समितिहरूले वार्षिक रूपमा आफ्ना गतिविधिहरूको प्रतिवेदन कार्यपालिकामा पेश गर्नुपर्नेछ ।

प्राप्त प्रतिवेदनका आधारमा गाउँ कार्यपालिकाले वार्षिकरूपमा समीक्षा बैठक गरी पर्यटन विकासका अल्पकालीन, मध्यकालीन र दीर्घकालीन योजनाहरूको कार्यान्वयनका लागि आवश्यकताका आधारमा पर्यटन विकास कार्ययोजनामा परिमार्जन तथा परिवर्तन गर्न सक्नेछ । यो समीक्षा बैठक अत्यन्त आवश्यक हुन्छ किनकी पर्यटन विकास कार्ययोजना तथा क्रियाकलापहरू परिलक्षित गरिए भन्दा फरक पर्न सक्छन् । परिवर्तित परिवेश र आवश्यकताका आधारमा पर्यटन विकास कार्य योजनाहरू परिवर्तन तथा तिनीहरूको प्राथमिकिकरणमा पनि परिवर्तन गर्दै जानु अत्यावश्यक हुन्छ ।

## अध्याय – ६ निष्कर्ष र सारांश

लिखु पिके गाउँपालिका कोशी प्रदेशअन्तर्गत सोलुखुम्बु जिल्लामा पर्ने एक ऐतिहासिक, धार्मिक, साँस्कृतिक र प्राकृतिक महत्त्व रहेको गाउँपालिका हो । यस गाउँपालिका कोशी प्रदेशको र नेपालको एक सम्भाव्य पर्यटकीय गन्तव्य हो। यो गाउँपालिका प्राकृतिक सौन्दर्य, प्रचुर जैविक विविधता एवं ऐतिहासिक तथा साँस्कृतिक सम्पदाले भरिपूर्ण छ । यहाँ ऐतिहासिक, प्राकृतिक, धार्मिक र साँस्कृतिक पर्यटन विकासको प्रशस्त सम्भावना छ । राज्य, निजी क्षेत्र र स्थानीय बासिन्दाहरूको सामूहिक प्रयत्नद्वारा स्थानीय पर्यटकीय स्थानहरूको प्रर्वद्धन, विकास र प्रचारप्रसार तथा पर्यटकीय पूर्वाधारहरूको निर्माणद्वारा आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकहरूलाई आकर्षित गर्न सकेमा पर्यटन विकासको माध्यमद्वारा गाउँपालिकाको समग्र विकास गर्न सकिन्छ।

अहिलेको विश्व पुँजीको विकासद्वारा ज्ञान, विज्ञान, कला, र साँस्कृतिको विकास सहीत अगाडि लम्किरहेको परिस्थितीमा राज्यले सबै क्षेत्रमा लगानी गरी विकास गर्न असम्भव छ । जनताहरूलाई पनि विकास निर्माणमा सहभागी गराउन सके मात्र विकास निर्माणमा उनीहरूको स्वामित्व प्राप्त हुनाको साथै यस्तो विकास दिगो पनि हुन्छ। नेपालको संविधानले पनि विकास निर्माण, योजना तर्जुमा लगायतका जनतासँग सरोकार राख्ने सवालहरूमा जनसहभागिताको अपेक्षा गरी त्यसै अनुसारको कानुनी व्यवस्था गरेको सन्दर्भमा पर्यटन विकासमा पनि राज्य, सरकार र जनताहरू हातेमालो गर्दै अगाडि बढ्नुपर्ने देखिन्छ। अहिले स्थानीय सरकारको निर्वाचन पश्चात् जनप्रतिनिधीहरू निर्वाचित भई आइसकेको परिप्रेक्ष्यमा स्थानीय स्तरमा पर्यटन विकासका लागि योजना बनाई कार्यान्वयन गर्ने अधिकार र दायित्व पनि स्थानीय सरकारकै काँधमा आइपुगेको छ। नेपालमा पर्यटन क्षेत्र राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको एउटा अभिन्न अङ्गको रूपमा विकास भइरहेको छ। लिखु पिके जस्तो प्रचुर पर्यटकीय सम्भावना बोकेको गाउँपालिकामा यस अगाडि उल्लेखित स्थानीय पर्यटकीय स्थानहरूको विकास, प्रर्वद्धन र प्रचार प्रसार गरी पर्यटकको आगमनमा वृद्धि गरी रोजगारीका विभिन्न अवसरहरूको सिर्जना गर्न सकिन्छ। यसले स्थानीय बासिन्दाहरूको आय आर्जनमा टेवा पुगी उनीहरूको आर्थिक, शैक्षिक, सामाजिक, साँस्कृतिक जीवनशैलीमा सकारात्मक परिवर्तन आउन सक्दछ।

विकास निर्माणका जुनसुकै योजनाहरू बनाउँदा ती योजनाहरू वातावरणमैत्री, दिगो विकासमा आधारित र स्थानीय स्रोतसाधन र आवश्यकता सुहाउँदो हुनु जरुरी हुन्छ अन्यथा त्यस्तो विकास दिगो र उच्च प्रतिफलमुखी हुन सक्दैन। त्यसैले पर्यटन विकास लगायतका कुनै पनि योजनाहरू बनाउँदा यी पक्षहरूको बारेमा यथेष्ट ध्यान पुऱ्याउनु अत्यावश्यक हुन्छ । पर्यटकहरूको आगमनसँगै स्थानीय कला, साँस्कृति, भाषा, रहनसहन, परम्परा र पर्यावरणमा पनि नकारात्मक असर पर्न सक्छ । यसतर्फ पनि समयमै सचेत हुनु अति आवश्यक छ र त्यसै अनुसारका योजनाहरू बनाई पर्यटनको विकास गर्न सकेमा यो व्यवसाय गाउँपालिकाको समग्र विकासका लागि कोशे ढुङ्गा बन्न सक्ने कुरामा सायद कसैको दुई मत नहोला ।

## अनुसूचीहरू

### अनुसूची - १ माइन्टस्

आज मिति २०७९।०८।०९ गते यस लिखुपिके गाउँपालिका वडा नं. .... का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री प्रिङ्गार जेल्जे शेर्पा को उपस्थितिमा वडा कार्यालय सापे को प्राङ्गनमा मा, परामर्शदाता सस्था श्री सार्प रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू, पर्यटन क्षेत्रका जानकार महानुभावहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको पर्यटन गुरुयोजना (TDMP) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरू साथै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

#### तपसिल

| क्र.सं. | नाम                     | पद          | मोबाइल नं. | हस्ताक्षर |
|---------|-------------------------|-------------|------------|-----------|
| १       | प्रिङ्गार जेल्जे शेर्पा | वडा अध्यक्ष | ९८४४५७२२८३ |           |
| २       | डोक्वाङ ल्हाम्पा शेर्पा | उपाध्यक्ष   | ९८८९३२७२३६ |           |
| ३       | सोम प्राया शेर्पा       | वडा सदस्य   | ९८६९६४६६२६ |           |
| ४       | पेम्पा शेर्पा           | " "         | ९६४२६६९६९९ |           |
| ५       | बाल कुमारी वि.का.       | " "         | ९८४०९८९३४६ |           |
| ६       | होपडी शेर्पा            |             | ९८६०२३८६८३ |           |
| ७       | कल्याण भुजेल            |             | ९८६९०६२८३२ |           |
| ८       | ल्हाम्पा बुद्ध शेर्पा   |             |            |           |
| ९       | अञ्जन कुमार वस्नेत      |             | ९८४४६९९४६८ |           |
| १०      | लक्ष्मण वस्नेत          |             | ९८४०९९४६९  |           |
| ११      | धिरी शेर्पा             |             | ९८६३८६८८२९ |           |
| १२      | पासाङ शेर्पा            |             | ९८६३४४४९४२ |           |
| १३      | साङ शेर्पा              |             |            |           |
| १४      | कल्याण बुद्ध शेर्पा     |             | ९६६२४४२३३  |           |
| १५      | डा.पुर्ण वि.का.         |             |            |           |
| १६      | देव कलाकुर लामाङ        |             | ९६३६२३३३३  |           |
| १७      | अम विष्टा धिमिरे        |             | ९८४१५७६१९० |           |
| १८      | सामिहा धिमिरे           |             | ९८५१११५५५  |           |
| १९      |                         |             |            |           |
| २०      |                         |             |            |           |

आज मिति २०८१/०८/२५ गते यस लिखुपिके गाउँपालिका वडा नं. २ का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री मणिशर्मा वस्नेत को उपस्थितिमा वडा कार्यालय वस्नेत को प्राङ्गण मा, परामर्शदाता सस्था श्री सार्प रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू, पर्यटन क्षेत्रका जानकार महानुभावहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको पर्यटन गुरुयोजना (TDMP) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरू साथै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

| क्र.सं. | नाम                | पद                 | मोबाइल नं.  | हस्ताक्षर |
|---------|--------------------|--------------------|-------------|-----------|
| १       | मणिशर्मा वस्नेत    | वडा अध्यक्ष        | ९८५२०६०४२   |           |
| २       | प्रमोद खत्री       | वडा वसी (प्र)      | ९८५४३०४६५२  |           |
| ३       | सर्जुन वस्नेत      | वडा सचिव           | ९८५४६९९४६८  |           |
| ४       | धन बहादुर थापा     | का.सं.             | ९८५८९३९११८२ |           |
| ५       | निशान थापा         | स्वास्थ्य सहायक    | ९८५३८२९५६२  |           |
| ६       | उदक बहादुर वस्नेत  | शिक्षक             | ९८६३६६००६   |           |
| ७       | मोक्ष कुमारी खत्री | प्र.अ. पृष्ठभोगिनी | ९८४९६९४६६३  |           |
| ८       | चित्रमाया बराल     | वडा सदस्य          | ९८४३६३००    |           |
| ९       | हिरण्य वस्नेत      | सुचना दाता         | ९८६३९७२६६   |           |
| १०      | जुषा बा. काकी      | सुचना दाता         | ९८६९६०६५१३  |           |
| ११      | सुषमा ब. वस्नेत    | समाजसेवी           | ९८५०५६७८१५  |           |
| १२      | रुद्र ब. खड्का     | "                  | ९७६९७६२२९७  |           |
| १३      | प्रेम ब. खड्का     | "                  | ९८६१७७६२०९  |           |
| १४      | शोभा लामिछाने      | महिला सदस्य        | ९८४०५६६६६   |           |
| १५      | दिपेन्द्र काकी     | प्र.अ. उपदेखरी आ.  | ९८४३४१९३११  |           |
| १६      | बिन्दा घिमिरे      | तथ्याङ्क संकलन     | ९८५१५७६१९०  |           |
| १७      | सामिष्टा घिमिरे    | " "                | ९८५११७६९५   |           |
| १८      |                    |                    |             |           |
| १९      |                    |                    |             |           |

(कतिपय संख्यामा कोषी प्रदेश मालिकतामा रहेका छन्)

आज मिति २०८१/०८/२२ गते यस लिखुपिके गाउँपालिका वडा नं. १२... का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री ...धुर्व बहादुर वस्नेत... को उपस्थितिमा वडा कार्यालय ...लिखुपिके... को ...१२ नं. वडा... मा, परामर्शदाता सस्था श्री सार्प रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू, पर्यटन क्षेत्रका जानकार महानुभावहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको पर्यटन गुरुयोजना (TDMP) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरू साथै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

| क्र.सं. | नाम                  | पद                | मोबाइल नं. | हस्ताक्षर |
|---------|----------------------|-------------------|------------|-----------|
| १       | धुर्व बहादुर वस्नेत  | वडा अध्यक्ष       | ९८४५४४४४६८ |           |
| २       | दिपक वस्नेत          | वडा सदस्य         | ९८४००४६१२८ |           |
| ३       | सविता वि.क.          | वडा सदस्य         | ९८०२०२४४६८ |           |
| ४       | विष्णु ठुकारा भुजेल  | वडा सदस्य         | ९८४२४००४०४ |           |
| ५       | राम मित्तल मह्ले     | वडा सचिव          | ९८४४४४४४२९ |           |
| ६       | प्रमोद खत्री         | सर्व क्षेत्रीय    | ९८४२२०४६६२ |           |
| ७       | जित बहादुर कार्की    | ग्राम क्षेत्रीय   | ९८४६९४४६६  |           |
| ८       | पुष्प बहादुर वस्नेत  | पूर्व वडा अध्यक्ष | ९८६९९४६९११ |           |
| ९       | शक्ति खड्का          | शि.कि.का          | ९८४२९९९९६६ |           |
| १०      | बैजु वस्नेत          | शि.कि.का          | ९८६०८४०९६८ |           |
| ११      | डा. देवेंद्र शर्मा   | डा. सदस्य         | ९६९९२६६६९९ |           |
| १२      | मिता कार्की वस्नेत   | गा.पा. अध्यक्ष    | ९८४४४४४४४४ |           |
| १३      | संगीता वस्नेत        | गा.पा. सदस्य      |            |           |
| १४      | रोज बहादुर वस्नेत    | "                 |            |           |
| १५      | सविता वस्नेत         | "                 |            |           |
| १६      | पुरुषोत्तम वस्नेत    | "                 | ९८४६६६६६६६ |           |
| १७      | सुन्दर बहादुर वस्नेत | "                 | ९८४३०९६६६६ |           |
| १८      | सोर्षे वि.क. (दानक)  | "                 |            |           |
| १९      | विष्णु विमले         | तथ्याङ्क संकलन    | ९८४१५७६९०  |           |
| २०      | सामिना विमले         | " "               |            |           |

आज मिति २०८१/०८/०३.. गते यस लिखुपिके गाउँपालिका वडा नं. १०... का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री ..हिम्मत वडापुर वस्नेत..... को उपस्थितिमा वडा कार्यालय ..हुडा..... को ..सुशासन..... मा, परामर्शदाता सस्था श्री सार्प रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू, पर्यटन क्षेत्रका जानकार महानुभावहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको पर्यटन गुरुयोजना (TDMP) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरू साथै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

| क्र.सं. | नाम                     | पद                  | मोबाइल नं. | हस्ताक्षर |
|---------|-------------------------|---------------------|------------|-----------|
| १       | श्री हिम्मत वस्नेत      | वडा अध्यक्ष         | ९८६६९८९४९  |           |
| २       | श्री प्रेम कुमार वस्नेत | वडा सदस्य           | ९७६९९३२३२९ |           |
| ३       | श्री प्रेम वि. क.       | वडा सदस्य           | ९८६२२७८४४४ |           |
| ४       | श्री राजन वडापुर वस्नेत | वडा सदस्य           | ९७७९८४७९९९ | राजन      |
| ५       | श्री मान वडापुर वस्नेत  | कार्यपालिका सदस्य   | ९७६९२४९००६ | मान       |
| ६       | श्री विश्वोत्तम वस्नेत  | प्र.अ. जनसेवाका वि. | ९८६२८८८८३  |           |
| ७       | श्री विष्णु व. वस्नेत   | वि. न्याय अध्यक्ष   | ९८६३९७२६६८ |           |
| ८       | श्री मोहन अधिकारी       | पट्टी-चौबी          | ९८५२२०४९९  |           |
| ९       | श्री नेत्र व. वस्नेत    | संग्रहसभापति        | ९८६३०००५२९ | नेत्र     |
| १०      | श्री कल्प कु. वस्नेत    | वडा सचिव            | ९८६९७३३२२० |           |
| ११      | श्री सहदेव वस्नेत       | कृषि प्राविधि       | ९८६२९९६९०९ |           |
| १२      | श्री चुन वडापुर कर्का   | नेत्रुपा समिति      | ९८६३९९५९९७ |           |
| १३      | श्री विरमाया वस्नेत     |                     | ९७६९६५८२५२ | विरमाया   |
| १४      | श्री प्रकाश वस्नेत      |                     | ९७६९९६७८८६ | प्रकाश    |
| १५      | श्री नानिराम वस्नेत     | पट्टी-चौबी          | ९९५११२०१८३ |           |
| १६      | श्री पेशव अधिकारी       | ११                  | ९८४००९२२३  |           |
| १७      | श्री राम व. वस्नेत      |                     | ९८४२७६२३७७ | राम       |
| १८      | श्री सुर्य व. कर्का     |                     | ९८६३९९५९५० |           |
| १९      | श्री विष्णु चिमिरे      | तपसिल अध्यक्ष       | ९८४१५७६१७० |           |
| २०      | श्री समिक्षा चिमिरे     |                     | ९८५१११७५५  |           |

आज मिति २०८१.१२.१०... गते यस लिखुपिके गाउँपालिका वडा नं. ... का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री डिमा छिरी लामा को उपस्थितिमा वडा कार्यालय को प्रा.लि.को मा, परामर्शदाता सस्था श्री सार्प रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू, पर्यटन क्षेत्रका जानकार महानुभावहरु लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको पर्यटन गुरुयोजना (TDMP) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरु साथै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

| क्र.सं. | नाम               | पद              | मोबाइल नं.  | हस्ताक्षर |
|---------|-------------------|-----------------|-------------|-----------|
| १       | डा. लामा लक्ष्मी  | उपाध्यक्ष       | ९८२१६२६९३६  |           |
| २       | डिमा छिरी लामा    |                 |             |           |
| ३       | कुमार व. बस्नेत   |                 | ९८६२९८४३३८  |           |
| ४       | सुकुजित थापा      |                 | ९८६२९३००८८  |           |
| ५       | सुकु माया लामा    |                 | ९७६२५५२५७५  |           |
| ६       | पुष्प माया वि.क.  |                 |             |           |
| ७       | काजि मान राई      |                 | ९८२९९६९३९२  |           |
| ८       | हेम लामा          |                 |             |           |
| ९       | जादवु लोवरी       |                 | ९८६०२०८३३५६ |           |
| १०      | दिनेश लामा        |                 | ९८४५३७१७०६  |           |
| ११      | दिनेश बस्नेत      | सो.सहायक        | ९८८५३२९९९९  |           |
| १२      | अजय राज बस्नेत    | सहायक           | ९८२९९६२५९५  |           |
| १३      | धिरज राई          | जाविधिक सहायक   | ९८४६३०५२०६  |           |
| १४      | पुष्पक बस्नेत     | जाविधिक         | ९८४६२४६६६६  |           |
| १५      | पुष्पक राज सुब्बा | जाविधिक सहायक   | ९८४१२०९६६२  |           |
| १६      | पुष्प लोवरी       | सो.सहायक        | ९८४८७५२८५६  |           |
| १७      | पुष्पा लामा       | को.सहायक        | ९८४५६१५०५०  |           |
| १८      | पुष्पिका बस्नेत   | सो.सहायक        | ९८६३००६८५१  |           |
| १९      | समिष्ठा धिपिरे    | तथ्याङ्क कलकत्र |             |           |
| २०      | विष्ठा धिपिरे     | तथ्याङ्क कलकत्र | ९८४५५७६१९०  |           |

## अनुसूची - २ पर्यटन गुरू योजना तयारीको लागि छलफलमा सहभागीहरू









**अनुसूची - ३ पर्यटन गुरु योजनाको मस्यौदा प्रस्तुतीकरणका सहभागीहरू**

आज मिति २०७९ पौष ५ गते रात्रि लिएर पिउने गाउँपालिका कार्यलयमा गा.पा.० अध्यक्ष श्री मिनो काडी (हरने)को अध्यक्षता तथा उपस्थित क्रोपिमडो वडास्थितिमा पर्यटन गुरु योजना अन्तिम मस्यौदा प्रतिवेदन शुरुवाती दलफल जारी निर्णय लिईयो:

**उपस्थिति:**

- १) श्री मिनो काडी (हरने) - गा.पा.० अध्यक्ष *[Signature]*
- २) श्री इन्द्राङ्क ल्हान्यो शेर्पा - गा.पा.० उपाध्यक्ष *[Signature]*
- ३) श्री मिङ्मार जेल्जे शेर्पा - १ नं. वडा अध्यक्ष *[Signature]*
- ४) श्री ध्रुव बहादुर बस्नेत - ३ " " *[Signature]*
- ५) श्री हिममत बहादुर बस्नेत - ४ " " *[Signature]*
- ६) श्री राजीमान रई - प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत *[Signature]*
- ७) श्री शोभा देवी लामिदाने - का.पा.० सदस्य शोभा *[Signature]*
- ८) श्री विजमाथा बराइली - " " *[Signature]*
- ९) श्री राम मथा श्रेष्ठ - " " *[Signature]*
- १०) श्री रामेता वि.शे. - " *[Signature]*
- ११) श्री मान बहादुर भुजले - " " *[Signature]*
- १२) श्री निर कुमार वि.शे. - " *[Signature]*
- १३) श्री डा. जोकुल शवाली - समाजशास्त्री/अर्थशास्त्री *[Signature]*
- १४) श्री हमलात्त भंडारी - अर्थशास्त्री *[Signature]*
- १५) श्री जिकोमन भुजाल - इन्जिनियर *[Signature]*
- १६) श्री प्रमिला काडी - सृष्टागा अधिकृत *[Signature]*

**उपस्थितहरू:**

१. पर्यटन गुरु योजनाको अन्तिम मस्यौदा प्रतिवेदन पेश एवं पढाया, ।

निर्णय नं. १ शुरु दलफल गरी रात्रि गा.पा.० कार्यलयमा तथा गरी परामर्श दान। स्थानले गुरु योजना तथा गरी पेश गरेको अन्तिम मस्यौदा, प्रतिवेदनको कार्यपालिका बैठकमा पेश गरी उही विषय हरु छुन गरियो हुदा छु हुलेको बिषयहरू समावेश गरी अन्तिम प्रतिवेदन पेश गर्ने निर्णय गरियो।

## अनुसूची - ४ पर्यटन गुरू योजनाको मस्यौदा प्रस्तुतीकरणका सहभागीहरूको फोटोहरू



